मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	34.5	27.7
जमशेदपुर	30.1	25.7
डालटनगंज	34.5	27.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 10 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 92 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

क्या बिना प्रदूषण अनापत्ति प्रमाण पत्र के चल रहा था नरसिंह इस्पात !

दिलीप कुमार। चांडिल

- चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी ने 22 जून को नोटिस जारी किया था.
- **नरसिंह इस्पात कंपनी ने 26 जून को अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया.**
- वन विभाग से संबंधित राज्य सरकार का एनओसी नहीं जमा किया.

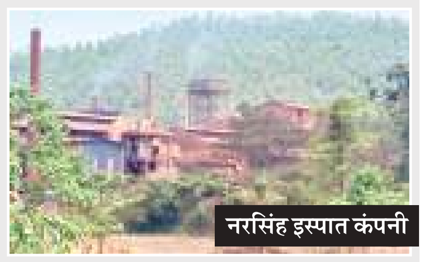
नरसिंह इस्पात कंपनी

नरसिंह इस्पात कंपनी ने चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) शुभ्रा रानी के नोटिस का जवाब दे दिया है. कंपनी के जवाब से यह पता चलता है कि नरसिंह इस्पात ने नोटिस मिलने के बाद प्रदूषण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया है. ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या इससे पहले कंपनी के पास प्रदूषण विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं था. क्या कंपनी 26 जून से पहले बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र के ही संचालित हो रही थी. इस बारे में कंपनी ने अपने जवाब में कुछ भी उल्लेख नहीं किया है. शुभम संदेश ने इस बारे में जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली. कंपनी की तरफ से जानकारी दिए जाने पर उसे भी प्रकाशित किया जाएगा.

जानकारी के मुताबिक चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी ने 22 जून को नरसिंह इस्पात लिमिटेड कंपनी प्रबंधन को नोटिस दिया था. कंपनी से तीन बिंदुओं पर जवाब मांगा गया था. नोटिस में सरकारी जमीन हस्तांतरण से संबंधित दस्तावेज के अलावा वन एवं पर्यावरण विभाग से कंपनी संचालन को लेकर मिले अनापत्ति प्रमाण पत्र और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मिला अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था. इसके लिए कंपनी प्रबंधन को एक सप्ताह का समय दिया गया था. कंपनी प्रबंधन ने जो जवाब दिया है, उसमें 26 जून को निर्गत प्रदूषण विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र और 2018 में निर्गत एमओईएफ शामिल है. कंपनी ने वन विभाग से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के बारे में कोई जानकारी एसडीओ को नहीं दी है. सरकारी जमीन के हस्तांतरण के बिंदु पर कंपनी ने कहा है कि जमीन का हस्तांतरण नहीं हुआ है और कंपनी सरकारी जमीन का उपयोग नहीं कर रही है.

जवाब का सत्यापन किया जा रहा है : एसडीओ

एसडीओ शुभ्रा रानी ने शुभम संदेश को बताया कि नरसिंह इस्पात प्रबंधन से तीन बिंदुओं पर जवाब मांगा गया था. प्रबंधन ने नोटिस का जवाब देते हुए प्रदूषण विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र और वर्ष 2018 में निर्गत एमओईएफ सौंपा है. अनापत्ति प्रमाण पत्रों को प्रदूषण और वन विभाग को सत्यापन के लिए भेजा गया है. रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया कि ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत कंपनी प्रबंधन को हर साल प्रदूषण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना है. इसके तहत हर वर्ष जनसुनवाई भी करानी है. जनसुनवाई हो रही या नहीं, इसकी जांच होगी. सरकारी जमीन का उपयोग करने और उसकी घेराबंदी करने की भी जांच होगी. प्रबंधन नोटिस का गोलमटोल जवाब देकर मामले को उलझाने की कोशिश कर रहा है. उन्होंने बताया कि प्रदूषण विभाग से मिले अनापत्ति प्रमाण पत्र और वन विभाग के अनापत्ति प्रमाण पत्र की भी जांच की जाएगी. नियम विरुद्ध काम होने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी. जरूरत पड़ी, तो ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर सच्चाई जानने का प्रयास किया जाएगा. कार्रवाई के तहत श्रम अधिनियम के तहत कंपनी के संचालन, कंपनी में कामगारों के लिए स्वास्थ्य समेत अन्य सुविधा, कामगारों को मिलने वाली सुविधाएं, सीएसआर के तहत किए गए विकास कार्य समेत अन्य कई मामलों की भी जांच भी हो सकती है.

शुभ्रा रानी, एसडीओ

ग्रामीणों ने लगाया आरोप नियम नहीं मान रही कंपनी

खूंटी और आसपास के ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन द्वारा ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत प्रदूषण को लेकर आसपास के ग्रामीणों के साथ बैठक कर किसी तरह की जन सुनवाई नहीं की जाती है. वहीं, कंपनी पर आरोप है कि सरकार द्वारा निर्धारित मानकों को दरकिनार कर उक्त कंपनी वन भूमि से सटाकर स्थापित की गयी है. वन विभाग के नियम के अनुसार वन भूमि से कंपनी की दूरी 250 मीटर होनी चाहिए. नरसिंह इस्पात लिमिटेड के खिलाफ वनवाद भी दर्ज हो चुका है. ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में शिक्षा व खेल के विकास, स्वास्थ्य, पेयजल समेत अन्य समग्र विकास के लिए सीएसआर के तहत कंपनी कोई काम भी नहीं करती है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,900
चांदी (किलो)	94,000

ब्रीफ खबरें

बुमराह, मंधाना आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। टी20 विश्व कप में भारत के विजयी अभियान के नायक रहे जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को जून महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना है. महिला वर्ग में स्मृति मंधाना को भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है.

-खेल पेज भी देखें

राहुल गांधी शहीद के परिजनों से मिले

लखनऊ (उप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने कीर्ति चक्र विजेता शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की. इस दौरान शहीद की मां ने सेना में अग्निवीर सैनिकों की भर्ती पर रोक लगाने की मांग की.

भारत में घटिया तेल से हर साल 27 की मौत

वाशिंगटन। भारत में भोजन पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले घटिया तेल के संपर्क में आने के कारण हर 1,000 शिशुओं और बच्चों में से 27 की मौत हो जाती है. अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है.

नीट धांधली मामले में दो और लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली। सीबीआई ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी प्रश्नपत्र के कथित लीक मामले में एक अभ्यर्थी समेत दो और लोगों को पटना से गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही एजेंसी द्वारा मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 11 हो गई है. अधिकारियों ने बताया कि नालंदा निवासी नीट-यूजी अभ्यर्थी सन्नी और गया निवासी अन्य अभ्यर्थी रंजीत कुमार के पिता को गिरफ्तार किया गया है.

फजीहत : अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में तीन सांसदों की बड़ी पहल

फादर स्टेन की मौत की स्वतंत्र जांच का प्रस्ताव

फिर चर्चा में

ललित के झा। वाशिंगटन

अमेरिका के तीन मुखर सांसदों ने भारत के मानवाधिकार कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी, उन्हें कैद में रखने और उनकी मौत की स्वतंत्र जांच के लिए प्रतिनिधि सभा में एक आग्रह प्रस्ताव पेश किया है. स्टेन स्वामी की 5 जुलाई 2021 को मुंबई में हिरासत के दौरान मौत हुई थी. सांसद जुअन वार्गस, सांसद जिम मैकगवर्न और आंद्रे कार्सन द्वारा पेश प्रस्ताव में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं व विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए आतंक विरोधी कानूनों के दुरूपयोग पर चिंता व्यक्त की गई है.

प्रस्ताव में भारत के सुप्रीम कोर्ट के हाल ही के उस निर्णय की सराहना की गई है, जिसमें पुराने विवादास्पद राजद्रोह कानून पर रोक लगाई थी. यह प्रस्ताव भारत और दुनिया भर की सभी सरकारों को यह स्पष्ट करता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मौलिक अधिकार है, जैसा कि मानवाधिकारों के अनुच्छेद 19 में लिखा गया है और 1948 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाया गया है, जो सभी मनुष्यों के अधिकारों और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करता है. प्रस्ताव में भारत की संसद से इस रोक को स्थाई करने का आग्रह किया गया है.

आतंकवाद विरोधी कानूनों के दुरूपयोग पर जताई चिंता

- 5 जुलाई 2021 को मुंबई के एक अस्पताल में हो गई थी फादर स्टेन स्वामी की मौत
- स्टेन स्वामी ने आदिवासी अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया था अपना जीवन

फादर को करना पड़ा दुर्व्यवहार का सामना

उन्होंने कहा, मैं इस बात को सोच कर सहम जाता हूं कि फादर स्टेन को किस तरह लगातार दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा और हिरासत में रहने के दौरान उन्हें चिकित्सा देखभाल से वंचित रखा गया. मैंने यह प्रस्ताव इसलिए पेश किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फादर स्टेन और उनकी आजीवन प्रतिबद्धता को कभी भुलाया न जाए. स्वामी का पांच जुलाई 2021 को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया था. उन्हें एक दिन पहले दिल का दौरा पड़ा था तथा उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया था.

आदिवासियों के हक की करते थे वकालत

फ़ादर स्टेन ने अपना जीवन बेजुबानों को आवाज़ देने के लिए समर्पित कर दिया. वे स्वदेशी आदिवासी लोगों के अधिकारों के लिए अथक वकालत करते थे, युवा समुदाय के नेताओं को प्रशिक्षित करते थे और भारत में कई समुदायों के लिए न्याय के लिए काम करते थे. वर्गास ने कहा, एक पूर्व जेसुइट के रूप में, मैं इस बात से भयभीत हूं कि फादर स्टेन को लगातार दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा और हिरासत में रहने के दौरान उन्हें चिकित्सा देखभाल से वंचित रखा गया. मैंने यह प्रस्ताव इसलिए पेश किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फादर स्टेन और महान भलाई के लिए उनकी आजीवन प्रतिबद्धता को कभी भुलाया न जाए.

पेसा अधिनियम के लिए पैदा की जागरूकता

पर्वतारोही फादर स्टैनिस्लॉस लौर्डुस्वामी, जिन्हें फादर स्टेन के नाम से जाना जाता है, का जन्म 26 अप्रैल, 1937 को तमिलनाडु के दक्षिणी राज्य तिरुचिरापल्ली जिले के विरागलुर नामक गांव में हुआ था और कम उम्र से ही जेसुइट पादरियों के काम से प्रेरित होकर उन्होंने 1957 से धर्मशास्त्र का अध्ययन शुरू किया. प्रस्ताव के अनुसार, स्टेन ने समकालीन भारत के महत्वपूर्ण आदिवासी आंदोलनों में से एक, पत्थलगड़ी में भूमिका निभाई, जिसमें आदिवासी परंपराओं के पत्थर तराशने का इस्तेमाल आदिवासियों के बीच भारतीय संविधान के तहत उन्हें दिए गए अधिकारों के बारे में जानकारी फैलाने के लिए किया गया. झारखंड में फादर स्टेन ने भारतीय संविधान के प्रावधानों जैसे पंचायत या पेसा अधिनियम के कार्यान्वयन के बारे में जागरूकता पैदा की, जिसने आदिवासी भूमि पर रहने वाले लोगों के लिए स्वशासन की स्थापना की.

विभावि के पूर्व कुलपति का कोलकाता में निधन

जन्म : 16 दिसंबर, 1955
मृत्यु : 09 जुलाई, 2024

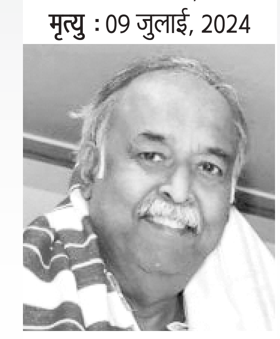

- लंग्स में इन्फेकशन होने के कारण डॉ. रमेश शरण (69 वर्ष) की कुछ दिन पहले तबीयत बिगड़ गयी थी.

रांची। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि) के पूर्व कुलपति डॉ. रमेश शरण का कोलकाता में इलाज के दौरान निधन हो गया. उनका मंगलवार को मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया. इस मौके पर तमाम शिक्षाविद, विद्वान एवं उनके परिजन मौजूद थे. जानकारी के अनुसार, लंग्स में इन्फेकशन होने के कारण डॉ. रमेश शरण की कुछ दिन पहले तबीयत बिगड़ गयी थी. जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए कोलकाता ले जाया गया, जहां उन्होंने सोमवार की रात अंतिम सांस ली. बता दें कि डॉ. रमेश शरण को इसी साल फरवरी में विनोबा भावे विश्वविद्यालय का लोकपाल नियुक्त किया गया था. इनकी नियुक्ति तीन साल के लिए की गई थी. लेकिन कार्यकाल पूरा होने से पहले ही डॉ. रमेश शरण का निधन हो गया.

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जताया शोक

पूर्व कुलपति व अर्थशास्त्री डॉ. रमेश शरण का निधन अत्यंत दुखद है. शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है. मैं परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. ईश्वर उन्हें दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें.- **सीपी राधाकृष्णन,** राज्यपाल झारखंड

डॉ. रमेश शरण का निधन अपूरणीय क्षति है. मैं निजी रूप से काफी मर्माहत हूं. मरांग बुरू से उनकी आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं. **- हेमंत सोरेन,** मुख्यमंत्री झारखंड

14 दवाओं के लाइसेंस रद्द होने के बाद बिक्री रोकी

पतंजलि आयुर्वेद ने सुप्रीम कोर्ट में दी सफाई

एजेंसी। नयी दिल्ली

बाबा रामदेव की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं. उनकी कंपनी पतंजलि ने सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी कि उसने उन 14 उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी है, जिनके निर्माण लाइसेंस को उत्तराखंड की सरकार ने निलंबित कर दिया था.

पतंजलि ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लिखित में जानकारी दी कि उसने अपने 14 उत्पादों की बिक्री भी रोक दी है, जो उत्तराखंड के ड्रग रेगुलेटर द्वारा निलंबित किए गए थे.

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा

पतंजलि दो हफ्ते में हलफनामा दाखिल कर यह बताए कि क्या विज्ञापनों को हटाने के लिए सोशल मंचों से किया गया अनुरोध मान लिया गया है. साथ ही क्या इन 14 उत्पादों के विज्ञापन वापस ले लिए गए हैं.

ये हैं 14 उत्पाद: इन उत्पादों में अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और डायबिटीज के लिए रामदेव की पारंपरिक दवाएं भी शामिल हैं. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दिव्य फार्मेसी की जिन दवाओं पर सरकार ने बैन लगाया है उनमें श्वासारि गोल्ड, श्वासारि वटी, ब्रोंकोम, श्वासारि प्रवाही, श्वासारि अवलेहा, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडोम, लिवामृत एडवांस, लिवोग्रिट, बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर और पतंजलि दृष्टि आई ड्रॉप शामिल हैं.

दरअसल, उत्तराखंड ने बाबा रामदेव की दवा कंपनियों द्वारा बनाए गए इन 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस को उनकी प्रभावशीलता के बारे में बार-बार भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए निलंबित कर दिया है.

विज्ञापनों को हटाने का अनुरोध : कंपनी ने मंगलवार को न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि उसने 5,606 स्टोरों से इन उत्पादों को वापस लेने का निर्देश जारी किया है. उसने यह भी बताया कि सोशल मीडिया मंचों को भी निर्देश दिया गया है कि वे इन 14 उत्पादों से जुड़े सभी विज्ञापनों को हटा लें.

गौतम गंभीर बने टीम इंडिया के नए हेड कोच

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने गौतम गंभीर को टीम इंडिया टीम का हेड कोच बनाने का ऐलान कर दिया है. गंभीर टीम के 25वें हेड कोच होंगे. टी20 वर्ल्ड कप के बाद राहुल द्रविड़ ने छोड़ दिया था. अब जुलाई के अंत में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में गंभीर, टीम से जुड़ेंगे. जय शाह ने एक्स पर कहा - मुझे घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि गंभीर अब टीम इंडिया के हेड कोच होंगे.

स्मृति शेष : डॉ. रमेश शरण

अर्थशास्त्री-शिक्षक ही नहीं सामाजिक चेतना के स्वर थे

प्रवीण कुमार

अर्थशास्त्री डॉ. रमेश शरण का जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है. झारखंड के हाशिए के समूहों के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सवालों को व्यापक नजरिए से उठाने वाली वह आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई, जो पिछले पांच दशक से झारखंड के लोगों के सुख-दुख का हिस्सा थी. मेरे लिए तो डॉ. शरण न केवल गुरु और मार्गदर्शक थे, बल्कि मेरे जीवन को गढ़ने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी. आर्थिक सवालों पर तैयार की गई झारखंड की पहली विकास रिपोर्ट बनानेवाले डॉ. रमेश शरण ने उस प्रक्रिया में मुझे भी जोड़ा था. हाशिए के समूहों की आवाज उठाने के लिए वह अक्सर अपने छात्रों को प्रेरित किया करते थे. 28 मई 2024 को उन्होंने फोन कर झारखंड की राजनीति पर लंबी बात की. उन्होंने कहा कि न जाने कब बदलेगा झारखंड, कब यहां को लोगों के लिए सरकारें नीतियां बनाएंगी.

-शेष पेज 7 पर

हाशिए के समूहों के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सवालों को उठानेवाला आवाज खामोश हो गया

शिखर वार्ता रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता में पीएम मोदी की दो टूक

बम-बारूद से यूक्रेन युद्ध का समाधान नहीं, वार्ता जरूरी

एजेंसी। मॉस्को

पीएम नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक की. इस दौरान उन्होंने आतंकवाद, यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए. पीएम मोदी ने कहा कि रूस से करीब ढाई दशक से मेरा नाता जुड़ा है.

उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में हम 17 बार मिल चुके हैं और भारत और रूस के बीच 25 साल में 22 द्विपक्षीय बैठकें हुई हैं. यह मेरी मॉस्को की छठी यात्रा है और यह हमारे संबंधों की गहराई दिखाता है. रूस-यूक्रेन युद्ध की बात करते हुए मोदी ने कहा, युद्ध हो, संघर्ष हो, आतंकी हमले हों, मानवता में विश्वास करने वाला हर व्यक्ति, जब जनहानि होती है, तो बहुत पीड़ित होता है. उसमें भी जब मासूम बच्चों की मौत होती है, उन्हें मरते हुए देखते हैं तो हृदय छलनी हो जाता है. मित्र के नाते हमने हमेशा कहा है कि हमारी भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए शांति सर्वाधिक आवश्यक है. मैं यह भी जानता हूं कि युद्ध के मैदान में समाधान संभव नहीं होते हैं.

पीएम मोदी ने कहा, बम-बंदूक और गोलियों के बीच समाधान और शांति वार्ताएं सफल नहीं होती हैं. हमें वार्ता से शांति के रास्ते अपनाने होंगे. मुझे इस बात का संतोष है कि कल इतने खुले मन से आप बात कर रहे थे, जिसमें कोई लीपापोती नहीं थी. मैंने देखा, हमारी बातचीत में से कई अच्छे आइडिया निकले. इनमें से ही एक नई सोच सामने आई . हमारी बात में यह भी मन बना कि शांति की बहाली में भारत हर संभव सहयोग करने को तैयार है.

रूस में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलेगा भारत : मोदी ने कहा, भारत रूस में दो नए वाणिज्य दूतावास कजान और येकातेरिनबर्ग में खोलेगा. इससे दोनों देशों में व्यापार में बढ़ोतरी होगी.

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का मिला न्यौता : इस दौरान पुतिन ने पीएम मोदी को कजान में ब्रिक्स सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है. यह सम्मेलन 22 से 24 अक्टूबर को रूस में होगा.

पीएम मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान

मॉस्को। पीएम नरेंद्र मोदी को मंगलवार को व्लादिमीर पुतिन ने ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू एपोसल पुरस्कार से सम्मानित किया. मोदी को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में सेवाओं के लिए इस सम्मान से नवाजा गया है. मोदी ने एक समारोह में पुरस्कार प्राप्त करने के बाद एक्स पर लिखा, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोसल पुरस्कार प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं. मैं इसे भारत की जनता को समर्पित करता हूं. वर्ष 1698 में यीशू के प्रथम प्रचारक और रूस के संरक्षक संत सेंट एंड्रयू के सम्मान में जार पीटर द ग्रेट द्वारा स्थापित ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोसल रूस का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है.

20 ढोंगी संत होंगे ब्लैकलिस्टेड

13 अखाड़ों में बनी सहमति, 18 को होगी अखाड़ा परिषद की बैठक

लगातार न्यूज नेटवर्क। प्रयागराज

यूपी के हाथरस कांड से सुर्खियों में छाए भोले बाबा समेत 20 ढोंगी बाबाओं को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा. देश के सभी 13 धार्मिक अखाड़ों के बीच इस पर सहमति बन गई है. कुंभ मेला प्रशासन के साथ 18 जुलाई को होनेवाली बैठक में अखाड़ों की ओर से इसका प्रस्ताव आएगा. कहा जाएगा कि ढोंगी बाबाओं को मेले में बसने में सुविधाएं न दी जाएं.

यह जानकारी देते हुए अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि जनता को भ्रमित कर अपने भक्तिजाल में फंसाने वाले बाबाओं की सूची तैयार कर ली गई है. ऐसे बाबाओं को महाकुंभ में दुकानें नहीं सजाने देंगे. इस बारे में सभी अखाड़ों के प्रतिनिधियों की सहमति बन चुकी है कि पाखंडी बाबाओं की सूची जारी की जाए.

नारायण साकार हरि खुद को परम ब्रह्म बता रहे हैं. वह कहते हैं कि वही ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं, जब चाहेंगे प्रलय कराकर सृष्टि को मिटा देंगे. ऐसे 20 ढोंगी बाबाओं की सूची शासन को देंगे, ताकि उन्हें महाकुंभ में भूमि-सुविधाओं से वंचित किया जा सके.
-महंत हरि गिरि, महामंत्री, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद.

फर्जी बाबाओं में राम रहीम भी : उन्होंने कहा कि हाथरस कांड होने के बाद से अखाड़ा परिषद भोले बाबा, नित्यानंद, बाबा राम रहीम समेत 20 से अधिक बाबाओं को ब्लैक लिस्ट करने जा रही है. शामिल हैं. अखाड़ा परिषद से जुड़े संतों का कहना है कि ऐसे लोग चमत्कार के नाम पर जनता को गुमराह कर भीड़ जुटाते हैं और यही लोग संतों को बदनाम करते हैं.

ब्रीफ खबरें

देवघर: ऊर्जा विभाग ने तैनात किए अफसर

रांची। आगामी 21 जुलाई से शुरू होनेवाले देवघर श्रावणी मेला 2024 को देखते हुए उर्जा विभाग ने अफसरों को तैनात करते हुए कार्यालय आदेश जारी कर दिया है.उर्जा विभाग के ये पदाधिकारी मेले के दौरान बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर और वासुकीनाथ परिसर में विद्युत उपकरणों एवं विभिन्न स्थलों पर निर्मित पंडालों में किए गए अस्थायी बिजली कनेक्शन की सुरक्षा जांच और उसके उपायों को लेकर कामा करेंगे. जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, विद्युत निरीक्षक रांची प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, सहायक विद्युत अभियंता रांची अजय कुमार सिंह, शैलेजानंद प्रकाश, दीपक रजक, कनीय अभियंता कुदंन कुमार दास और विकास कुमार यादव की तैनाती श्रावणी मेला के लिए की गयी है.

लेखिका को मिलेगा राष्ट्रीय शौर्य सम्मान

रांची। रांची की लेखिका डॉ मेघा रानी को राष्ट्रीय शौर्य सम्मान से सम्मानित किया जाएगा. विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग द्वारा उनके समाजिक कार्यो को देखते हुए और आम लोगों तक लेखन के जरिये पहुंच बनाने के साथ उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए यह सम्मान दिया जा रहा है. आयोग द्वाराउन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर भी नियुक्त किया है, जिसकी चिठ्ठी जारी कर दी गई है.नियुक्ति के बाद डॉ मेघा रानी ने कहा कि मानवधिकार सुरक्षा के लिए समाज में जागरुकता लाना जरूरी है.

टाटानगर-हटिया एक्स. ट्रेन आज से डायवर्ट

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा रेल मंडल अंतर्गत विकास कार्य को लेकर रोलिंग ब्लॉक लिया जाएगा. ऐसे में रांची रेल मंडल से परिचालित ट्रेन संख्या 18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन 10, 12 और 14 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग चांडिल, पुरुलिया, कोटशिला, मुरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चांडिल, गुंडा बिहार, मुरी होकर चलेगी. वहीं, दक्षिण रेलवे में ब्लॉक की वजह से ट्रेन संख्या 13352 अलपुझा-धनबाद एक्सप्रेस 10,13, 14, 15,16, 17, 18, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 27, 28 और 30 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पोत्तनूर, इरुगूर, सुरतकल होकर चलेगी.

गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मिलनेवाली राशि 11 दिन रोके रखी, कैंसर से जूझ रहे रवि प्रकाश ने सीएम से की शिकायत

ट्रेजरी अफसर ने रोकी मरीजों की मदद ,सीएम ने दिया जांच का आदेश

संवाददाता। रांची

रांची के ट्रेजरी अफसर ने गंभीर रूप से बीमार लोगों के इलाज के लिए मिलनेवाली सरकारी राशि का भुगतान 11 दिनों तक रोके रखा. सिविल सर्जन ने 17 लाख रुपये के बिल भुगतान के लिए 26 जून को ही ट्रेजरी अफसर को फाइल भेज दी थी. ट्रेजरी अफसर ने सात जुलाई तक फाइल को लटकाये रखा. कैंसर से जूझ रहे पत्रकार रवि प्रकाश ने जब इस संबंध में पूछताछ शुरू की, तब जाकर बिल का भुगतान किया गया. रवि प्रकाश ने पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी किया है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ट्रेजरी अफसर की लापरवाही की जांच करा कर कार्रवाई करने की मांग की है. साथ ही ट्रेजरी अफसर के खिलाफ हत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची डीसी को आदेश दिया है कि पूरे मामले की जांच कर दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करें. साथ ही दूसरे जिलों के डीसी इस बात का ख्याल रखें कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

अफसर के खिलाफ हत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध

मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना पर अफसरों के कारण लग रहा ग्रहण

रवि प्रकाश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना पर कुछ अफसरों और उनके मातहतों के कारण ग्रहण लग रहा है. रांची के लापरवाह ट्रेजरी अफसर और उनके मातहतों के खिलाफ हत्या की कोशिश की प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए. कैंसर या दूसरी गंभीर बीमारी में एक या दो दिन की भी देरी मरीज की जान ले सकती है. यह जानने समझने के बाद भी रांची के ट्रेजरी अफसर ने गंभीर रूप से बीमार लोगों के 17 लाख रुपये के बिल भुगतान को बेवजह रोके रखा. इतना ही नहीं ट्रेजरी अफसर ने सिविल सर्जन कार्यालय से अवांछित दस्तावेज की मांग की. रवि प्रकाश का आरोप है कि बिल का भुगतान रोकने के पीछे का मकसद परिजनों से कमीशन की उगाही करना है.

ट्रेजरी कर्मी ने फोन कर कहा- मामले की शिकायत किसी से न करें

रवि प्रकाश ने आगे लिखा है कि सिविल सर्जन कार्यालय ने संबंधित मरीजों के सभी कागजात की जांच करने के बाद ही मरीजों के लिए पैसा आवंटित किया गया था. पैसे सीधे उन अस्पतालों के खाते में भेजे जाते हैं, जहां मरीज का इलाज चल रहा होता है. जानकारी के मुताबिक, रवि प्रकाश कैंसर से जूझ रहे हैं. कैंसर उनके दिमाग तक फैल चुका है. हाल ही में उन्होंने रेडिएशन कराया है. वह गंभीर रूप से बीमार हैं. इसके बावजूद ट्रेजरी के कर्मचारी ने उन्हें बार-बार फोन किया. फोन कर कहा कि इस मामले की शिकायत वे किसी से न करें और न ही मीडिया के लोगों को जानकारी दें.

कैबिनेट की मंजूरी के बाद उर्जा विभाग ने जारी की अधिसूचना

उर्जा विभाग में होंगे अभियंता प्रमुख कुल 105 नए पदों का सृजन भी हुआ

रांची। अब उर्जा विभाग में भी अभिंयता प्रमुख होंगे. उर्जा विभाग मुख्यालय के मानव संसाधन का पुनर्गठन किया गया है, जिसमें कुल 105 नए पदों का सृजन किया गया है. विगत 28 जून को तत्कालीन चंपाई सोरेन सरकार के अंतिम कैबिनेट की बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी थी. इसके बाद उर्जा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है.

उर्जा विभाग मुख्यालय के मानव संसाधन का पुनर्गठन

ये पद हुए हैं सृजित

अभियंता प्रमुख एवं उनकी सहायता के लिए : अभियंता प्रमुख- 1, अभियंता प्रमुख के टीएस- 1, अभियंता प्रमुख के आप्त सचिव- 1, अवर सचिव- 1, प्रशाखा पदाधिकारी- 2, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी- 2, कनीय सचिवालय सहायक- 2, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1 आदेशपाल- 2.
मुख्य विद्युत निरीक्षक, रांची कार्यालय : मुख्य विद्युत निरीक्षक- 1, प्रशाखा पदाधिकारी- 1, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी- 2, कनीय सचिवालय सहायक- 1, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1, आदेशपाल- 1.
मुख्य अभिंयता कार्यालय, रांची : प्रशाखा पदाधिकारी- 1, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी- 2, कनीय सचिवालय सहायक- 1, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1.
विद्युत निरीक्षक कार्यालय, जमशेदुपर, धनबाद और दुमका : विद्युत निरीक्षक- 3, सहायक विद्युत निरीक्षक- 9,उच्च वर्गीय लिपिक- 3, निम्न वर्गीय लिपिक- 3, कंप्यूटर ऑपरेटर- 3, आदेशपाल- 3.
विद्युत निरीक्षक कार्यालय, जमशेदुपर, धनबाद और दुमका : विद्युत निरीक्षक- 3, सहायक विद्युत निरीक्षक- 9, उच्च वर्गीय लिपिक- 3, निम्न वर्गीय लिपिक- 3, कंप्यूटर ऑपरेटर- 3, आदेशपाल- 3.
विद्युत कार्य प्रमंडल कार्यालय, जमशेदुपर और दुमका : विद्युत कार्यपालक अभियंता- 2, सहायक विद्युत अभियंता- 9, प्राकल्लन पदाधिकारी- 2, प्रमंडलीय लेखा पदाधिकारी- 2, कनीय अभियंता- 12, उच्च वर्गीय लिपिक- 1, निम्न वर्गीय लिपिक- 4, उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)- 1, निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)- 1, कंप्यूटर ऑपरेटर- 6, आदेशपाल- 6, अनुसेवक- 6.
एसओआर : विद्युत अधीक्षण अभियंता- 1, विद्युत कार्यपालक अभियंता- 2, सहायक विद्युत अभियंता- 4, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1.
विद्युत लाईसेसिंग बोर्ड कार्यालय : सहायक विद्युत अभियंता- 1, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1, आदेशपाल- 1, अनुसेवक- 1.

इस तरह होगा प्रमंडल और विद्युत निरीक्षाणलय कार्यालय का विस्तार

- उर्जा विभाग में अब तक केवल दो ही प्रमंडल रांची और धनबाद कार्यरत हैं. अब इसे बढ़ा कर चार किया जा रहा है. जमशेदपुर और दुमका नये प्रमंडल होंगे.
- **विद्युत निरीक्षणालय कार्यालय केवल रांची में है. इसे बढ़ा कर चार किया जा रहा है. अब जमशेदपुर, धनबाद और दुमका में भी इसका कार्यालय होगा.**
- उर्जा विभाग का बिजली उपकरण खरीदी का एसओआर का काम अभी पथ निर्माण विभाग के अधीन हो रहा है. अब उर्जा विभाग का अपना एसओआर होगा, जिसके अपने अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक, सहायक एवं कनीय अभियंता होंगे.
- **अभी मुख्य विद्युत अभियंता सह मुख्य विद्युत निरीक्षक का एक ही पद है. इसे तोड़ कर अलग-अलग किया जा रहा है. यानी कि मुख्य अभियंता और मुख्य विद्युत निरीक्षक के पद अब अलग-अलग होंगे.**
- विद्युत निरीक्षणालय में कनीय विद्युत अभियंता के सभी पद समाप्त कर दिए गए हैं. अब इसमें सहायक अभियंता स्तर के अफसर ही कार्य करेंगे.

राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने सीएम हेमंत से की मुलाकात

संवाददाता। रांची

- विस्थापन आयोग के गठन का निर्णय स्वागत योग्य कदम
- किसान आयोग का गठन भी जल्द किया जाए,ताकि किसानों को लाभ हो

झारखंड प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने तीसरी बार राज्य का मुख्यमंत्री बनने पर हेमंत सोरेन से मिलकर उन्हें बधाई दी. साथ ही कैबिनेट में शामिल मंत्रियों को भी बधाई न शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जतायी कि हेमंत के नेतृत्व में राज्य का चहूंमुखी विकास होगा. उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद बड़े पैमाने पर लोग विस्थापन का शिकार हो रहे थे.

वर्षों से राज्य के विस्थापितों के लिए उचित फोरम नहीं होने के कारण लोगों के सुनवाई/इंसाफ मिलने में दिक्कतें आती थीं, अब विस्थापन आयोग का गठन होने से निश्चित रूप से लंबित मामलों का सही तरीके से निष्पादन हो सकेगा और पीड़ित विस्थापितों का कल्याण हो पाएगा. राज्य गठन के बाद से ही विस्थापन आयोग बनाने की मांग लंबित थी. तीसरी बार सीएम का पदभार संभालने के बाद विस्थापन आयोग का गठन कर राज्य व जनहित में निर्णय लिया है, जो विकास के लिए मानक के रूप में साबित होगा. उन्होंने कहा कि राज्य री नवनियुक्त कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से लोगों को काफी उम्मीद है. किसानों को सुविधा एवं कृषकों के हित के लिए किसान आयोग का भी गठन होना चाहिए, क्योंकि किसानों के ऋण, सिंचाई, फसल बीमा व मुआवजा जैसे विषयों पर त्वरित निर्णय लिया जा सकेगा. कृषि मंत्री से उम्मीद है कि किसानों के हित में सुझावों को संज्ञान में लेकर निश्चित रूप से सीएम हेमंत सोरेन को अनुशंसा करने पर विचार करेंगे.

15 से 18 साल के ड्रॉपआउट बच्चे फिर से कर सकेंगे पढ़ाई

रांची। जिन बच्चों ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी है, उनके लिए खुशखबरी है. अब ऐसे 15 से 18 साल तक के बच्चों को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद पढ़ाई जारी रखने का मौका दे रहा है. परिषद अब ऐसे बच्चों को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) के जरिए पढ़ाई जारी रखने का मौका दे रहा है. 15 से 18 साल के ड्रापआउट बच्चे 27 जुलाई से की शाम पांच बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर अपनी इच्छा के मुताबिक क्लास 3,5,8,10 व 12 में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक आदित्य रंजन ने ऐसे बच्चे और उनके अभिभावकों से अपील की है कि जो बच्चे विद्यालय से बाहर रह गए हैं या ड्रॉपआउट हैं, वे पुनः अपनी पढ़ाई शुरू ही नहीं करें, बल्कि उसे पूरा भी करें. निःशुल्क रजिस्ट्रेशन कराने के लिए छात्रों को https://forms.gle/e3k8fyJGk5trYQ4L6 पर जाकर अपना विवरण जमा करना होगा.

बाबूलाल मरांडी भाजपा की पालकी ही ढोते रह जाएंगे लेकिन अब कभी सीएम नहीं बन पाएंगे: हेमलाल मुर्मू

हेमलाल ने कहा : हेमंत का मतलब होता है सोना, जितना जलाओगे, तपाओगे, निखरेगा

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो के आदिवासी नेताओं को पार्टी का पालकी ढोनेवाला बताया जाने पर झामुमो ने बाबूलाल मरांडी पर पलटवार किया है. पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता हेमलाल मुर्मू ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भाजपा की पालकी ढोते रहें, लेकिन अब वह किसी भी कीमत पर अब झारखंड के मुख्यमंत्री नहीं बन सकते हैं. वे संथाल या किसी भी आदिवासी क्षेत्र में चाहे जितना भी जोर लगा लें, न तो उन्हें आदिवासी समाज अपनाने जा रहा है और न भाजपा को ही. मुर्मू ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे ते.

हेमंत मतलब होता है सोना : हेमलाल मुर्मू ने कहा कि पांच महीने तक भाजपा की साजिश के कारण हेमंत सोरेन जेल में रहे. बिना प्रमाण के उन्होंने कठिन कारावास की सजा काटी. मगर भाजपा वाले भूल गए कि हेमंत का मतलब होता है सोना. सोना को जितना जलाओगे, जितना तपाओगे, उतना अधिक और निखरेगा, चमक बढ़ेगी. ठीक उसी तरह से हेमंत सोरेन जेल से निकलने के बाद पूरी चमक के साथ पूरे देश के आदिवासी नेता के रूप में उभरे हैं. उन्हें पूरे देश और इंडिया गठबंधन के लोगों ने स्वीकार किया. विधानसभा में उन्होंने प्रचंड बहुमत के साथ विश्वास मत हासिल कर विपक्ष को अपनी ताकत का अहसास करा दिया है.

चमरा लिंडा का निलंबन हो सकता है वापस, पार्टी ने दिया संकेत

ईडी जहां जाना है जाए, हेमंत रहेंगे बेदाग

हेमलाल मुर्मू ने ईडी द्वारा हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से बेल मिलने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने पर कहा कि उसे जहां जाना है जाए. कोई दिक्कत नहीं है. पांच महीने तक हेमंत सोरेन को जेल में रखने के बाद भी ईडी उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं दे पाया. इसलिए सुप्रीम कोर्ट भी हाईकोर्ट के निर्णय को कंटीन्यू करेगा, ऐसा पूरा विश्वास है. न्याय पर पूरा भरोसा है. हेमंत बेदाग थे और बेदाग ही रहेंगे.

सरकार के साथ खड़े होने का उपहार मिलेगा चमरा लिंडा को

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विश्वास मत के दौरान पार्टी से निलंबित विधायक चमरा लिंडा द्वारा सपोर्ट करने पर उन्हें पार्टी उपहार दे सकती है. पार्टी उन्हें निलंबन मुक्त कर सकती है. इस बात के संकेत पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता हेमलाल मुर्मू ने दिए. लोबिन हेंब्रम के बारे में उन्होंने कहा कि चूंकि उनका मामला स्पीकर कोर्ट में चला गया और इसो लेकर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन और लोबिन हेंब्रम दोनों को नोटिस हुआ है, इसलिए इस मामले में अब स्पीकर कोर्ट के फैसले के बाद ही कुछ हो सकेगा.

कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे हेमंत सरकार ने ठगा नहीं: प्रतुल शाहदेव

बाबूलाल मरांडी का डर झामुमो के सिर चढ़कर अभी भी बोलता है

संवाददाता। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि अब झामुमो राजनीतिक मृत्यु शय्या पर पड़ा है और दिन में ही बड़े-बड़े सपने देख रहा है. इस सरकार के बारे में प्रचलित कहावत है-कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे हेमंत सरकार ने ठगा नहीं. बेरोजगार, किसान,महिला, युवा, मध्यम वर्ग, सभी इस सरकार के गलत निर्णयों और भ्रष्टाचार के शिकार हुए हैं. यह सरकार अब दोबारा सत्ता में कभी नहीं आनेवाली है. वैसे भी एनडीए को पिछले लोकसभा चुनाव में 52 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली थी. वहीं सत्ताधारी गठबंधन 27 सीटों पर सिमट गया था. शाहदेव ने कहा कि इस सरकार पर बाबूलाल मरांडी का खौफ सिर चढ़ कर बोलता है. इन लोगों को सोते जागते बाबूलाल जी ही याद आते हैं. क्योंकि इनको पता है बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में भाजपा गठबंधन आगामी विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है.

सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी कर रहे हैं घुसपैठ : प्रतुल ने कहा कि बांग्लादेश की सीमा से बड़े पैमाने पर जो बांग्लादेशी घुसपैठिये भीतर घुस आए हैं, उन्हें राज्य सरकार राजनीतिक संरक्षण दे रही है. ऐसे दर्जनों मामले हैं, जिसमें भोली भाली आदिवासी लड़कियों को प्रेम जाल में फंसा कर ये बांग्लादेशी विवाह कर स्थानीय निकाय पर काबिज हो गए हैं. यही नहीं नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने तो यह भी सिद्ध किया कि बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर अब्दुस हमीस की पत्नी मरियम मरांडी ने राजमहल से लोकसभा का चुनाव लड़ा था. सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को तुष्टिकरण की नीति के तहत कागजात उपलब्ध करा कर बसाया जाता है. फिर वह जमीन पर कब्जा करते हैं और अब तो सीधा राजनीतिक हस्तक्षेप प्रारंभ हो गया है.शाहदेव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने जब झारखंड मुक्ति मोर्चा को घुसपैठ के मुद्दे पर आइना दिखाया, तो इनको मिर्ची लग गई और ये अब अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने लगे. यही इनका असली राजनीतिक संस्कार है.

शाहदेव ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा यह कैसे भूल रहा है कि इसी हाईकोर्ट की डबल बेंच, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश कर रहे थे, उसने तीन मई को केस संख्या डब्ल्यूपी सीआर 68 /2024 में टिप्पणी करते हुए कहा था कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ जमीन लूट के प्रथम दृष्टया प्रमाण मिलते हैं. उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने ईडी की प्रारंभिक कार्रवाई को सही ठहराया था. उच्च न्यायालय ने कहा था कि हेमंत सोरेन ने अपने दिल्ली आवास से 36 लाख रुपटये की रिकवरी को लेकर जो तर्क दिया वह असमर्थनीय है.

रांची के 350 वकीलों ने ट्रस्टी कमेटी का शुल्क जमा नहीं किया

लीगल रिपोर्टर। रांची

रांची जिला बार एसोसिएशन के 350 से ज्यादा वकीलों ने ट्रस्टी कमेटी का पैसा जमा नहीं किया है. ऐसे में उन्हें ट्रस्टी कमेटी से मिलने वाले लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है. इसके साथ ही एसोसिएशन के कई वकील ऐसे भी हैं, जिन्होंने अब तक ट्रस्टी कमेटी की सदस्यता भी नहीं ली है. रांची जिला बार एसोसिएशन की कमेटी ने इन वकीलों को दो महीने का समय दिया है, ताकि वे ट्रस्टी कमेटी का बकाया जमा कर सदस्यता ले लें.

एसोसिएशन द्वारा जारी की गई सूची में वैसे 50 से ज्यादा वकीलों का भी नाम शामिल हैं, जिन पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया का शुल्क भी बकाया है. ट्रस्टी कमेटी की सदस्यता नहीं लेने और बकाया जमा नहीं करने पर वकीलों का न तो वोटर लिस्ट में नाम शामिल होता है और न ही बार एसोसिएशन से उन्हें किसी तरह की सुविधा ही मिल पाती है. काउंसिल के निर्देश पर जिला बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं से लगातार आग्रह कर रहा है कि वे वेरिफिकेशन फॉर्म जमा कर दें, ताकि वकीलों के लिए काउंसिल और जिला बार एसोसिएशन द्वारा चलाई जा रही वेलफेयर की योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सके.

नई पहल रेलवे सुरक्षा बल की टेक्निकल टीम ने इस मोबाइल एप्लीकेशन को डेवलप किया गया है

आरपीएफ ने संज्ञान ऐप लांच किया, मिलेगी नए कानूनों की जानकारी

संवाददाता। रांची

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संज्ञान ऐप लांच किया है. आरपीएफ की टेक्निकल टीम द्वारा इस मोबाइल एप्लीकेशन को डेवलप किया गया है, जहां तीन नए आपराधिक कृत्यों पर व्यापक जानकारी हासिल की जा सकती है. यानि आरपीएफ की टीम द्वारा इसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 पर व्यापक जानकारी देने के लिए विकसित किया गया है.संज्ञान ऐप का लांच करने का मकसद नए और पुराने दोनों आपराधिक कानूनों के प्रावधानों को समझने के लिए व्यापक जानकारी प्रदान कर आरपीएफ कर्मियों को शिक्षित और सशक्त बनाना है. इतना ही नहीं आरपीएफ के संदर्भ में इन नए कानूनों की प्रासंगिकता की भी जानकारियां मिल सकेंगी.

आइए जानते हैं क्या हैं ऐप की विशेषताएं

सभी मोबाइल में सपोर्ट : संज्ञान ऐप का सभी मोबाइल पर आसानी से उपयोग किया जा सकता है. इस ऐप के जरिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 की जानकारी आसानी से हासिल की जा सकती है. ऐप के जरिए सभी यूजर इन कानूनों को आसानी से पढ़ सकते हैं, खोज सकते हैं और संदर्भ ले सकते हैं.

कानूनों की तुलना : ऐप के जरिए यूजर सीधे नये और पुराने कानूनों के विशिष्ट हिस्सों की तुलना कर सकते हैं. यह सुविधा कानूनी ढांचे में परिवर्तन और निरंतरताओं को पहचानने और समझने में मदद करती है.

अनुभाग-वार विश्लेषण : बीएनएसएस और बीएनएस के प्रमुख हिस्सों का विस्तार से विश्लेषण किया गया है. इसमें प्रक्रियात्मक दृष्टिकोण के लिए विभिन्न प्रावधानों और क्षेत्र संचालन में उनकी उपयोगिता पर ध्यान केंद्रित किया गया है.

उन्नत खोज उपकरण : कॉग्निजेंट ऐप उन्नत खोज कार्यक्षमता प्रदान करता है, जिससे यूजर्स कानूनी पुस्तकों के माध्यम से कुशलतापूर्वक नेविगेट कर सकते हैं. उपयोगकर्ता अनुभाग-वार, अध्याय-वार और विषय-वार खोज कर सकते हैं, जिससे प्रासंगिक जानकारियों को जल्द से जल्द ढूंढना आसान हो जाता है.

कानूनी डेटाबेस : तीन नए कानूनों के अलावा, ऐप में रेलवे सुरक्षा से संबंधित अन्य आवश्यक कानूनी अधिनियम और नियम शामिल हैं. इसमें रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम 1957, रेलवे अधिनियम 1989, रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम 1966 और आरपीएफ नियम 1987 शामिल हैं. यह व्यापक डेटाबेस तय करता है कि यूजर्स को रेलवे सुरक्षा से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कानूनी जानकारियां सहजता से उपलब्ध हो सकें.

यूजर्स के अनुरूप डिजाइन : संज्ञान ऐप को सटीकता और आसानी से उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है. यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ता महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी के साथ कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से जुड़ सकें और आरपीएफ संचालन में कानूनों की अपनी समझ और अनुप्रयोग को बढ़ा सकें.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

जमशेदपुर, बुधवार 10 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 92

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चक्रधरपुर में एम्बुलेंस के धक्के से बाइक सवार की मौत, दो घंटे सड़क जाम

रांची-चाईबासा मुख्यमार्ग पर चक्रधरपुर में सड़क जाम में फंसी गाड़ियां.

सड़क जाम करते स्थानीय लोग.

सड़क जाम के दौरान समझाते थाना प्रभारी राजीव रंजन.

- 20 हजार नगद मिलने व मुआवजा के अश्वासन पर हटाया जाम
- सुबह साढ़े सात बजे से साढ़े नौ बजे तक फंसे रहे दर्जनों वाहन

संवाददाता । चक्रधरपुर

रांची-चाईबासा मुख्यमार्ग के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के पोटका के समीप मंगलवार सुबह तेज रफ्तार एंबुलेंस की चपेट में आने से एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई. खूंटपानी प्रखंड के लोहरदा गांव निवासी सिकंदर जामुदा नामक व्यक्ति बाइक से चक्रधरपुर के पोटका स्थित पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरवा कर गांव लौट रहा था. इसी दौरान चाईबासा की ओर से आ रही तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने मोटरसाइकिल सवार सिकंदर जामुदा को टक्कर मार दी. इस घटना में सिकंदर जामुदा गंभीर रूप से घायल हो गये.

घटना के बाद स्थानीय लोगों व समाजसेवी सिकंदर जामुदा ने घायल व्यक्ति को दुर्घटना करने वाले एंबुलेंस में उठाकर चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल लाया, जहां डॉक्टरों ने घायल व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया. चक्रधरपुर पुलिस एम्बुलेंस चालक को हिरासत में लेकर एम्बुलेंस को थाना ले आई.

घटना के बाद गुस्साए मृतक के परिजनों पर स्थानीय लोगों ने चक्रधरपुर पेट्रोल के समीप रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग जाम कर दिया. इस दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन के प्रति रोष व्यक्त किया. मौके पर पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ विजय सिंह गागराई ने भी ग्रामीणों के साथ पुलिस प्रशासन से मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने व लगातार हो रही सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने की मांग की. इस दौरान थाना प्रभारी व अंचल अधिकारी ने लोगों को समझने का प्रयास किया, लेकिन लोग मानने के लिए तैयार नहीं थे. वहीं शव अनुमंडल अस्पताल में ही पड़ा रहा. लोगों ने सुबह साढ़े सात बजे से लेकर सुबह साढ़े नौ बजे तक सड़क जाम करके रखा.

इससे सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई. मौके पर पीड़ित परिवार को अंचलाधिकारी ने पीड़ित परिवार को 20 हजार रुपये नगद दिया. उन्होंने मृतक के परिजनों को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया. इसके बाद लोगों ने जाम हटाया.

भुआ व पार्वतीपुर के जंगलों में उत्पाद विभाग ने शराब अड्डा किया ध्वस्त

संवाददाता । आदित्यपुर

सरायकेला-खरसावां जिले के उत्पाद अधीक्षक विमला लकड़ा के निर्देश पर मंगलवार को उत्पाद विभाग ने छापामारी अभियान चलाया. अभियान के दौरान आरआईटी थाना क्षेत्र के भुआ और पार्वतीपुर के जंगलों में छापामारी कर बड़े पैमाने पर अवैध सामग्री जब्त की गई है. बताया जा रहा है कि उत्पाद अधीक्षक विमला लकड़ा सरायकेला-खरसावां के निर्देश पर आरआईटी थाना क्षेत्र के भुआ जंगल और पार्वतीपुर जंगल में नदी किनारे संचालित दो शराब अड्डा पर छापामारी की गई. छापामारी के दौरान 1000 किलोग्राम जावा महुआ को नष्ट किया गया है. अड्डा संचालकों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया जा रहा है. शराब माफिया दखिन बेसरा और डोमा मांझी के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज कर करवाई की जा रही है.

ब्रीफ खबर

नक्सलियों का एक दिवसीय कोल्हान बंद आज

चक्रधरपुर । झारखंड पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों द्वारा लोवादा, कोल्हान सारंडा के लिपुंगा में ऑपरेशन क्लीन के तहत छह नक्सलियों के मारे जाने के विरोध में भाकपा माओवादी, दक्षिण जोनल कमेटी की ओर से 10 जुलाई को एक दिवसीय 24 घंटे का कोल्हान बंद बुलाया गया है. इसे लेकर कुछ दिनों पूर्व भाकपा माओवादी दक्षिण जोन कमेटी के प्रवक्ता अशोक द्वारा एक विज्ञप्ति भी जारी की गई थी.

(विस्तृत खबर पेज 5)

टेल्को लूट मामले में आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ जारी

जमशेदपुर। टेल्को थाना अंतर्गत तार कंपनी के पास कंपनी के डीजीएम के घर घुसकर लूट करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को हिरासत में लिया है. पुलिस इन सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है वहीं आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद कर ली गई है. पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि आरोपी कदमा में हुए शराब दुकान लूट मामले में शामिल है या नहीं. पुलिस बुधवार को मामले का खुलासा करेगी.

कॉलेज के छात्रों को दिलायी गई सड़क सुरक्षा की शपथ

जमशेदपुर। सड़क सुरक्षा को लेकर युवाओं में जागरूकता लाने के उद्देश्य से मंगलवार पटमदा के जल्ला डिग्री कॉलेज में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुक किया गया. इस दौरान सड़क सुरक्षा से जुड़े क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें कॉलेज के छात्रों को प्रश्नोतरी देकर सही जवाब मांगा गया. सही जवाब देने वालों को ट्राफिक डीएसपी एवं कॉलेज के प्राचार्य ने हेलमेट देकर सम्मानित किया.

हल्दीपोखर में सड़क दुर्घटना में अधेड़ की मौत

जमशेदपुर । कोवाली थाना अंतर्गत हल्दीपोखर में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत हो गयी. घटना मंगलवार सुबह 5.30 बजे की है. जानकारी के अनुसार परितोष सरकार मॉर्निंग वॉक पर निकले थे. तभी रास्ते में अज्ञात वाहन की चपेट में आ गये, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. स्थानीय लोगों और पुलिस के सहयोग से उन्हें एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया. जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

पू. सिंहभूम में 306 चौकीदारों की होगी नियुक्ति

जमशेदपुर । पूर्वी सिंहभूम जिले में जल्द ही चौकीदार के रिक्त 306 पदों पर नियुक्ति की जाएगी. इसका निर्णय मंगलवार को चौकीदार स्थापना समिति की उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया. बैठक में ग्रामीण एसपी, स्थापना उप समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे. इस दौरान सीधी नियुक्ति के लिए नए सिरे विज्ञापन का प्रकाशन करने का निर्णय लिया गया.

'डेंगू अबकी बार पलटी मार' अभियान शुरू

डेंगू के डंक से निपटने में जुटा जिला प्रशासन

सभी अस्पतालों में मरीजों के लिए बेड सुरक्षित रखने का निर्देश

- डेंगू मच्छर का लार्वा पाए जाने पर 500 रुपया लगेगा जुर्माना

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर में डेंगू के मामले सामने आने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है. उपायुक्त अनन्य मित्तल ने मंगलवार को पूरे स्वास्थ्य महकमा की बैठक बुलायी. जिसमें सिविल सर्जन, एमजीएम अस्पताल के उपाधीक्षक के अलावे निजी अस्पताल व नर्सिंग होम के प्रतिनिधि भी शामिल हुए. इस बीमारी का फैलाव नहीं हो, इसलिए अभी से ही पूरी मुक्कमल तैयारी में जुट जाने का निर्देश सभी को दिया गया. खासकर स्वास्थ्य विभाग को इस बीमारी की जांच के लिए पर्याप्त किट, इलाज के लिए बेड की उपलब्धता, क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का गठन, आम लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करने, कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग टीम चिन्हित करने तथा संभावित स्थलों और पिछले वर्ष के हॉट स्पॉट जोन में डेंगू लार्वा जांच के निर्देश दिया. राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत डेंगू अपकी बार पलटी मार हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया. लोगों को जागरुक करने के लिए बैलून उड़ाया गया.

अभी तक जिले में दो लोग संक्रमित पाए गए हैं. दोनों व्यक्ति शहर से बाहर के रहने वाले हैं. उपायुक्त का मानना है कि जागरूकता, साफ-सफाई, जांच एवं कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, एंटी लार्वा का छिड़काव व समय पर इलाज से ही इस बीमारी से बचा जा सकती है. बैठक के दौरान उन्होंने सरकारी, निजी अस्पताल व नर्सिंग होम को मरीजों के लिए दो बेड सुरक्षित रखने का निर्देश दिया. साथ ही शहरी क्षेत्र में नगर निगम, निकाय व जुस्को (अब टीएसयूआईएसल) को फॉगिंग, साफ-सफाई तथा शहरी क्षेत्र में डेंगू को लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया. बैठक में उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ जुझार माझी, एमजीएम उपाधीक्षक डॉ नकुल चौधरी, नगर निकाय पदाधिकारी, टीएमएच व अन्य निजी चिकित्सा संस्थानों तथा नर्सिंग होम के प्रतिनिधि, जुस्को सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सिविल सर्जन को स्पष्ट निर्देश दिया कि डेंगू का लार्वा जिस घर में पाया जाय. उनसे 500 रु. जुर्माना वसूला जाय. लगातार प्रशासन के दिशा निर्देशों की अवहेलना करने पर ऐसे दोषियों को ज्यादा आर्थिक दंड लगाया जाय. साथ ही उन्होंने जागरूकता पर जोर दिया. शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों से कहा कि स्कूली बच्चों को एसेंबली एवं क्लास में डेंगू से बचाव को लेकर जानकारी दें. पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने के बारे में बताएं, बच्चों के माता, पिता व समुदाय के साथ बैठक करें, स्कूल कैंपस, फील्ड व स्कूल के आस-पास पानी का जमाव नहीं होने दें.

हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत करते उपायुक्त अनन्य मित्तल.

संक्रमित एडिस मच्छर के काटने से फैलता है डेंगू

डेंगू संक्रमित एडिस मच्छर के काटने से फैलता है. संक्रमित मच्छर के काटने के 5-6 दिन बाद बुखार आने लगता है. कोई भी व्यक्ति जिसे संक्रमित मादा एडिस मच्छर काट ले उसे डेंगू बुखार होने की संभावना होती हैं, संक्रमित मादा ऐडिस मच्छर के काटने से अधिकतर लोग डेंगू से प्रभावित होते हैं.

लोगों के लिए एडवाइजरी जारी

घर के अन्दर व आंगन में जहां भी पानी एकत्रित हो रहा है, उसे नियमित साफ करें, घर में कोई भी बेकार बर्तन, खुली बोतल, डिब्बे, पुराने टायर, कबाड़ एवं प्लास्टिक का सामान एकत्रित ना होने दें, इनमें पानी के ठहरने से डेंगू मच्छर के पनपने का खतरा सबसे अधिक रहता है. बर्तनों को खाली कर उलटा कर के रखें, पानी के बर्तन, टंकी और हौदे को ढक कर रखें. फूल के गमलों में पानी न जमा होने दें, कूलर का पानी सप्ताह में एक बार खाली कर दें और सुखाने के बाद ही भरें, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, ऐसे कपड़े पहने जो शरीर को ज्यादा से ज्यादा ढंक सके तथा डेंगू के लक्षण होने पर चिकित्सक से मिलें एवं बिना चिकित्सक की सलाह के कोई दवा नहीं लें.

समय कंस्ट्रक्शन की सनराइज प्वाइंट प्रोजेक्ट निर्माण में नया विवाद

मापी के लिए पहुंची टीम का बिल्डर ने किया विरोध

- 55 डिसमिल जमीन कब्जा करने का आरोप
- बगैर जांच किए लौटी अंचलकर्मियों की टीम

संवाददाता । आदित्यपुर

समय कंस्ट्रक्शन की सनराइज प्वाइंट प्रोजेक्ट निर्माण में एक नया विवाद सामने आया है. समय कंस्ट्रक्शन बिल्डर पर 55 डिसमिल जमीन पर कब्जा करने आरोप लगा है. मंगलवार को जब मापी के लिए अंचल की टीम पहुंची तो बिल्डर ने विरोध कर अंचल कर्मियों को बगैर जांच किए बैरंग लौटा दिया है. बता दें कि आदित्यपुर थाना क्षेत्र के हरिओम नगर में निर्माणाधीन समय कंस्ट्रक्शन का प्रोजेक्ट सनराइज प्वाइंट शुरू से ही विवाद में है. अब नया विवाद दो बिल्डरों के बीच सामने आया है. समय कंस्ट्रक्शन बिल्डर पर हेवेन प्रोजेक्ट के बिल्डर आरके सिन्हा की जमीन पर कब्जा कर वहां अवैध निर्माण का आरोप लगा है. मंगलवार को यहां जमीन की मापी करने आए अंचल के कर्मचारियों से बिल्डर के लोगो ने धक्का मुक्की करते हुए मापी का काम नहीं करने दिया.

जानकारी के अनुसार जयप्रकाश उद्यान निवासी बिल्डर रविंद्र कुमार सिन्हा की 55 डिसमिल जमीन को समय कंस्ट्रक्शन बिल्डर जबरन अपने प्रोजेक्ट में मिलाकर यहां निर्माण काम कर रहा है. जिसकी शिकायत आदित्यपुर पुलिस से की गई है. इस मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों को मापी करवाकर मामले का हल निकालने को कहा था. इसी आलोक में रविंद्र सिन्हा ने गम्हरिया अंचल में आवेदन देकर अपनी जमीन की मापी की मांग की थी. मंगलवार को अंचलाधिकारी कमल किशोर सिंह के आदेश के बाद यहां अंचल के अमीन और अन्य कर्मचारी मापी करने पहुंचे थे, लेकिन पहले से मौके पर मौजूद बिल्डर के लोगों ने मापी का विरोध करना शुरू कर दिया. मामले की जानकारी मिलने के बाद आदित्यपुर थाना प्रभारी नितिन कुमार सिंह दलबल के साथ पहुंचे और बिल्डर को समझाने का भी प्रयास किया लेकिन बिल्डर मापी नहीं होने देने को लेकर अड़े रहे, जिसके बाद बगैर मापी किए अंचल के कर्मचारी बैरंग लौट गए. बता दें कि इस जमीन पर पूर्व में गौरी गौतम कंस्ट्रक्शन ने भूमि पूजन किया था, जो निर्माण नहीं करा सके तो सोसायटी के लोगों ने समय कंस्ट्रक्शन को यह प्रोजेक्ट सौंपा है.

पलामू के अपराधियों ने की थी रांची के डीपी ज्वेलर्स में लूट

8 लुटेरे गिरफ्तार, जेवरात व हथियार बरामद

संवाददाता। रांची

जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के स्थित डीपी ज्वेलर्स में बीते 28 जून को लूट की घटना हुई थी. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल आठ अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में विकास कुमार, शशि भूषण, विवेक कुमार, पंकज कुमार, अभिरंजन कुमार, मुकेश कुमार, सूरज कुमार और रितेश वर्मा शामिल हैं. ये सभी अपराधी पलामू जिले के रहने वाले हैं. वहीं लूटे हुए जेवरातों में से एक बैग जेवरात भी पुंदाग स्थित एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट से बरामद किए गए हैं.

पुलिस ने अपराधियों के पास से हथियार भी बरामद किया है. एसएसपी ने मंगलवार की देर शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी.

डीपी ज्वेलर्स में 28 जून को दिन में 3.30 बजे लूटकांड की घटना को अपराधियों ने अंजाम दिया था. ज्वेलरी शॉप से करीब 1.40 करोड़ रुपए के जेवरात और 2.50 लाख रुपए नगद अपराधी लूट कर भाग निकले थे.सभी अपराधी हेलमेट पहने हुए थे और उनके पास हथियार था. लूट के बाद अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग भी की थी. फायरिंग में एक गोली डीपी ज्वेलर्स के संचालक को हाथ में लगी थी.

एसएसपी ने बताया कि लूटकांड की घटना के बाद पुलिस ने जब ज्वेलरी शॉप से मिले सीसीटीवी को खंगालना शुरू किया, तो उसमें अपराधी एक दूसरे का नाम लेते हुए सुनाई दिए.उसी से पुलिस को इस कांड में शामिल अभियुक्तों के संबंध में अहम सुराग मिले.

गणेश सिंह समेत तीन को पुलिस ने भेजा जेल

संवाददाता ।जमशेदपुर

जमशेदपुर के टेल्को में हुए रंजित सरदार हत्याकांड मामले में फरार चल रहे आरोपी गणेश सिंह समेत तीन को पुलिस ने आज मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया. गणेश की गिरफ्तारी कल सोमवार देर रात उस वक्त की गई जब वह कोलकाता से सड़क मार्ग से जमशेदपुर आ रहा था. इस दौरान उसके साथ मौजूद रवि जायसवाल और अमन सिंह को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया.

पुलिस ने कार से एक हथियार भी बरामद किया है जिसका लाइसेंस नागालैंड से लिया गया है. दो मैगजीन, 18 जिंदा गोली और 8 मोबाइल भी बरामद किया गया है. रवि जायसवाल पर गोलमुरी नेहरू कॉलोनी निवासी राहुल छाबड़ा पर फायरिंग करवाने का आरोप लगा था. हालांकि, इस मामले में जांच के दौरान उसका नाम हटा दिया गया. वहीं अमन पर टाटानगर स्टेशन पार्किंग में नीरज दुबे पर फायरिंग करने समेत अन्य मामले दर्ज है.

मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी ने बताया कि गणेश सिंह टेल्को में रंजीत हत्याकांड मामले में फरार चल रहा था. इसके अलावा उसके खिलाफ कई मामले दर्ज है. गुप्त सूचना मिली थी कि गणेश जमशेदपुर आ रहा है जिसके बाद गालूडीह में पुतरु टोल प्लाजा के पास सभी को गिरफ्तार कर लिया गया.

पूछताछ में गणेश ने बताया कि वे लोग कोलकाता में छिपे हुए थे. मंगलवार को रवि जायसवाल की पत्नी का जन्मदिन था जिसको लेकर वे लोग रवि की कार से सड़क मार्ग से जमशेदपर आ रहे थे. इसी दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया.

प्रतिभा | 19 जून को किया गया पेटेंट, आधिकारिक पत्रिका में प्रकाशित

जमशेदपुर के युवा ने ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में किया आविष्कार

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के युवा इंजीनियर सौम्य दीप ने नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएवल एनर्जी) में विशेषज्ञता हासिल की है. साथ ही इस क्षेत्र में उन्होंने महत्वपूर्ण आविष्कार भी किए हैं. उनके इस आविष्कार को पेटेंट 19 जून 2024 को कोलकाता में बौद्धिक संपदा भवन में किया गया और 5 जुलाई 2024 को राष्ट्रीय आधिकारिक पेटेंट कार्यालय पत्रिका में प्रकाशित की गई. इस पेटेंट का शीर्षक ओवर यूनिटी एफिशिएंसी फ्लायव्हील बनाने की प्रक्रिया है. राजेंद्र विद्यालय से 2007 में प्लस-टू करने के बाद सौम्य दीप ने बेंगलुरु से मेकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की. उसके बाद उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी चले गए. कक्षा 9 में पढ़ाई के दौरान सौम्य दीप ने 'मौसम नियंत्रण प्रणाली' (सेटेलाइट में लेजर का इस्तेमाल कर अद्यतन जानकारी हासिल करने) के कारण 2004 में भारत के पूर्व राष्ट्रपति, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने इसकी काफी प्रशंसा की थी. अपने आविष्कार के संबंध में सौम्य दीप ने बताया कि उन्होंने फ्लायव्हील एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (एफईएसएस) की दक्षता और ऊर्जा भंडारण क्षमता को बढ़ाने की एक नई प्रक्रिया विकसित की है. यह एक तरह की मेकेनिकल बैटरी होती है जो घूर्णनात्मक (रोटेशनल) गतिज ऊर्जा के रूप में ऊर्जा को संग्रहीत करती है. ये प्रणालियां नवीकरणीय स्रोतों से ऊर्जा संग्रहित करती हैं और आवश्यकता पड़ने पर ऊर्जा की आपूर्ति करती हैं. सौम्य दीप का दावा है कि उनकी प्रक्रिया फ्लायव्हील की ऊर्जा भंडारण क्षमता और आउटपुट दक्षता को बहुत अधिक बढ़ा सकती है.

उन्होंने गणितीय रूप से इसे सिद्ध किया है. इसमें आउटपुट ऊर्जा इनपुट ऊर्जा से अधिक होती है. उनका मानना है कि यह आविष्कार असीमित मुफ्त और हरित ऊर्जा का मार्ग प्रशस्त कर सकता है और मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति साबित हो सकता है.

शैक्षणिक संस्थानों से सौम्य दीप तलाश रहे सहयोग

सौम्य अब अपने गणितीय सिद्धांत को व्यावहारिक और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध मशीनों में परिवर्तित करने पर काम कर रहे हैं और इसके लिए प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग की तलाश कर रहे हैं. सोनारी आस्था हाईटेक सिटी में रहने वाले सौम्य दीप वर्तमान में विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में प्रशासक के तौर पर कार्यरत हैं. उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा प्रोटोकॉल के कारण पेटेंट के विशिष्ट विवरणों को सार्वजनिक रूप से साझा नहीं किया जा सकता है. सौम्य का आविष्कार ऊर्जा भंडारण में क्रांति ला सकता है और भविष्य के लिए एक स्थायी ऊर्जा समाधान प्रदान कर सकता है.

छह वर्षों से मुआवजा के लिए सरकारी कार्यालयों का चक्कर लगा रहे ग्रामीण

बोड़ाम में सड़क निर्माण के लिए किया गया है जमीन-मकान का अधिग्रहण

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

बोड़ाम थाना क्षेत्र के भादुडीह से बोड़ाम, माधवपुर होते हुए पश्चिम बंगाल सीमा तक सड़क निर्माण के लिए वर्ष 2019 में जमीन-मकान का अधिग्रहण किया गया था. लेकिन अभी तक बोड़ाम अंचल के प्रभावितों को फूटी कौड़ी भी नहीं मिली है. कई जगहों पर अधिग्रहित जमीन पर ग्रामीणों को विश्वास में लेकर गार्डवाल का निर्माण भी करा दिया गया. स्वयं को ठगा महसूस कर रहे ग्रामीणों ने अब आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया है.

कई बार अंचल एवं जिला भू-अर्जन कार्यालय का चक्कर लगा चुके ग्रामीण अब उपायुक्त से मुआवजा मांगने पहुंचे. मंगलवार को बोड़ाम मौजा के दर्जनों जमीनदाता भाजपा नेता विमल बैठा के नेतृत्व उपायुक्त कार्यालय पहुंचे. उपायुक्त को मांग पत्र सौंपकर जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान की मांग की. ग्रामीण अरूण गोप ने बताया कि इस वर्ष फरवरी में ग्रामीण भू-अर्जन पदाधिकारी से मिले थे. जिसमें उन्होंने कहा था कि बोड़ाम क्षेत्र को अर्ध शहरी श्रेणी में रखा गया है. ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा अर्धशहरी क्षेत्र के लोगों को ज्यादा मुआवजा देने का प्रावधान है. जिसके कारण मुआवजा का निर्धारण विभाग के स्तर से किया जा रहा है. निर्धारण होते ही नोटिस जारी करने के बाद कैंप आयोजित कर मुआवजा दिया जाएगा.

क्षेत्र की सुख समृद्धि एवं परिवार की मंगल कामना के लिए हुई मां विपत्तारिणी की पूजा

सुबह से मंदिरों में जुटीं महिलाएं, फल-फूल एवं मिठाई का भोग चढ़ाया

शुभम संदेश टीम

मंगलवार को मां विपत्तारिणी पूजा धूमधाम से मनायी गई. सुबह से ही मंदिरों में महिलाओं की भीड़ जुटी हुई थी. महिलाओं ने मां विपत्तारिणी का व्रत रख कर विभिन्न पूजा-अर्चना की. पूजा कर भक्तों ने परिवार में आने वाले हर संकट को टालने के लिए मां से प्रार्थना की. इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को विपत्तारिणी पूजा की शुभकामनाएं दीं. इस पूजा में 13 का विशेष महत्व है. इसलिए पूजा के दौरान 13 प्रकार के फल, 13 प्रकार के फूल, 13 प्रकार के मिष्टान्न मां को अर्पित की जाती है. वहीं पूजा के बाद लाल रंग का धागा परिवार के सभी सदस्य अपनी कलाई या बांह में बांधते हैं. इसके साथ दुर्वा (दूब) घास बांधा हुआ रहता है. इस लाल रंग के धागे पर भी 13 गांठ लगाए जाते हैं.

इस धागे के बारे में ऐसी मान्यता है कि इसे कलाई या बांह पर बांधकर रखने से हर प्रकार की विपदा से हम बच सकते हैं. इसलिए इसे मां विपत्तारिणी का रक्षा-सूत्र भी कहा जाता है. ऐसे तो इस रक्षा-सूत्र को बांह में ही बांधने का नियम है, लेकिन आजकल की युवा पीढ़ी इसे अपनी कलाई में बांधना पसंद कर रहे हैं.

आज विशेष तौर पर बंगाली समाज की महिलाओं ने यह व्रत रखा. इस बार मंदिरों में बंगाली समाज के साथ-साथ दूसरे समाज की महिलाएं भी काफी संख्या में पूजा-अर्चना करने पहुंचीं.

आदित्यपुर के थाना मंदिर, मांझी टोला काली मंदिर समेत शहर के विभिन्न देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना हुई. घाटशिला में कई जगह सार्वजनिक रूप से मां विपत्तारिणी की पूजा अर्चना मंगलवार को की गई. भात्री संघ लालडीह द्वारा दुर्गा मंडप में पूजा की गई. वही श्री कृष्णा पल्ली धरमबहाल में भी महिलाओं द्वारा राधा कृष्ण कीर्तन मंडप में मां विपत्तारिणी की पूजा अर्चना की गई. पुजारी शंकर भट्टाचार्य ने वेदिक मंत्र उच्चारण के साथ पूजा संपन्न कराया. पूजा संपन्न कराने में मुख्य रूप से विश्वनाथ दंडापात, अनिल पाल, आंप नामाता, अनीता पाल, स्मृति नामता, रेनू भगत, बिनापानी दंडपात, रेशमा रजक, गौरी रजक, मौसमी नामाता ने पूजा में सराहनीय योगदान किया. बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत कई गांव में मंगलवार को मां विपत्तारिणी की पूजा-अर्चना बड़ी धूमधाम से की गई. सुंदरनगर स्पोर्टिंग क्लब उद्यान में मंगलवार को बंगाली समाज की महिलाओं के द्वारा विपत्तारिणी पूजा का आयोजन किया गया. यह पूजा प्रत्येक वर्ष आषाढ़ माह में तिथि के अनुसार की जाती है. पूजा के उपरांत उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया.

रेल क्षेत्र में विकास कार्य शुरू कराएं : मुखिया संघ

नौ सूत्री मांग पत्र सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की

जमशेदपुर में उपायुक्त कार्यालय के समक्ष मांग पत्र के साथ कई पंचायतों के मुखिया.

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

मुखिया संघ पूर्वी सिंहभूम का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को उपायुक्त से मिलने उनके कार्यालय पहुंचा. उपायुक्त के बैठक में व्यस्त रहने के कारण उनके निजी सचिव को नौ सूत्री मांग पत्र सौंपा. संघ की कार्यकारी अध्यक्ष सरस्वती टुडू ने बताया कि रेल क्षेत्र में स्थित पंचायतों में विकास कार्य ठप है. इसको लेकर प्रखंड स्तर पर बैठक हो चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला. पंचायत प्रतिनिधियों ने सांसद को भी मांगों से अवगत कराया है. इसी बीच उपायुक्त के संज्ञान में मामला है, लेकिन उसका समाधान नहीं हो रहा है. इसलिए उन्हें मांग पत्र सौंपा गया. प्रतिनिधिमंडल में संघ के अध्यक्ष पलटन मुर्मू, पूर्वी किताडीह पंचायत की मुखिया जोबा मांझी, उत्तरी घाघीडीह की मीना देवी, उत्तर-पूर्वी बागबेड़ा की नीनू कुदादा, उत्तरी किताडीह के मुखिया मनोज कुमार मुर्मू, पश्चिमी घाघीडीह समेत अन्य पंचायतों के मुखिया एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे.

संघ की मांगें

रेल एरिया एवं हाउसिंग कॉलोनी में पंचायत फंड से बंद विकास कार्य प्रारंभ हो, पंचायत स्तर का सभी कार्य पंचायत सचिवालय से ही संचालित हो, पंचायत समन्वय समिति की बैठक में पंचायतस्तरीय पदाधिकारी की उपस्थित रहें, लंबित पेंशन आवेदन की जल्द स्वीकृति मिले तथा बकाया का भुगतान हो, वीएलई मैनेजर से मुखिया का को-ऑर्डिनेशन बैठक किया जाए, जेएसएलपीएस से पंचायत का समन्वय स्थापित हो, मुखिया को 14 विभाग एवं 29 विषय पर पूर्ण अधिकार प्रदान किया जाय, कई पंचायत में काफी दिनों से सोलर जल मीनार की मरम्मत करायी जाय एवं बागबेड़ा वृहद ग्रामीण जलापूर्ति योजना अविलंब चालू हो

घाटशिला को जिला बनाने की मांग पर भाजपा कर रही राजनीति : भक्त

- रामदास सोरेन सरकार को सौंप चुके हैं आवेदन

संवाददाता | घाटशिला

घाटशिला के विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने मंगलवार को यहां कहा कि बताया कि भाजपा प्रायोजित जिला निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले सोमवार को एसडीओ कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है. भाजपा जिला बनाने की मांग को लेकर एक तरह राजनीति कर रही है. इसके विपरीत पिछले दिनों पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने घाटशिला दौरे में जिला बनाने की बात कही थी एवं वर्तमान विधायक रामदास सोरेन ने स्वयं मुख्यमंत्री को आवेदन सौंप कर घाटशिला को जिला बनाने की मांग की है. सरकार भी मांग पर काफी गंभीर है. उन्होंने भाजपा नेताओं को याद कराया कि वर्ष 2018 में तत्कालीन विधायक लक्ष्मण टुडू ने घाटशिला को जिला बनाने का प्रस्ताव सदन में उठाया था उस दौरान संसदीय कार्य मंत्री सरयू राय ने यह कहकर घाटशिला को जिला बनाने की मांग को ठंडे बस्ते में रख दिया था कि जिला मुख्यालय से हर प्रखंड को जोड़ने के लिये घंटे भर का समय लगता है इसलिए घाटशिला को जिला बनना जरूरी नहीं है. मंत्री के जवाब को मानकर तत्कालीन विधायक लक्ष्मण टुडू बैठ गए. उन्हें मंत्री से जवाब करना चाहिए था कि 2018 में बहरागोड़ा से जमशेदपुर मुख्यालय जाने में काम से कम 3 घंटे से अधिक समय लगता था. गुड़ाबांदा से जमशेदपुर मुख्यालय जाने में दो से ढाई घंटा लगता है.

बहन बेटी मई कुई स्वावलंबन योजना को लेकर 15 जुलाई से लगेगा शिविर

संवाददाता | घाटशिला

बहन बेटी मई कुई स्वावलंबन योजना को लेकर 15 जुलाई से घाटशिला प्रखंड के विभिन्न पंचायत में शिविर आयोजित कर ऑनलाइन फॉर्म अप्लाई किया जाएगा. उक्त बातें मंगलवार को विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही. उन्होंने कहा कि वैसे बहन बेटी जो जुलाई में 21 वर्ष की हो गई हैं उन्हें प्रत्येक माह 1000 रुपया स्वावलंबन प्रोत्साहन राशि दी जाएगी. इस योजना का लाभ लेने वाली आयकरदाता नहीं होनी चाहिए. लाभार्थी आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड, व्यक्तिगत बैंक खाता एवं एक पासपोर्ट साइज फोटो लेकर शिविर में ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं. मौके पर मुख्य रूप से काजल डॉन, विकास मजूमदार, मो. जलील सहित अन्य शामिल थे.

भाजपा कार्यसमिति की बैठक में छाया रहा आवास बोर्ड के सर्वे का मुद्दा

संवाददाता | आदित्यपुर

मंगलवार को आदित्यपुर के होटल गुडविल में भाजपा जिला कार्य समिति की बैठक जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव की अध्यक्षता में हुई. इसमें आवास बोर्ड के सर्वे के मुद्दे पर भाजपाइयों ने मंत्रणा की. वहीं 14 जुलाई को फुटबॉल मैदान में आयोजित सम्मान समारोह पर भी चर्चा हुई.

बैठक में निर्णय लिया गया कि आदित्यपुर डब्ल्यू टाइप के निवासियों के साथ-साथ आदित्यपुर के सभी आवासीय फ्लैट में निवास करने वाले परिवारों के साथ जिला भाजपा पूरी मजबूती से खड़ी रहेगी. जिला अध्यक्ष उदय सिंहदेव ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री खुद ही आग लगाकर बुझाने का ड्रामा कर रहे हैं. जब फ्लैट का सर्वे हो रहा था, उस वक्त वे मुख्यमंत्री के साथ-साथ यहां के विधायक भी थे.

भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को आवास बोर्ड के अधिकारियों से मिलकर सर्वे से संबंधित हर तरह की कार्यवाही को अविलंब रोकने की मांग करेगा. बैठक में आदित्यपुर फुटबॉल मैदान में 14 जुलाई को होने वाले भाजपा के सरायकेला विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मान समारोह की तैयारियों पर चर्चा की गई.

बागबेड़ा में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना

संवाददाता | जमशेदपुर

बागबेड़ा थाना अंतर्गत बागबेड़ा कॉलोनी रोड नंबर-1 निवासी मनीष कुमार सिंह के घर चोरों ने सोमवार देर रात चोरी कर ली. मनीष अपने परिवार संग शादी समारोह में शामिल होने बिहार के वैशाली गए हैं. घर की देखरेख परिचित दिलीप सिंह कर रहे थे. मंगलवार सुबह जब दिलीप मनीष के घर पहुंचे तो पाया कि घर में लगा दरवाजा टूटा हुआ है. अंदर जाने पर पता चला कि घर में चोरी हुई है. उन्होंने इसकी सूचना तत्काल बागबेड़ा पुलिस और मनीष सिंह को दी. इधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई वहीं मनीष भी शहर के लिए रवाना हो गए हैं. दिलीप ने बताया कि मनीष सिंह अपने परिवार के साथ 4 जुलाई को वैशाली गए हैं. घर की देखरेख का जिम्मा उन्हें दिया था. आज सुबह जब वे मनीष के घर पहुंचे तो घर का ताला टूटा पाया. चोरों ने घर से टीवी, खाली गैस सिलेंडर समेत अन्य सामानों की चोरी की है. इसके अलावा अलमीरा को भी निशाना बनाया गया है. मनीष सिंह के आने के बाद ही जानकारी मिल पाएगी की चोरों ने क्या-क्या सामान चुराया है. इधर, पुलिस भी आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों का पता लगाने में जुट गई है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

गतिरोध बैंक प्रतिनिधियों ने कहा हमें चाहिए ऋण के एवज में गारंटी, बाधा दूर करने में जुटे प्रशासक

बैंकों के नकारात्मक रवैया के वजह से पीएम आवास योजना में हो रही देरी

- बैंक ऋण नहीं मिलने से लाभुक नहीं दे पा रहे अंशदान
- अंशदान के बिना रुका है कार्य

संवाददाता |आदित्यपुर

पीएम आवास योजना का स्थल निरीक्षण करते प्रशासक.

बैंकों के नकारात्मक रवैया की वजह से पीएम आवास योजना मंथर गति से चल रही है. लाभुकों को ऋण देने से पूर्व बैंक गारंटी चाहती है जो कि उसे नहीं मिल रही है. इस विषय पर चर्चा करने के लिए आदित्यपुर नगर निगम के प्रशासक ने घंटों बैंक प्रतिनिधियों संग बैठक की है.

इस योजना के तहत जो आवास बन रहे हैं उसमें लाभुकों की राशि महत्वपूर्ण है. लेकिन लाभुकों के नाम आवास आवंटित तो हो गई है लेकिन वे अंशदान जमा नहीं कर पा रहे हैं जिसके वजह से योजना के कार्य प्रभावित हो रहे हैं. बैंक चाहता है कि जिस आवास पर वो लाभुक को ऋण दें वह आवास लाभुक के नाम ट्रांसफर हो लेकिन इस योजना में ऐसा नहीं हो पा रहा है. लिहाजा बैंक को अपने ऋण के एवज में गारंटी नहीं मिल पा रही है और वो ऋण नहीं दे रही है. ऐसे में पैसे के अभाव में आवास बनाने वाली कंपनी भी आवास का निर्माण द्रुत गति से नहीं कर पा रहा है.

आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में वर्तमान में काशीडीह में 780 आवास आवंटित हैं लेकिन निर्माण कंपनी पैसे के अभाव में 120 आवास ही बना रहा है, क्योंकि इतने ही लाभुकों ने अंशदान जमा किया है. प्रशासक रवि प्रकाश ने बैंक प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर ऋण देने में आ रही बाधा को दूर करने का प्रयास किया है और बैंकों को इस योजना को पूरा करने में सहयोग मांगा है. उन्होंने लाभुकों को सुगमता से गृह ऋण उपलब्ध हो सके इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ मंत्रणा की है.

उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों को बताया है कि यह भारत सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना है. इसे पूरा करने में आप सहयोग करें. बता दें कि योजना के तहत प्रत्येक कमजोर आय वर्ग के शहरी गरीब आवास विहीन लाभुक को आवास मुहैय्या कराया जाना है.

अपना खुद का पक्का मकान होना एक व्यक्ति के जिंदगी का सपना होता है. इस कारण प्रशासक ने सभी बैंकों से जरूरतमंद आवास आवंटियों को गृह ऋण उपलब्ध कराने की अपील की है. साथ ही प्रशासक ने सभी आवास आवंटियों से गृह ऋण की स्वीकृति हेतु जरूरी दस्तावेज जिसमें आवास आवंटन पत्र, बैंक चालान, आधार कार्ड, पेन कार्ड, आय प्रमाण-पत्र, बिक्री एकरारनामा आदि निगम कार्यालय में जमा करने का अनुरोध किया है.

उन्होंने वैसे सभी लाभुको से अपील किया है जिन्होंने अभी तक आवास हेतु आवेदन नहीं किया है वे आवेदन जमा करें. उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्राथमिकता के आधार पर 2 ब्लॉक में कुल 120 आवासों का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है. जिसका आवंटन वे अगस्त तक करने का लक्ष्य निर्धारित किए हैं. उन्होंने लाभुकों को स्वयं अथवा बैंक ऋण के माध्यम से कुल राशि 3 लाख 20 हजार रुपये अनिवार्य रूप से जमा करने को कहा है. काशीडीह में निर्माणाधीन किफायती आवास योजना के तहत सभी आवास में मूलभूत सुविधाएं उन्हें मिलेगी. जैसे - बिजली, पानी, सडक, स्ट्रीट लाइट आदि. बैठक में नगरीय प्रशासन निदेशालय के विशेषज्ञ मुकेश कुमार झा और आदित्यपुर के नोडल पदाधिकारी कुलदीप सिंह के साथ बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे.

ब्रीफ खबरें

भाजपा नेता राजीव रंजन सिंह ने किया पौधारोपण

जमशेदपुर | एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मंगलवार को पूर्व डीआईजी सह भाजपा नेता राजीव रंजन सिंह ने कदमा के रामजनम नगर स्थित फुटबॉल ग्राउंड में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. राजीव रंजन सिंह ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मां की सेवा के पवित्र भाव को मजबूती प्रदान करेगा. कहा कि गैर सरकारी संगठन बिरसा युवा मंच आने वाले दिनों में पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में एक लाख पौधे लगाएगी. उन्होंने लोगों से भी अपील की , अगर अपने बच्चों का भविष्य को सुरक्षित रखना है तो उनके पढ़ाई के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु जागृत करना होगा.

वन एवं पर्यावरण समिति की स्थाई समिति की बैठक

गुड़ाबांदा | प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को वन एवं पर्यावरण समिति की स्थाई समिति की बैठक प्रमुख शुभजीत कुमार मुंडा की अध्यक्षता में आयोजित हुई. बैठक में ग्राम वन अधिकार समिति से प्राप्त वन पट्टा के लिए प्रखंड के 200 दावेदारों के विषय में समीक्षा की गई. अंचल से भेजे गए वन पट्टा के लिए 200 दावेदार में से वन विभाग द्वारा 75 आवेदक का वन पट्टा के लिए स्वीकृति प्रदान की है. शेष 125 दावेदारों का आवश्यक मानक पूरी नहीं होने के कारण आवेदन अस्वीकृत किया गया है. 2023-24 के हाथी प्रभावित परिवारों का अब तक मुआवजा राशि नहीं दी गई है.

सरायकेला एसपी से मिले नासस के प्रतिनिधि

आदित्यपुर | नागरिक समन्वय समिति, सरायकेला-खरसावां का एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष प्रसिद्ध नारायण सिंह एवं महासचिव अजीत कुमार के नेतृत्व में जिला के एसपी मुकेश कुमार लुणायत से मिला तथा पुष्पगुच्छ प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया. इस दौरान जिला में व्याप्त समस्याओं खासकर आदित्यपुर, गम्हरिया एवं आर आई टी थाना क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहे गम्भीर एवं संगीन अपराधिक मामले तथा आदित्यपुर थाना क्षेत्र में नशा के अवैध कारोबार के रुप में प्रसिद्ध मण्डी के रूप में विकसित होने के कारण आम नागरिकों एवं महिलाओं में व्याप्त भय के वातावरण से अवगत कराया.

दिल्ली विवि के प्रोफेसर ने छात्रों को किया संबोधित

घाटशिला | घाटशिला कालेज के राजनीति विज्ञान एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसका विषय था अंडरस्टैंडिंग हिस्ट्री एंड एनवायरमेंट. इस व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्राध्यापक डा. मृणाल पिंगुआ शामिल हुए. डा. मृणाल ने कहा कि पर्यावरण की समस्याओं को समझने के लिए इतिहास और उसकी घटनाओं को समझना होगा. हमने विकास की जिस प्रक्रिया को अपनाया उसमें पर्यावरण का क्षरण अवश्यमभावी है.

भाजपा का अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा आज

जमशेदपुर | भाजपा जमशेदपुर महानगर की ओर से बुधवार को एनएच 33 स्थित डॉल्फिन क्लब एंड रिसॉर्ट, डांगा में जुगसलाई विधानसभा स्तरीय अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा आयोजित की गई है. कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, सांसद बिद्युत बरण महतो, प्रदेश संगठन मंत्री मनोज कुमार सिंह समेत कई अन्य प्रदेशस्तरीय नेता शामिल होंगे. रास्ते को पार्टी के ध्वज व बैनर से सजाया जा रहा है. कार्यक्रम में लोकसभा चुनाव में पार्टी के पक्ष में जुगसलाई विधानसभा अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने मंडल एवं बूथ अध्यक्ष व बूथ समिति के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा.

न्यूज अपडेट

विद्यापतिनगर में इंडोर स्टेडियम निर्माण की मांग

जमशेदपुर | विद्यापति नगर बस्ती विकास समिति के बैनर तले मंगलवार को बस्तीवासियों ने एक मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा. उनसे विद्यापतिनगर ट्रान्सपोर्ट मैदान के सामने खाली पड़े सरकारी भूखंड पर इंडोर स्टेडियम बनाने की मांग की. लोगों का कहना है कि विद्यापतिनगर, बागुनहातु, बागुननगर, सिदगोडा, बारीडीह बस्ती, बिरसानगर, टेल्को, बर्मामाइन्स, गोलमुरी, जेम्को, केबुल टाउन, एग्रिको, भुईयाडीह, भालुबासा के बच्चे खेलने के लिए जेआरडी स्पोर्ट्स में जाते हैं. उपरोक्त बस्तियों से जेआरडी की दूरी भी काफी है.

कुष्ठ बस्ती की महिला को गीता मुर्मू ने दिया तिरपाल

घाटशिला | भाजपा की नेता गीता मुर्मू ने मंगलवार को धरमबहाल पंचायत के लालडीह कुष्ठ बस्ती का दौरा किया. दौरे के क्रम में जानकारी मिली की बस्ती की एक महिला मंजू सरदार का घर टूटा हुआ है. उसे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इस बरसात के मौसम में बचने के लिए गीता मुर्मू ने तुरंत मंजू सरदार को सर छुपाने के लिए एक तिरपाल उपलब्ध कराया. उन्होंने बताया कि मंजू सरदार को सरकार की तरफ से आवास भी नहीं मिला है. गीता मुर्मू ने कहा कि जल्द ही बीडीओ से मिलकर बात करूंगी ताकि बस्ती के सभी परिवार को सरकारी सुविधा मिल सके.

ब्राउन शुगर के साथ धराए आरोपी को भेजा जेल

जमशेदपुर | मानगो थाना अंतर्गत जवाहरनगर रोड नंबर 15 के पास पुलिस ने सोमवार रात ब्राउन शुगर के साथ विजय केसरी तंतूबाई को गिरफ्तार किया था. तलाशी के क्रम में उसके पास से कुल 21 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया गया था. इधर, मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए डीएसपी मुख्यालय 1 भोला प्रसाद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जवाहरनगर रोड नंबर 15 के पास एक युवक ब्राउन शुगर बेच रहा है. इसके अलावा युवक के पास से दो हजार रुपये, एक बाइक और मोबाइल भी जब्त किया गया है. पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

लोगों को डर दिखा कर राजनीति कर रहे चंपाई: गणेश

आदित्यपुर | भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष गणेश महाली ने कहा कि आदित्यपुर डब्लू टाइप फ्लैट, ईडब्ल्यूएस फ्लैट और ईडब्ल्यूएस के फ्लैट को तोड़ने के लिए चंपाई सोरेन ने मुख्यमंत्री रहने के दौरान ही आवास बोर्ड के माध्यम से सर्वे करवाया था. ताकि लोग भय में आकर उनसे मिलें और फ्लैट तोड़ने का रोकने की गुहार लगाए. यह उनकी दोहरी राजनीति है. उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन भयादोहन का राजनीति कर लोगों के घाव पर मरहम लगाते हैं, यह जनता समझ चुकी है और इस बार के विधानसभा चुनाव में उन्हें सबक सिखाएगी.

बागड़ाचूड़ा गांव में निकाली गई महाप्रभु की रथयात्रा

बहरागोड़ा | केसरदा पंचायत के बांगराचुड़ा गांव में मंगलवार को भव्य रथयात्रा का आयोजन किया गया. रथयात्रा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए. इसमें छोटे बच्चों और महिलाओं में रथ खींचने का उत्साह विशेष रूप से देखने को मिला. रथयात्रा बांगराचुड़ा बलिया बाबा आश्रम से शुरू हुई. रथ पर सवार होकर प्रभु जगन्नाथ अपने भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ मौसी बाड़ी पहुंचे. रथयात्रा में अनेक श्रद्धालु शामिल थे. आश्रम के सेवानंद दास ने पूजा अर्चना की.

भाजपा की अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा 16 को

बहरागोड़ा | नेताजी शिशु उद्यान परिसर में मंगलवार को भाजपा की बहरागोड़ा विधानसभा स्तरीय बैठक संपन्न हुई. बैठक में विद्युत वरन महतो को तीसरी बार सांसद बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत करने वाले बूथ कार्यकर्ताओं को पार्टी की ओर से 16 जुलाई को अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा के माध्यम से सम्मानित किया जायेगा. बैठक की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष चंडी चरण साहू ने की. मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी शामिल हुए. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी में जुट जाने को कहा. इस मौके पर जमुना टुडू, कमल आचार्य आदि उपस्थित थे.

150 खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल किट का वितरण

जमशेदपुर | शहर के विभिन्न क्षेत्र के 10 फुटबॉल टीम के लगभग 150 खिलाड़ियों के बीच मंगलवार को जमशेदपुर के पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वर्किंग कमिटी के सदस्य डॉ अजय कुमार ने फुटबॉल किट का वितरण किया. मौके पर उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल किट वितरण करने का उद्देश्य बच्चों में खेल को बढ़ावा देना है. ताकि बच्चे मोबाइल से दूर रह कर मैदान में खेले जिससे उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास हो. आज के समय में मोबाइल युवाओं का सबसे बड़ा दुश्मन है. वहीं उन्होंने कहा कि बच्चों को धर्म की राजनीति से दूर रह कर अपनी पढ़ाई, खेल करियर पर फोकस करना चाहिए.

गम्हरिया की समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

गोइलकेरा । गोइलकेरा प्रखंड के गम्हरिया पंचायत की बालिया, लेबेन्टा, अम्बिया पंचायत में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई. बैठक में झारखंड पार्टी के केंद्रीय सचिव सह अधिवक्ता महेंद्र जामुदा उपस्थित थे. इस दौरान ग्रामीणों ने गांव में पानी, बिजली, सड़क और अन्य समस्याओं की जानकारी दी. बालिया गांव में ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आंगनबाड़ी भवन पिछले छह वर्षों से अधूरा है. गांव में बिजली नहीं है. साथ ही सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नल जल योजना का लाभ भी ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है. इससे स्थानीय ग्रामीण परेशान हैं. पंचायत के विभिन्न गांवों को जोड़ने के लिए अच्छी सड़क भी नहीं है. इससे बरसात के मौसम में रास्ता पूरी तरह कीचड़मय में हो जाता है और आवाजाही भी बंद हो जाती है. स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि गांव में ना तो अधिकारी और न ही जनप्रतिनिधि पहुंचते हैं, जिससे समस्याएं जस की तस बनी हुई है. इस मौके पर सालू चम्पिया, गोनो चम्पिया, कोलय केराई, हरीश चम्पिया, चन्दरा चम्पिया, बाबुलाल चम्पिया, देवेन्द्र चम्पिया, महेद्र चम्पिया, बमिया लोहार, सोमबरी लोहार, तिरिया लोहार, निरल चम्पिया, बेहरा आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

सुरेश संवैया बने युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुरेश सावैयां को झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस का प्रदेश सचिव एवं सरायकेला-खरसावां का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है. मंगलवार को रांची स्थित कांग्रेस कार्यालय में झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस की प्रभारी इशिता सेढ़ा एवं प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष के रूप में उनके संगठन के प्रति बेहतरीन कार्य के लिए चुनाव को लेकर उन्हें नई जिम्मेदारी दी गई.

कराईकेला बाजार से बाउरीसाईं चौक तक हुई सड़क की मरम्मत

चक्रधरपुर । बंदगांव प्रखंड की कराईकेला बाजार से लेकर बाउरीसाईं चौक तक जर्जर सड़क की मरमत विधायक सुखराम उरांव ने कराई है. सड़क की स्थिति जर्जर रहने पर पिछले दिनों ग्रामीणों संग विधायक सुखराम उरांव ने बैठक कर ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि इस सड़क की मरम्मत कर दी जाएगी. उन्होंने कहा था कि इस सड़क का 20 जुलाई के बाद टेंडर होगा. यह सड़क 58 लाख की लागत से बनाई जाएगी.

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, एक घायल

चक्रधरपुर । गोइलकेरा थाना क्षेत्र के डेरोवां के पास सड़क हादसे में 22 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद युवकों को मनोहरपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था. वहां इलाज के क्रम में घायल चमरा जामुदा की मौत हो गई. मृतक चिरिया ओपी क्षेत्र के अंकुवा गांव का रहने वाला था. बताया जाता है कि चमरा जामुदा और सावन बोदरा एक मोटरसाइकिल पर सवार हो कर बिला स्थित अपने रिश्तेदार के घर से अंकुवा लौट रहे थे.

चांडिल, किरीबुरु और चक्रधरपुर में व्रतियों ने मां दुर्गा के 108 रूपों में से एक मां विपत्तारिणी की धूमधाम से की पूजा

महिलाओं ने मां विपत्तारिणी से परिवार की खुशहाली व सुख-समृद्धि मांगी

- सुहागिनों ने पति की दीर्घायु होने की कामना की

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में मंगलवार को विभिन्न देवी मंदिरों में मां विपत्तारिणी की पूजा-अर्चना की गई. महिलाएं अपने सुहाग की दीर्घायु व बच्चों को विपदाओं से दूर रखने के लिए मां दुर्गा के 108 रूपों में से एक मां विपदतारिणी की पूजा-अर्चना करती हैं. इसे लेकर काली व दुर्गा मंदिरों में सुबह से ही व्रती महिलाओं की भीड़ उमड़ रही थी. सभी व्रती महिलाओं ने कतारबद्ध होकर श्रद्धा पूर्वक पूजा-अर्चना अपने परिवार की सुख, शांति व सुरक्षा की कामना की. मान्यता के अनुसार मां विपदतारिणी की पूजा रथ यात्रा के बाद श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार मंगलवार या शनिवार को पूजा करते हैं.

मंदिर में पूजा-अर्चना करती व्रती महिलाएं.

पूजा में लगते हैं 13 प्रकार के फल व फूल

मां दुर्गा के एक रूप मां विपदतारिणी की पूजा 13 प्रकार के फल व फूलों से की जाती है. इसके साथ ही मिष्ठान्न भी प्रसाद स्वरूप चढ़ाया जाता है. वहीं, रक्षा सूत्र के रूप में लाल रंग के धागे को मंदिर में पूजा कराने के बाद बांह में बांधा जाता है. इस धागे पर भी 13 गांठ लगाए जाते हैं. इस पूजा के पीछे ऐसी मान्यता है कि परिवार में आने वाले हर संकट को मां विपदतारिणी टाल देती हैं. इसलिए मां विपदतारिणी को संतुष्ट करने के लिए महिलाएं उपवास रखती हैं.

सुहागिन महिलाओं ने सुख-समृद्धि के लिए मां विपत्तारिणी की पूजा की

किरीबुरु में मंदिर में मां की पूजा अर्चना के लिए जुटीं महिलाएं.

किरीबुरु । कुसुम घाट, गुवा स्थित शिव मंदिर प्रांगण में 9 जुलाई को दर्जनों सुहागिन महिलाओं ने सुख-समृद्धि के लिए मां विपत्तारिणी की पूजा की. इस दौरान महिलाओं ने माता के मंदिर में प्रसाद चढ़ाकर तथा लाल धागा बांधकर अपने-अपने परिवार व क्षेत्र वासियों की तमाम प्रकार की विपदा व परेशानियों को हरण करने की कामना की. उन्होंने मंगल कामना करते हुये स्वयं व परिवारों के ऊपर कभी भी मुसीबत ना आए, इसके लिए पूजा की. मंदिर के पुजारी ने मां विपत्तारिणी की कथा सुनाई. अंत में सभी सुहागिन महिलाओं ने एक-दूसरे के मांग में सिंदूर भरा. मां विपत्तारिणी की पूजा करने से संकट कभी नहीं आती है.

चक्रधरपुर में श्रद्धाभाव के साथ की गई माता विपत्तारिणी की पूजा

चक्रधरपुर में मां विपत्तारिणी की पूजा की तैयारी करती महिलाएं.

चक्रधरपुर । माता विपत्तारिणी की पूजा मंगलवार को चक्रधरपुर और आस-पास के क्षेत्रों में श्रद्धाभाव के साथ की गई. चक्रधरपुर के टाउन काली मंदिर, प्रभु जगन्नाथ मंदिर, श्मशान काली मंदिर, प्रखंड कार्यालय के समीप स्थित माता दुर्गा मंदिर, रेलवे के इतवारी बाजार स्थित काली मंदिर, एकाउंट्स कॉलोनी काली मंदिर, रिफ्यूजी कॉलोनी काली मंदिर समेत अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं ने विपत्तारिणी की पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की. इस अवसर पर चक्रधरपुर के टाउन काली मंदिर में पूजा अर्चना के लिए सबसे ज्यादा भीड़ उमड़ी थी. यहां मंदिर के पुजारी गोपाल षाड़ंगी ने माता विपत्तारिणी की पूजा की.

चक्रधरपुर व मेघाहातुबुरु में नक्सलियों ने लगाये पोस्टर-बैनर, पुलिस ने हटाये

कोल्हान में नक्सलियों का बंद शुरू

- पुलिस की नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन का विरोध
- पोस्टर-बैनर लगाये जाने से स्थानीय लोगों में दहशत
- पुलिस व रेलवे प्रशासन बंद को लेकर अलर्ट

संवाददाता । चक्रधरपुर

भाकपा झारखंड पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन क्लीन के तहत लोवादा व लिपुंगा में नक्सली मारे गए थे. इसके विरोध में भाकपा माओवादियों ने 10 जुलाई को एक दिवसीय कोल्हान बंद की घोषणा की है. बंदी से एक दिन पूर्व मंगलवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के चक्रधरपुर-सोनुआ मुख्य मार्ग के पुसालोटा रांगामाटी के पास कई स्थानों पर बैनर पोस्टर लगाकर पुलिसिया कार्रवाई का विरोध किया है.

बताया जाता है कि मंगलवार सुबह पुसालोटा रांगामाटी गांव के समीप मुख्य चौराहे पर माओवादियों द्वारा साटा गया पोस्टर देखा, साथ जेनाबेड़ा प्राथमिक विद्यालय, आसपास के कई पेड़ों पर पोस्टर साटे गये हैं. इसके बाद आस-पास के गांव के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना मिलने पर पुलिस पोस्टर बैनर जब्त करने की कार्रवाई में जुट गई. इधर कोल्हान के कई क्षेत्रों में नक्सलियों के पोस्टर-बैनर लगाए जाने से लोगों में दहशत का माहौल भी कायम है.

जेनाबेड़ा प्राथमिक विद्यालय के सेम ऐप नक्सली द्वारा लगाया गया पोस्टर.

बैनर में पुलिसिया कार्रवाई का किया गया है विरोध

चक्रधरपुर के पुसालोटा, रांगामाटी के पास माओवादी नक्सली संगठन द्वारा लगाया गया बैनर और पोस्टर में पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया गया है. नक्सलियों ने पोस्टर व बैनर में लोवादा, कोल्हान, सारंडा, लिपुंगा के शहीद वीर-वीरांगनाओं को शत-शत लाल सलाम, मार्च का बदला मारा है, खून का बदला खून है. निवेदक दक्षिण जोनल कमेटी भाकपा माओवादी लिखा गया है.

नक्सलियों की एक दिवसीय बंदी आज

झारखंड पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों द्वारा लोवादा, कोल्हान सारंडा के लिपुंगा में ऑपरेशन क्लीन के तहत छह नक्सलियों के मारे जाने के विरोध में भाकपा माओवादी, दक्षिण जोनल कमेटी की ओर से 10 जुलाई को एक दिवसीय 24 घंटे का कोल्हान बंद बुलाया गया है. इसे लेकर कुछ दिनों पूर्व भाकपा माओवादी दक्षिण जुन्नर कमेटी के प्रवक्ता अशोक द्वारा एक विज्ञप्ति भी जारी की गई थी.

मेघाहातुबुरु के मीना बाजार और बस स्टैंड के बगल में साटा पोस्टर

किरीबुरू । भाकपा माओवादी नक्सलियों ने किरीबुरु थाना अन्तर्गत मेघाहातुबुरु स्थित सिविल कार्यालय एवं मीना बाजार बस स्टैंड के बगल में अलग-अलग दो बैनर तथा फिल्टर प्लांट के पास सिविल मेंटेनेंस कार्यालय के बगल में एक स्थान पर बैनर लगाया है. यह बैनर 9 जुलाई की अहले सुबह लगाये जाने की बात कही जा रही है. बैनर में नक्सलियों ने पुलिसिया नरसंहार के खिलाफ 10 जुलाई को कोल्हान बंद तथा राजनीतिक बदला लेने का आह्वान किया है. यह बैनर भाकपा माओवादी की दक्षिणी जोनल कमिटी द्वारा लगाया गया है. पुलिस ने सारे पोस्टर को हटा दिया है. नक्सलियों का 24 घंटे का बंद 9 जुलाई की रात 12 बजे से 10 जुलाई की रात 12 बजे तक रहेगा.

उल्लेखनीय है कि 23 मई को लोवादा गांव के निकट जंगल में पुलिस के साथ मुठभेड़ में कुख्यात नक्सली बुधराम मारा गया था. बुधराम दो अन्य साथियों के साथ लोवादा गांव क्षेत्र में गया था. इसके बाद 17 जून की सुबह लगभग 4.30 बजे कोल्हान जंगल स्थित लिपुंगा गांव के समीप नक्सली के एक कैम्प पर पुलिस ने हमला कर पांच नक्सलियों को मौत

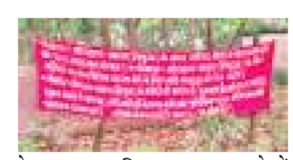

के घाट उतार दिया था. इस हमले में कुख्यात नक्सली कांडे होनहागा उर्फ दिरीसुम (सारंडा सबजोनल कमेटी के सदस्य), सिंगराय (पुलिस के कोल्हान मुक्त करने के बर्बर दमन अभियान का मुकाबला हेतु गठित स्पेशल दस्ता के कमांडर सह सारंडा एरिया कमेटी सदस्य), सपनी हांसदा (उम्मीदवार पार्टी सदस्य), सूर्या देवगम उर्फ मुंडा (पीएलजीए के मारक दस्ता सदस्य), और जोगा मारला (सांस्कृतिक टीम की साधारण सदस्य) शामिल थे. इस दौरान एक महिला व एक पुरुष नक्सली को गिरफ्तार किया गया था. दक्षिणी जोनल कमेटी के प्रवक्ता अशोक ने मारे गये छह नक्सलियों का राजनीतिक बदला लेने की घोषणा की है. इसी के आलोक में आज रात 12 बजे से बंद कोल्हान बंद का आह्वान किया गया है. नक्सलियों का मुख्य निशाना हमेशा से रेलवे रहता है. पुलिस व रेलवे हाई अलर्ट पर हैं, ताकि नक्सली किसी घटना को अंजाम नहीं दे सकें.

13 और 14 को आदिवासी युवा महोत्सव, तैयारी शुरू

संवाददाता । चाईबासा

13 और 14 जुलाई को होने जा रहे आदिवासी युवा महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आदिवासी हो समाज युवा महासभा ने कमरहातु गांव के नीचे टोला और सुसुन अखाड़ा में प्रचार-प्रसार किया. कमिटी की ओर से दो-दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ग्रामीणों को निमंत्रण दिया और हो भाषा पोस्टकार्ड लेखन अभियान से जोड़ा गया. ग्रामीणों को जानकारी दी गयी कि कार्यक्रम शनिवार को 9 बजे से बोंगा-बुरू के साथ सम्मन्न होगा. आदिवासी युवा महोत्सव में सेकोर इनुंग, जोनो गलं, जाटी गलं, चिटकी-पुःउ, बडजोम बयर उंञ, बोड़ पटः, सेंगेल-गुरतुई, बबा-रूंग, जाटि-गलं, रूतु-बनम, दुरंग, चुर इनुंग इत्यादि सांस्कृतिक तथा पारंपरिक खेल-कूद प्रतियोगिताएं होगी. कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी ॾहोॾ समाज युवा महासभा राष्ट्रीय कमिटी का पुनर्गठन होगा और नये पदाधिकारियों का चयन होगा. प्रचार अभियान में आदिवासी हो समाज युवा महासभा के राष्ट्रीय महासचिव गब्बर सिंह हेम्ब्रम ने ग्रामीणों को बताया कि आज के समय में लोग जितना व्यक्तिगत रूप से आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्र में विकास करते जा रहे हैं. उतना ही मूल-संस्कृति से कटते जा रहे हैं. आज के समय में लोगों के पास भाषा एवं मूल-संस्कृति के लिए समय नही है. लोग काफी व्यस्त हो गए हैं. गैर आदिवासियों के सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं. इसलिए मूल-संस्कृति और भाषा के विकास एवं संरक्षण देने में आदिवासी हो समाज महासभा से जुड़ें. अभियान में आदिवासी हो समाज युवा महासभा की ओर से नीलमोहन चातर, सत्यव्रत बिरूवा, लेबा गागराई, पंकज देवगम, सामु देवगम, रघुनाथ हेम्ब्रम, ग्रामीण मुण्डा बिरसा देवगम, सोमय देवगम, दीनबंधु देवगम, तुराम देवगम, शकुंतला देवगम, होलिका देवगम, सलिल देवगम, मंगल बिरूवा, रोहित बिरूवा, राकेश गागराई, विजय सिंह पिंगुवा, सिकंदर सिंकू, नैना पुरती, हेमंती तामसोय आदि लोग मौजूद थे.

प्रचार-प्रसार के दौरान बैठक करते ग्रामीण.

सेल, किरीबुरु प्रबंधन रात्रि पाली भत्ता दे : राजेन्द्र सिन्द्रिया

संवाददाता । किरीबुरू

झारखंड मजदूर संघर्ष संघ, किरीबुरु इकाई ने सेल प्रबंधन द्वारा रात्रि पाली भत्ता एक जून से बंद कर गैर कार्यकारी कर्मचारियों को आकस्मिक खर्चों की प्रतिपूर्ति योजना चालू करने का विरोध करते हुये कंपनी प्रबंधन को मांग पत्र सौंपा है. यूनियन के महासचिव राजेन्द्र सिन्द्रिया ने कहा कि प्रबंधन का यह एक अमानवीय आदेश है. उनके लिए सेलकर्मी रात्रि पाली में कार्य कर अपनी नींद कुर्बान करते हैं और सेल को लाभ पहुंचाते हैं. नींद एक मानव के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुसार उसका नैतिक व मौलिक अधिकार है. किसी खदान अथवा फैक्ट्री में रात्रि पाली में कार्य करने वाले कर्मचारी को रात्रि पाली भत्ता देने का प्रावधान भारत सरकार ने किया है. एक नियोक्ता को रात्रि कार्य के लिए कर्मचारी को मुआवजा देने की

झारखण्ड मजदूर संघर्ष संघ

आवश्यकता होती है जो अक्सर भत्ते के भुगतान के रूप में किया जाता है. रात्रि पाली में कार्य करने वाले व्यक्ति को स्कैंडियन लय में व्यवधान होता है, जिससे हृदय रोग, मधुमेह, नींद विकार, मोटापा जैसे विभिन्न बीमारियों का खतरा अधिक होता है. भारत सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए विभिन्न भत्तों और अनुशंसाओं पर समय-समय पर निर्देश जारी करते आ रहे हैं. अगर प्रबंधन को रात्रि पाली भत्ता नहीं देना है तो रात की ड्यूटी लेना बंद कर दे.

सेल मेघाहातुबुरु खदान के एजीएम के घर से स्कूटी चोरी

संवाददाता । किरीबुरू

सेल, मेघाहातुबुरु खदान के विद्युत विभाग के सहायक महाप्रबंधक आर स्वाय के आवास संख्या- सी-1/04 से सोमवार की देर रात चोरों ने लाल रंग की स्कूटी चोरी कर ली. स्कूटी का नम्बर- ओडी14वाई-1469 है. मेघाहातुबुरु के सहायक महाप्रबंधक ने किरीबुरु थाना में स्कूटी चोरी की लिखित शिकायत दर्ज कराई है.

दूसरी ओर इसी रात एक तरफ नक्सलियों ने मेघाहातुबुरु शहर के इसी क्षेत्र में तीन स्थानों पर नक्सली बंदी का बैनर लगाया है. किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर में पिछले कुछ दिनों से चोरों का आतंक काफी बढ़ गया है. चोर सेल अधिकारियों के आवासीय व सेल के प्रतिष्ठित संस्थानों को निरंतर अपना निशाना बना रहे हैं. यह चोर शहर में मौजूद अपने आकाओं, जो सामाजिक कार्यकर्ता का चोला ओढे

हुये हैं, उन्हें यह चोरी का स्क्रैप आदि सामान बेचते हैं अथवा झारखंड-ओडिशा के सीमावर्ती अवैध स्क्रैप टाल में ले जाकर चोरी के सामान की बिक्री करते हैं.

झारखंड व ओडिशा की पुलिस ऐसे स्क्रैप टालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर रही है. उल्लेखनीय है कि तीन दिन पूर्व ही चोरों ने प्रोस्पेक्टिंग स्थित अंग्रेजी शराब दुकान का ताला तोड़ लगभग डेढ़ लाख रुपये नकद व शराब की चोरी की थी. इससे पहले केन्द्रीय विद्यालय व बैंक ऑफ इंडिया का अर्थिंग पावर केबल व लाइट, मेघाहातुबुरु सिविल विभाग का तीन बार ताला तोड़ चोरी की गई. थाना के बगल स्थित किरीबुरु विद्युत सब स्टेशन का ताला तोड़ दो बार चोरी हुई. चर्च व पार्क कॉलोनी स्थित करंट प्रवाहित विद्युत लाइन से कॉपर तार काटकर चोरी के अलावे अनेक चोरियां की गई हैं. इसकी शिकायत लोगों ने थाना में नहीं की, क्योंकि चोर पकडे. नहीं जायेंगे और उन्हें न्यायायिक कार्य हेतु परेशान होना पडेग़ा. चोरों के आतंक से सेल अधिकारी, कर्मचारी व आम जनता सभी परेशान हैं. शहर में प्रवेश व निकासी हेतु झारखंड व ओडिशा से दो अलग-अलग मार्ग व चेकनाका है. दोनों चेकनाका पर सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती तथा सीसीटीवी कैमरा लगा है. इसके बावजूद चोर, चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो जा रहे हैं.

न्यूज अपडेट

राहुल गांधी से प्रेरणा लेने की जरूरत : अशरफ होदा

चाईबासा । कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सन्नी सिंकु की अध्यक्षता में चाईबासा आईटीआई परिसर में मंगलवार को बैठक हुई. बैठक में संगठन पर चर्चा की गई. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सह 15 सूत्री सदस्य अशरफ होदा ने सांगठनिक मामले में चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हम कांग्रेस जनों को कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से प्रेरणा लेने की जरूरत है. जिस तरह से जननायक राहुल गांधी ने प्रतिपक्ष के नेता के तौर पर सदन में जनता के मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया. बैठक में पूर्व बैंक कर्मी अमृत मांझी, मनोहरपुर के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष केशव गोप, जिला युवा कांग्रेस के पूर्व उपध्यक्ष रंजीत आदि उपस्थित थे.

विद्यार्थी दिवस पर किया पौधरोपण, संगोष्ठी आयोजित

चांडिल । विश्व के सबसे बड़े प्रगतिशील और अनुशासित छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 76वां स्थापना दिवस सह राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर अभाविप ने सिंहभूम कॉलेज चांडिल परिसर में पौधरोपण किया. अभाविप की गतिविधि विकासार्थ विद्यार्थी (एसएफडी) के प्रांत सह संयोजक सनातन गोराई ने बताया कि राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों के बीच संगोष्ठी आयोजित की गई. संगोष्ठी में वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे. इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि देश और समाज में विद्यार्थियों का योगदान शत प्रतिशत होना चाहिए. इस अवसर पर कॉलेज सह मंत्री शशि मिश्रा, आदित्य बनर्जी, राज पासवान, चंद्र महतो, रोहन महतो, रिया कुमारी समेत कई लोग उपस्थित थे.

कराईकेला के जगन्नाथ मंदिर में विपत्तारिणी की हुई पूजा

चक्रधरपुर । कराईकेला के जगन्नाथ मंदिर एवं पुरानाडीह स्थित मौसीबाड़ी में मंगलवार को महिलाओं ने विपत्तारिणी की पूजा अर्चना की. इस अवसर पर कराईकेला, बरडीह, पुरानाडीह, बाउरीसाई, ईचाहातु, कालिकाबेड़ा, कीतापीड़ आदि गांवों से काफी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर पूजा अर्चना की. जिसे लेकर मंदिर में काफी भीड़ रही. कराईकेला स्थित जगन्नाथ मंदिर पुजारी जगदीश ठाकुर एवं ललित नारायण ठाकुर तथा दुर्गा मंदिर पुरनाडीह में शंभू महापात्र ने विपत्तारिणी की पूजा संपन्न करायी. इस अवसर पर पूजा के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. इस मौके पर काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं.

कार्यक्रम

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कुकड़ू प्रखंड में किया संपूर्णता अभियान का शुभारंभ

सभी को आत्मनिर्भर बनाने की सोच को धरातल पर लाने की तैयारी

- संपूर्णता अभियान के रथ को हरी झंडी दिखा किया रवाना

संवाददाता । चांडिल

नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा संचालित आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत सरायकेला-खरसावां जिला के पिछड़ा प्रखंड कुकड़ु का समग्र विकास किया जा रहा है. इसके लिए प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में संपूर्णता अभियान की शुरुआत की गई. अभियान का शुभारंभ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद संजय सेठ ने सोमवार को दीप प्रज्वलित कर किया. इस अवसर पर उन्होंने आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत संपूर्णता अभियान के रथ को हरी झंडी दिखाकार रवाना किया. मौके पर

कार्यक्रम का शुभारंभ करते केंद्रीय मंत्री.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सोच सभी आत्मनिर्भर बनाना है. चाहे किसी भी क्षेत्र में हर एक आदमी आत्मनिर्भर हो. संपूर्णता अभियान भी लोगों तक सरकार की योजना पहुंचाने और जन-जन को उसका लाभ लेने प्रेरित करेगा. संपूर्णता रथ गांव-गांव में जाकर ग्रामीणों को अभियान के बारे में जानकारी देगा और सरकारी लाभ लेने के लिए लोगों को जागरूक करेगा.

सितंबर के बाद करेगे सोशल ओडिट

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि संपूर्णता अभियान 30 सितंबर तक चलाया जाएगा. अभियान के समाप्ति के बाद वे इसका सोशल ऑडिट करेंगे. वास्तव में योजना का लाभ लोगों को मिला या नहीं. कहीं अभियान कागज में ही तो नहीं चलाया गया. इसका रिपोर्ट तैयार कर प्रधानमंत्री को सौंपेंगे. अच्छा काम करने वाले पदाधिकारियों को सम्मानित करने की अनुशंसा करेंगे और काम नहीं करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग करेंगे. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पदाधिकारियों ने आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत किए जाने वाले कार्य और इस अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी. कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान कई स्टॉल भी लगाया गया था. जहां लोगों का स्वास्थ्य जांच करने के अलावा खानपान, बीमा योजना, मिट्टी जांच समेत कई जानकारियां उपलब्ध कराई गई. कार्यक्रम के दौरान परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित छह इंडिकेटर्स पर लोगों को जागरुक करना है और योजनाओं का लाभ आम लोगों को देना है.

निर्माणाधीन गोदाम की होगी जांच, मंत्री ने दिया निर्देश

चांडिल । ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के कुकड़ू प्रखंड कार्यालय परिसर में निर्माणाधीन एफसीआई गोदाम निर्माण कार्य का केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने निरीक्षण किया. निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का इस्तेमाल करने की शिकायत ग्रामीणों से मिलने के बाद जांच करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने शिकायतों को सही पाया. गोदाम निर्माण कार्य में उपयोग में लाए जा रहे सामग्रियों को देखकर वे जमकर बिफरे. मौके पर जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक साव उर्फ माझी साव ने गोदाम निर्माण कार्य में उपयोग में लाए जाने वाले काला ईंटा को दिखाया. ईंटा को आपस में टकराने पर दो टुकड़ा हो जा रहा था. निर्माण कार्य में बरती गई अनियमितता को ढंकने के लिए ठेकेदार ने दीवार खड़ी करने के बाद उस पर प्लास्टर कर दिया है, जबकि गोदाम के ऊपरी हिस्से का काम बाकि है.

काम रोकने को कहा : निर्माण कार्य की जांच करने के बाद केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने सरायकेला-खरसावां जिले के डीसी रविशंकर शुक्ला से फोन पर बात की. केंद्रीय मंत्री ने निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाते हुए इसकी सही जांच कराने के बाद जांच रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि योजनाओं का लभा जनता को मिले.

झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा की हजारीबाग ईकाई ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष दिया धरना

‘झारखंड आंदोलनकारी को अलग पहचान दे सरकार’

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड अलग राज्य हुए 24 वर्ष हो गए, लेकिन आज तक आंदोलनकारी को कोई मुकम्मल पहचान सरकार नहीं दे सकी. इसको लेकर झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा की हजारीबाग ईकाई ने मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना दिया. इसकी अध्यक्षता महमूद आलम ने की, जबकि संचालन खलील अंसारी ने किया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि झारखंड अलग राज्य करने के लिए सैकड़ों लोगों ने अपनी शहादत दी, लाखों लोग जेल गए और पुलिस की यातनाएं झेली

उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना देते झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के सदस्य.

और सजा काटा तब जाकर के झारखंड राज्य का निर्माण हुआ. लेकिन अफसोस की बात है कि 24 वर्ष पूरे होने के बावजूद तमाम आंदोलनकारियों की पहचान सरकार आज तक नहीं कर सकी और न ही वर्तमान समय में जो आंदोलनकारी जीवित हैं उनको कोई पहचान दे सकी. कुछ लोगों को पहचान कर 3000 रुपये महीना पेंशन दी जा रही है जो उचित नहीं है. सरकार को इस पर तत्काल हस्तक्षेप कर आंदोलनकारियों की पहचान करते हुए उन्हें सम्मानजनक पेंशन देनी चाहिए. मोर्चा के राज्य महासचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड राज्य हमारी बहुत पुरानी मांग थी, जिसके लिए जयपाल सिंह मुंडा से लेकर कई लोगों ने संघर्ष किया तब जाकर अलग राज्य बना. अलग राज बनने के बाद आंदोलनकारियों को जो सम्मान सरकार की ओर से दिया जाना देना चाहिए वह आज तक नहीं मिला है. हालत यह है कि 24 वर्ष गुजर जाने के बाद भी सरकार उन आंदोलनकारियों की पहचान करने में असफल रही है जो आज तक जीवित हैं और गुमनाम की जिंदगी जी रहे हैं. सभा में चंद्रनाथ भाई पटेल, बटेश्वर प्रसाद मेहता, शबनम परवीन, सुखदेव यादव, सुनील मेहता, गणेश कुमार सीटू, संजय मलिक, राजेंद्र स्वर्णकार, निसार अहमद, दुलारचंद साव, गुलाब नबी, महेंद्र राम, विपिन कुमार सिन्हा, अजय साव, नंदलाल प्रसाद मेहता, अनिरुद्ध कुमार, तिलक महतो, दशरथ राय, मिसबाहउल इस्लाम, सुबोध कुमार सिंह, सद्दाम हाशमी, करीम अंसारी, अनवर अहमद, इंद्रदेव कुशवाहा आदि उपस्थित रहे.

चपवा में बारिश का पानी घरों में घुसा

संवाददाता। हजारीबाग

जल निकासी व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को बैठक की.

सदर प्रखंड की भेलवारा पंचायत अंतर्गत प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम चपवा में जलनिकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़क से सीधे लोगों के घरों तक में घुस रहा है. खतियानी परिवार के लोगों ने इस संबंध में बैठक कर निराशा व्यक्त की. लोगों ने कहा कि काली सड़क का निर्माण ग्राम पंचायत में किया गया है. लेकिन नाली का निर्माण नहीं होने के कारण बारिश का पानी घरों में घुस जाता है. इसका बड़ा कारण है पूर्व में बने घरों का सड़क से नीचे हो जाना. सड़क की ऊंचाई अधिक होने के कारण बारिश का पानी दोनों किनारे से घरों में घुस जाता है. स्थानीय निवासी और खतियानी परिवार के सदस्य मोहम्मद हकीम ने कहा कि गांव में कई समस्याएं हैं. प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना का लाभ भी उन्हें

खास बातें

- जल निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों की परेशानी बढ़ी
- निराश गांव के लोग विधानसभा चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे

नहीं मिल रहा है. जिला प्रशासन और सदर अंचल कार्यालय के प्रशासनिक पदाधिकारी को इस बात की सूचना दी गई है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं है. ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव में गांव के लोग वोट का बहिष्कार करेंगे. ग्रामीणों की मांग है कि चपवा गांव में ही एक बूथ जिला प्रशासन बनाए, क्योंकि लगभग 400 से अधिक मतदाताओं को मतदान करने के लिए पांच किलोमीटर की दूरी तय कर सलैया और बोचो गांव जाना पड़ता है. बैठक में बाबू भाई, सईद अहमद, अशोक राम, शंभू ठाकुर, बिंदु देवी, सुरेश महतो आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

जिला छात्रवृत्ति समिति की बैठक का आयोजन

रामगढ़। उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला छात्रवृत्ति समिति की बैठक का आयोजन किया गया. बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी निशा सिंह के ने बताया कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 25727 विद्यार्थियों का आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसमें 6507 विद्यार्थियों को स्वीकृति दी जा चुकी हैं. वहीं 19220 विद्यार्थियों को स्वीकृति दिए जाने हेतु आवेदन प्राप्त हैं. जिनका सत्यापन उपरांत विद्यार्थियों को लाभ दिया जाएगा. बैठक के दौरान उपायुक्त ने समिति के अन्य सदस्यों के साथ प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के क्रम में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ देने हेतु आवेदनों को स्वीकृति देने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए.

जनता दरबार में आए दो दर्जन से अधिक आवेदन

हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया. उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देश पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा निवेदिता रॉय ने आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान से संबंधित मामले को अधिकारियों को निर्देश दिया. इस दौरान शहरी सहित विभिन्न प्रखंडों से दो दर्जन से अधिक आवेदन आए. आवेदकों ने रोजगार सृजन योजना से जोड़ने, अबुआ आवास, ऑनलाइन खेसरा चढ़ाने, बिना अनुमति चहारदीवारी देने, जबरन कब्जा, अतिक्रमण, सहायता राशि, धोखाधड़ी, भूमि विवाद, राशनकार्ड, दाखिल-खारिज, भू मुआवजा और सेविका चयन आदि से संबंधित आवेदन देकर समाधान की मांग की.

अनदेखी : बरसात में सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों और बोल्डरों से हो सकता है बड़ा हादसा

जर्जर जेल रोड हो सकता है बंद!

शुभम संदेश ग्राउंड रिपोर्ट

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

- इस सड़क से प्रत्येक दिन करीबन 5000 लोगों का होता है आना-जाना
- सड़क से जेल में बंदियों से मिलने आते हैं देश के कोने-कोने से परिजन

जेल सुपरिटेंडेंट के निवास स्थल से सिंदूर और मंडई बस्ती जाने वाली जेल रोड काफी जर्जर हो गया है. यह सड़क बरसात में बंद भी हो सकती है और अगर कोई इससे गुजरता है तो बड़ी घटना भी हो सकती है. सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं और बड़े-बड़े बोल्डर सड़क पर पड़े हुए हैं. ऐसे में बरसात के समय सड़क पर बने गड्ढों में पानी भरने पर बड़ा हादसा भी हो सकता है.

इस सड़क से हजारीबाग, गिरिडीह, बगोदर,चतरा, कोडरमा रांची, कोलकाता, धनबाद, गढ़वा और लातेहार जिले के अलावा देश के विभिन्न कोनों से जेल में बंदियों से उनके परिजन मिलने के लिए आते हैं. इस संबंध में चतरा जिला निवासी दिनेश सिंह ने बताया कि हम पास के ही क्वार्टर में रहते हैं. इस सड़क की लंबाई लगभग दो किलोमीटर है, जिससे हम ड्यूटी करने जाते हैं. इतनी कम दूरी तय करने में ही लगभग आधा-आधा घंटा जाने और आने में लग जाता है. आवागमन के दौरान सुरक्षित महसूस नहीं करते. पता नहीं कब कोई दुर्घटना हो जाए, या फिर टायर पंचर हो जाए और हम ड्यूटी सही समय पर नहीं नहीं पहुंच पाए. दिनेश ने यह भी कहा कि सड़क की बदहाल स्थिति से जेलकर्मी, मंडई और सिंदूर बस्ती के लोग काफी परेशान हैं. इस रोड के सहारे सिंदूर में न्यू कॉलोनी भी बसी है. इस सड़क से करीबन 5000 लोगों का आना-जाना प्रत्येक दिन होता है.

जर्जर जेल रोड पर बड़े-बड़े गड्ढे व पत्थर दे रहे हैं बड़े हादसे को निमंत्रण.

सड़क कई सालों से जर्जर अवस्था है, कहीं बोल्डर बिखरा है, तो कहीं बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं. इसी सड़क के किनारे सेंट्रल जेल बना है. इसमें महिला जेल एवं बाल गृह भी है. सड़क के किनारे कई सरकारी आवास भी बनाए गए हैं, लेकिन इस सड़क पर किसी का ध्यान नहीं है, जबकि इसी सड़क से जेल में बंद बंदियों को कोर्ट ले जाना आना पड़ता है. सड़क की बदहाली के कारण इधर कोई रिक्शा या टेंपू नहीं आता है. जेल में बंदियों से मिलने के लिए परिजन को एनएच 33 से उतरने के बाद महेंद्र कॉलोनी और सुपरिटेंडेंट आवास तक ही सवारी गाड़ी मिलती है और फिर पैदल आना पड़ता है या तो फिर निजी वाहन से आते हैं, जिसमें उनका करीबन आधा घंटा का समय लग जाता है.

प्रत्येक दिन होता है टायर पंचर, मालिक नहीं करता विश्वास : इस संबंध में एक निजी स्कूल बस के ड्राइवर दिनेश कार्तिक ने बताया कि इस सड़क से प्रत्येक दिन बच्चा छोड़ने के लिए मंडई बस्ती, महेंद्र कॉलोनी के अलावे कई जगह जाते हैं. इस सड़क को पार करने में काफी समय लगता है. प्रत्येक दिन कुछ न कुछ गड़बड़ी गाड़ी में होती रहती है. कभी टायर पंचर हो जाता है तो कभी कोई गाड़ी का कोई अन्य पाट्‌र्स टूट जाता है, जिस पर मालिक विश्वास नहीं करता. इसके साथ ही बच्चों को भी काफी परेशानी होती है.

2005 में आनन फानन में बनाया गया था यह रोड

इस संबंध में मंडई कला निवासी सुजीत कुमार ने बताया कि इस सड़क को वर्ष 2005 में उस समय आनन फानन में बनाया गया था, जब जेल में किसी प्रोग्राम का उद्घाटन करने के लिए तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो हजारीबाग सेंट्रल जेल आ रहे थे. आज की तारीख में इस सड़क की हालत चलने लायक नहीं रह गई है. इससे आवागमन करने में काफी समय लगता है. इससे बस्ती वालों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है. कभी वाहन का टायर पंचर हो जाता है, तो कभी गाड़ी कोई अन्य पाट्‌र्स खराब हो जाता है.

विधायक व सांसद को संज्ञान लेना चाहिए : अभिषेक पांडे

इस संबंध में आईटीआई कॉलेज के संचालक सह प्राचार्य अभिषेक पांडे ने बताया कि यह सड़क सदर प्रखंड में है और शहर से नजदीक है. लोगों का लगातार आना-जाना होता है. इस पर विधायक एवं सांसद को संज्ञान लेना चाहिए था. यह सड़क बनती तो इसके किनारे रहने वाले अधिकारियों को भी इसके लाभ होता. यहां तक कि पुलिस को भी पेट्रोलिंग करने में सहूलियत होती. इस सड़क पर मंडई पंचायत, सिंदूर पंचायत, सिंदूर न्यू कॉलोनी के अलावे पबरा, यूनिवर्सिटी, सियारी एवं आईटीआई कॉलेज के विद्यार्थियों का भी आना-जाना होता है. इस रोड में बड़े-बड़े अधिकारी से लेकर बिजनेसमैन तक मकान बनाकर रह रहे हैं, लेकिन इसकी जर्जर अवस्था की ओर किसी का ध्यान नहीं है. जब चुनाव आया है तो कोई पौधा लगवा रहा है तो कोई ट्रांसफार्मर का उद्घाटन कर अपनी उपलब्धि गिना रहा है, लेकिन इस सड़क की चर्चा भी कोई नहीं करता है.

इसी रास्ते सैकड़ों लोगों का आना-जाना : मुकेश

इस संबंध में दुकानदार मुकेश यादव ने बताया कि यह इसी सड़क से हजारीबाग के अधिकारी जेल में छापामारी करने आते हैं. यहां तक कि जेल के कई अधिकारियों का प्रत्येक दिन का आना-जाना है. यह सड़क अच्छी होती तो अधिकारियों को जेल में छापा मारने में भी काफी सहूलियत होती. दुकानदारों ने यह भी बताया कि आज कई समाजसेवी चुनाव नजदीक आते ही बड़ी-बड़ी घोषणा कर रहे हैं, लेकिन इस सड़क को देखने के लिए ये लोग कभी नहीं आए. इस संबंध में ये कोई घोषणा भी करना उचित नहीं समझ रहे हैं.

क्या कहते हैं जेल मुलाकातों में आए लोग

इस संबंध में मंगलवार को लातेहार, बोकारो, हजारीबाग, चतरा से आए लोगों ने बताया कि जेल में बंदी से मुलाकात के लिए पहली बार आए थे. जानकारी का अभाव था. रिक्शा और टेंपो वाले से बात की, लेकिन, कोई जेल रोड आने को तैयार नहीं था. समय का भी अभाव था. ऐसे में बहुत प्रयास करने के बाद एक ई रिक्शा तैयार हुआ, लेकिन वह बीच में ही छोड़कर चला गया. ऐसे में जेल पहुंचने में काफी समय लग गया. इसके कारण जेल में मुलाकात का समय समाप्त हो गया. लिहाजा वह अपने बंदी से मिले बिना ही वापस चले गए.

ड्रोन कैमरे से किया गया तापिन नॉर्थ परियोजना का निरीक्षण

तापिन नॉर्थ परियोजना में ड्रोन के साथ निरीक्षण करते पदाधिकारी.

संवाददाता। चरही (हजारीबाग)

सीसीएल हजारीबाग एरिया के तापिन नॉर्थ परियोजना में सोमवार को कोल मंत्रालय और कोल इंडिया के निर्देशानुसार विशेष सतर्कता निरीक्षण अभियान चलाया गया. इसके तहत परियोजना में अनधिकृत प्रवेश एवं निकास का आकलन करने के लिए परियोजना में ड्रोन कैमरे के सहारे निरीक्षण किया गया. सतर्कता विभाग की टीम ने सीसीएल हजारीबाग एरिया के अधिकारियों के साथ निरीक्षण कार्यक्रम संपन्न किया. इस अभियान में कोयला संसाधन पर निगरानी बढ़ाने के उद्देश्य के साथ ही सुरक्षा गतिविधियों पर नजर रखने सहित कई मुद्दों को लेकर निरीक्षण किया. सीसीएल के सभी परियोजनाओं में ड्रोन कैमरे लगाए जाने है.

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मनाया 76वां स्थापना दिवस

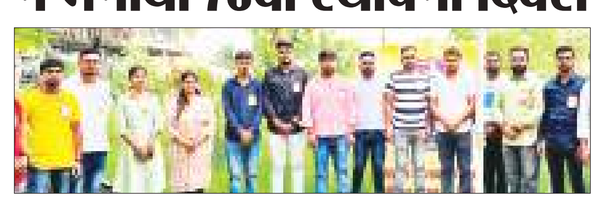
जिला कार्यालय में संगठन के नगर मंत्री रुद्र राज ने झंडोत्तोलन किया.

संवाददाता। हजारीबाग

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की हजारीबाग इकाई ने मंगलवार को संगठन का 76वां स्थापना दिवस मनाया. इस मौके पर जिला कार्यालय में नगर मंत्री रुद्र राज ने झंडोत्तोलन किया. इस दौरान शहर में अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. विनोबा भावे विश्वविद्यालय एवं यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज में पौधारोपण किया गया तथा बाबू गांव में संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नवलेश सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना 9 जुलाई 1949 को हुई थी. प्रांत सह मंत्री रितेश यादव ने कहा कि परिषद हमेशा छात्र हित, समाज हित और राष्ट्र हित के लिए कार्य करता है. जिला संयोजक बाबूलाल मेहता ने बताया कि अभाविप स्थापना दिवस जिले में धूमधाम से मनाया गया. नगर मंत्री रुद्र राज ने कहा आज हमारे लिए गौरव का दिन है आज विद्यार्थी परिषद 76वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है.

उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देश पर जिला कौशल समिति की हुई बैठक

युवाओं को स्वावलंबी बनाने पर चर्चा

संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देशानुसार मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला कौशल समिति की बैठक की गई. बैठक में जिला कौशल विकास योजना के तहत जिले के बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर स्वावलंबी बनाने के लिए जिला कौशल विकास योजना के कार्य एवं अद्यतन स्थितियों पर चर्चा की गई. मौके पर जिले के युवाओं के हुनर और स्किल्स को देखते हुए कार्ययोजना बनाने तथा युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण देने की बात कही. जिला कौशल विकास प्लान 2024/25 को तैयार करने एवं इसके क्रियान्वयन पर चर्चा की गई. जिला के स्थानीय जरूरत के अनुसार

जिला कौशल समिति की बैठक में शामिल पदाधिकारी व अन्य.

प्रशिक्षण हेतु नए सेक्टर/जॉब रोल का चयन करने पर विचार विमर्श किया गया. जिला में संचालित कौशल केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवक युवतियों के लिए स्थानीय नियोजन एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई. जिला में संचालित कौशल केंद्रों में चल रहे सेक्टर हेल्थ केयर में ऑन जॉब ट्रेनिंग पर विचार विमर्श किया गया. मौके पर महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, सहायक नगर आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक, जिला नियोजन पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, जेएसडीएमएस एवं यूएनडीपी से दीपक कुमार सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे.

सोलो बैडमिंटन प्रतियोगिता में रूद्रांश को मिला सिल्वर मेडल

- डीएवी बरकाकाना के प्राचार्य ने शील्ड देकर किया सम्मानित

संवाददाता। रामगढ़

स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से आयोजित सोलो बैडमिंटन प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल बरकाकाना के रूद्रांश रंजन ने सिल्वर मेडल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है. इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा माजिद ने रूद्रांश को शील्ड देकर सम्मानित किया. प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा माजिद ने रूद्रांश की इस सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल रूद्रांश के मेहनत और समर्पण का परिणाम है बल्कि यह विद्यालय के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है. उन्होंने रूद्रांश को

भविष्य में और भी सफलताएं प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं और अन्य छात्रों को भी इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया. प्राचार्य ने कहा की रुद्रांश की यह सफलता पूरे विद्यालय के लिए प्रेरणादायक है और हमें गर्व है कि हमारे विद्यालय में ऐसे होनहार छात्र हैं. रूद्रांश की इस सफलता से पूरे विद्यालय में हर्ष और गर्व का माहौल है. उनके सहपाठियों व शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

ग्राम स्वराज यात्रा का समापन

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सह प्रवक्ता एवम राजीव गांधी पंचायती राज्य संगठन के उपाध्यक्ष शांतनु मिश्रा के नेतृत्व में राहुल गांधी के जन्मदिन पर 19 जून को शुरू की गई ग्राम स्वराज यात्रा मंगलवार को 21वें दिन गांधी चौक अंबेडकर पार्क में सभा का आयोजन कर संपन्न हुई. शांतनु मिश्रा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस यात्रा ने विधानसभा के एक-एक गांव में जाकर राहुल गांधी के संदेश एवं कांग्रेस के विचारों, पंचायती राज के अधिकार व सत्ता के विकेंद्रीकरण के बारे में लोगों को जागरूक किया. संविधान के 73वें 74वें संशोधन के प्रति लोगों को जागरूक किया. यह यात्रा राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरित होकर रामगढ़ विधानसभा में निकली गई. यह राजनीतिक यात्रा न

ग्राम स्वराज यात्रा की समापन सभा को संबोधित करते शांतनु मिश्रा.

केवल रामगढ़ विधान सभा बल्कि पूरे झारखंड में पहली बार निकली गई यात्रा है. उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान जब लोगों से मिला तो बहुत कुछ सीखने को मिला, जिससे मेरा नजरिया बहुत से विषयों में बदला और आज मैं इस अनुभव के आधार पर बहुत नजदीक से ग्रामीण जीवन को और उनकी समस्याओं को समझ सका. मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, झारखंड राज्य हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक, प्रदेश कोऑर्डिनेटर अशोक चौधरी, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य डॉ एम तौसीफ, प्रदेश के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष मानस सिंह, महासचिव मदन मोहन शर्मा, महासचिव बलजीत सिंह बेदी, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष मंजू जोशी, आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष गगन करमाली, गोला प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी, चीतरपुर प्रखंड अध्यक्ष अहसानुल्लाह, रामगढ़ प्रखंड अध्यक्ष दिगंबर गुप्ता, रामगढ़ नगर अध्यक्ष बलराम साहू, मांडू प्रखंड अध्यक्ष सागर महतो, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष मंजू जोशी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

कार्यक्रम : जिला स्तरीय पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, ग्राम सभा/एफआरसी के अध्यक्षों व सचिवों दिया गया प्रशिक्षण

वन अधिकार कानून को धरातल पर उतरने का कर रहे प्रयास: डीसी

संवाददाता। रामगढ़

समाहरणालय स्थित टाउन हॉल में मंगलवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय पदाधिकारियों, सभी अंचल अधिकारियों, सभी ग्राम सभा/एफआरसी के अध्यक्षों एवं सचिवों के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान सर्वप्रथम जिला कल्याण पदाधिकारी निशा सिंह ने उपायुक्त व अन्य वरीय पदाधिकारी को पौधा देकर उनका स्वागत किया. इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि हम सभी को वन अधिकार अधिनियम के विषय

वन अधिकार अधिनियम को लेकर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते उपायुक्त चंदन कुमार.

को समझने की जरूरत है. वन अधिकार अधिनियम को जिला प्रशासन धरातल पर उतरने का हरसंभव प्रयास कर रहा है. उपायुक्त ने सभी सदस्यों को वन अधिकार अधिनियम एवं वन पट्टा के महत्व के संबंध में समझाते हुए कहा कि वन पट्टा नौकरी लेने के लिए नहीं, बल्कि वनों को बचाने के लिए दिया जाता है. इस अधिनियम के मूलभूत उद्देश्य को समझना होगा. इस दौरान उपायुक्त ने सभी को एक स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण के लिए जंगल को बचाने की अपील की. वन्य जीवन जंगल और जैव विविधता की रक्षा करें और उन पर कोई भी प्रतिकूल प्रभाव ना डालना यह सुनिश्चित करें. साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आसपास के जल ग्रहण क्षेत्र जल स्रोत और अन्य पारिस्थितिक रूप से संवेदन क्षेत्र पर्याप्त रूप से संरक्षित है. वहीं उपायुक्त ने कहा कि हमारा लक्ष्य है अधिक से अधिक वन अधिकार पट्टा जारी करें. प्रशिक्षण के दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी, रामगढ़ नितेश कुमार उपस्थित सभी अंचल अधिकारी, सभी ग्राम सभा/एफआरसी के अध्यक्ष एवं सचिव को पीपीटी के माध्यम से वन अधिकार अधिनियम को विस्तार पूर्वक जानकारी दी. साथ ही ओटीएफडी के कार्यों के संबंध में भी जानकारी दी गई. प्रशिक्षण के दौरान एफआरसी सेल रांची से मनोहर चौहान/तुषार कुंभकार, टेक्निकल अप ट्रेनर रामगढ़ महेंद्र कुमार रविदास द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों को अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान के मुख्य लक्ष्य को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई. सभी की दुविधाओं को भी दूर किया गया.

ग्राम देवता की पूजा के साथ शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ

संवाददाता। हजारीबाग

ग्राम देवता की पूजा के साथ ओकनी बड़ा शिव मंदिर प्रांगण में सात दिवसीय श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ श्रद्धा, भक्ति और आस्था के साथ शुरू हो गया. ओकनी बड़ा व छोटा शिव मंदिर, देवी मंडप, दक्षिणेश्वर काली, बाबा विश्वनाथ मंदिर, पंचमुखी हनुमान और काली मंदिर में ग्राम देवता का विधि-विधान से पूजन किया गया. इस दौरान महायज्ञ संचालन समिति समेत काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. वहीं संध्या ओकनी तालाब में पहली बार भव्य गंगा आरती की गई. घड़ीघंट, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से माहौल पावनमय हो गया. श्रद्धालुओं के बीच महाभोग का भी वितरण हुआ. बुधवार को यज्ञ मंडप से कलश यात्रा निकाली जाएगी. इस दौरान नगर भ्रमण करते हुए श्रद्धालु बुढ़वा महादेव मीठा तालाब से जल उठा यज्ञ मंडप में प्रवेश करेंगे.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पंचम चंद्र है. गलत दोस्त से बचना चाहिए. विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा.

वृषभ क्रोध में वृद्धि होगी. साथ ही कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करने पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा. आय होगी.

मिथुन भाई-बहन से मुलाकात होगा समय उत्तम है. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. कार्य में लाभ होगा. बस भरपूर प्रयास करें.

कर्क आंख में कोई समस्या हो तो समाप्त हो सकती है. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह समय बहुत ही उत्तम है पर क्रोध से बचें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है. सूर्य को जल दें.

कन्या नेत्र विकार से बचना चाहिए. कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला नए कार्य को लेकर लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें. इतर का दान करें.

वृश्चिक कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु किसी महिला मित्र से विवाद हो सकता है. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर बेकार के बहस से बचना चाहिए. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

कुंभ जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का मौका मिलेगा. व्यापार में लाभ का योग है. दांपत्य जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. लाभ होगा.

मीन धन का आगमन होग पर मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. पीली वस्तु का दान करें.

चौकीदार पद पर एससी को आरक्षण देने के लिए उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा

पलामू । बीर बाबा चौहरमल कल्याण समिति की ओर से चौकीदार पद पर अनुसूचित जाति को आरक्षण देने की मांग को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया. इसका नेतृत्व समिति के पलामू जिलाध्यक्ष संदीप पासवान ने किया. उनके साथ गढ़वा जिलाध्यक्ष चंदन पासवान, रामजी पासवान, संजय पासवान, दशरथ पासवान, रामचन्द्र पासवान एवं मिथिलेश पासवान थे. समिति की ओर से बताया गया है कि पलामू जिला प्रशासन की ओर से जिले में 155 चौकीदारों की बहाली के लिए वेकैंसी निकाली गयी है. जिसमें अनुसूचित जाति के आरक्षण को शून्य कर दिया गया है. रोस्टर में बदलाव कर अनुसूचित जाति वर्ग को आरक्षण दिया जाए. इस निर्णय से अनुसूचित जाति वर्ग में असंतोष की भावना बनी हुई है और लोग भविष्य को लेकर चिंतित हैं. अनुसूचित जाति को जनसंख्या के आधार पर उनका जो भी संवैधानिक आरक्षण है, उसे दिलाने का कार्य करें.

कोडरमा के चंदवारा में तालाब में डूबे तीनों लड़कों के शव मिले

कोडरमा । कोडरमा के चंदवारा थाना क्षेत्र के पुरनाथाम में पानी में डूबे तीनों लड़कों के शवों को अंत्यपरीक्षण के बाद मंगलवार को उनके परिजनों को सौंप दिया गया. तीनों गांव के ही एक तालाब में नहाने गए थे. घटना सोमवार की है. देर रात दो शव निकाल लिए गए थे, जबकि एक शव मंगलवार की सुबह निकाला गया. मृतकों की पहचान सोहेल अंसारी (19), शाहबाज अंसारी (12) और अरबाज अंसारी (12) के रूप में हुई है. घटना के बाबत चंदवारा थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि सभी लड़के अपने घर के पास स्थित एक तालाब में सोमवार को नहाने के लिए गये थे. इसी दौरान यह हादसा हुआ. जब देर शाम तक सभी घर नहीं लौटे तो परिवार के सदस्यों ने चिंता व्यक्त की. इसके बाद वह तालाब के आसपास के इलाकों में छानबीन की लेकिन तीनों का कहीं पता नहीं चला. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तालाब में उनकी तलाश शुरू की. घंटों खोजबीन के बाद रात में दो शवों की बरामदगी हो गयी जबकि रात हो जाने के कारण एक का शव बरामद नहीं हो सका.

रेलवे ने सुरक्षा के मद्देनजर रेल पुलियों पर नदियों के जलस्तर की निगरानी शुरू की
दामोदर नदी पर लगा वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम

संवाददाता । रामगढ़

भारतीय रेल सुरक्षित एवं संरक्षित परिचालन के लिए प्रतिबद्ध है. पूरे देश में भारी बारिश के दौरान नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है. उसमें पुल भी धराशाई हो रहे हैं. सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेलवे ने भी पुलियों पर नदियों के जलस्तर के निगरानी करनी शुरू कर दी है. धनबाद मंडल अंतर्गत दामोदर नदी पर भी वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगा दिया गया है. मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि धनबाद मंडल में चंद्रपुरा-बोकारो स्टील सिटी के मध्य दामोदर नदी पर पुल संख्या 08, गुरपा-पहाड़पुर के मध्य ढाढर नदी पर पुल संख्या 345, बरकाकाना-गढ़वा रोड के मध्य अमानत नदी पर पुल संख्या 253डीएन, गढ़वा

रोड-चोपन के मध्य कोयल नदी पर पुल संख्या 2 पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया गया है. इसके अलावा कन्हार नदी पर बने पुल संख्या 173 एवं चोपन-सिंगरौली के मध्य रिहन्द नदी पर पुल संख्या 7 एवं कोडरमा-हजारीबाग टाउन रेलखंड के मध्य तिलैया डैम पर बने पुल सं.-31 सहित कुल 7 रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं.

बरसात के इस मौसम में महत्वपूर्ण पुलों पर नदियों का जलस्तर की निगरानी के लिए गंगा, कोसी, बुढ़ी गंडक, बागमती, करेह, कमला, कुशहा, किउल, सोन, पुनपुन, कर्मनाशा, सकरी, कर्मनाशा, दामोदर, कोयल, रिहंद नदियों एवं तिलैया डैम पर बने रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं. इस सिस्टम से जलस्तर की जानकारी आटोमेटेड एसएमएस के माध्यम से संबंधित अधिकारी को प्राप्त होती है.

आधुनिक वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम के लग जाने से नदियों पर बने रेल पुलों पर वाटर लेवल की सूचना मिलना आसान हो गया है. इस सिस्टम में सोलर पैनल से जुड़ा एक सेंसर होता है, जिसमें एक चिप भी लगी होती है. यह सेंसर ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम से जुड़ा होता है. प्रतिदिन नियमित अंतराल पर नदियों के जलस्तर की जानकारी संबंधित अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर एस.एम.एस. के माध्यम से मिल जाती है. फलस्वरूप समय पर नदी के जल स्तर की सूचना मिलने से त्वरित कार्यवाही कर रेलपथ को संरक्षित करना आसान हो जाता है.

मानसून के दौरान नदियों के जलस्तर की निगरानी हेतु पूर्व मध्य रेल के विभिन्न खण्डों पर स्थित कुल 57 महत्वपूर्ण रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं.

होमगार्ड के घर से पांच लाख के जेवर और नकदी की चोरी

संवाददाता । हजारीबाग

बड़कागांव थाना क्षेत्र के हरली बेला बेलतौल निवासी होमगार्ड के जवान विजय कुमार पांडेय के घर से सोमवार रात करीब पांच लाख रुपए के जेवर, 1.15 लाख रुपए कैश और जमीन के कागजात की चोरी हो गयी है. इस संबंध में होमगार्ड के जवान विजय कुमार पांडेय के पुत्र विवेक कुमार पांडेय के आवेदन पर बड़कागांव थाने में मंगलवार को मामला (कांड संख्या 184/24) दर्ज किया गया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

दर्ज मामले के अनुसार सोने की मांगटीका, नथिया, गले के हार, कान की बाली, कंगन, टॉप्स, चांदी का पायल, बिछिया, कमरधनी सहित लगभग पांच लाख के

जेवरात, 1.15 लाख नगद, एक मोबाइल, करीब 30 हजार रुपए के पीतल के बर्तन और जमीन संबंधित कागजात समेत अन्य की चोरी हो गयी है. होमगार्ड का परिवार हजारीबाग में रहता है. गांव के घर में ताले लगे थे.

देश के 15 करोड़ आदिवासियों को एकजुट होने की जरूरत, राजकुमार बोले
रिजर्व सीट से बनते हैं सांसद-विधायक लेकिन आदिवासी मुद्दों पर चुप्पी साध लेते हैं

बसंत मुंडा । रांची

संवैधानिक लड़ाईं लड़ते हुए आदिवासियों को एकजुट होना होगा. आज राष्ट्रीय पार्टी ने गांव-गांव को अलग कर दिया है. भगवान बिरसा मुंडा की तर्ज पर झारखंड में लड़ाई शुरू करनी है. इसके लिए झारखंड के लोगों को एकजुट होना होगा. देशभर में आदिवासियों की आबादी लगभग 15 करोड़ है. सभी आदिवासियों का मुद्दा एक ही है. लड़ाई भी एक जैसी ही है. लेकिन आज आदिवासी अलग-अलग होकर लड़ाई लड़ रहे हैं. यह बातें राजस्थान के संसद राजकुमार रौत ने पुराने विधानसभा परिसर में कहीं.वे विभिन्न आदिवासी संगठनों से जुड़े लोगों के भारत आदिवासी पार्टी में शामिल होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी रिजर्व सीट से भी सांसद और विधायक बन रहे हैं. आदिवासी शहीदों के नाम पर वोट मांग रहे हैं. लेकिन शहीदों के परिवार की स्थिति दयनीय है. लेकिन आज आदिवासियों के मुद्दे पर सभी चुप हैं. अब ऐसे जनप्रतिनिधियों को पहचानना होगा. मौके पर आदिवासी जनपरिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा, अखिल भारत आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष कुदरसी मुंडा, लोहरा समाज के कार्यकारी अध्यक्ष अभय भुटकुंवर, भारत मुंडा समाज के अध्यक्ष सुनील सिंह मुंडा, आदिवासी सेना के अध्यक्ष अजय कच्छप, कुलभूषण डुंगडुंग, सुरेंद्र लिंडा, श्यामलाल पाहन समेत दर्जनों आदिवासी जनप्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी बात रखी.

डिलिस्टिंग के नाम पर आदिवासियों को लड़ाया जा रहा है : वन्य संरक्षण कानून, वन्य जीव अधिनियम लागू कर देश भर में जंगल में रहनेवाले आदिवासियों को जंगल से बेदखल किया जा रहा है. पांचवी और छठी अनूसूची वाले

क्षेत्र को खत्म कर दिया गया है. अब देश के आदिवासियों के आरक्षण को भी खत्म करने का प्रयास कर किया जा रहा है. आदिवासी रिजर्व सीट को गैर आदिवासियों से भरा जा रहा है. आरएसएस आदिवासियों को बांटने का प्रयास कर रही है. डिलिस्टिंग के नाम पर आदिवासियों को आपस में लड़ाया जा रहा है.

आरक्षण पर कुठारघात हमला किया जा रहा है : वक्ताओं ने कहा कि अदिवासी बहुल क्षेत्रों को नगर निगम में लाया जा रहा है. ऐसे क्षेत्रों से आदिवासियों की ग्रामसभा की शक्ति को खत्म किया गया है. फॉरेस्ट एक्ट के माध्यम से देश के 23 लाख आदिवासियों को वन पट्टा दिया गया है, जबकि देश के 15 करोड़ आदिवासी बिना वन पटटा के ही वन क्षेत्र में रह रहे हैं. आरक्षण पर कुठारघात किया जा रहा है.पिछले पांच सालों में देश की सेवा में गैर आदिवासियों को संयुक्त सचिव बना दिया है.इन सभी क्षेत्रों में आदिवासी सीट ही हटा दिया है.

देश आजाद होते ही धर्म कॉलम को हटा दिया गया : डॉ जितेंद्र भील

भारत आदिवासी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ जितेंद्र भील ने कहा कि देश की आजादी के 75 साल बाद भारत आदिवासी पार्टी देश के आदिवासी समाज को एकजुट करने के लिए आया है. हमारे पूर्वज भाषा, संस्कृति, परंपरा, व्यवस्था को बचाने के लिए लड़ते आये हैं. जल ,जंगल और जमीन की लड़ाई लड़ते-लड़ते हमारे पूर्वज शहीद हो गये. अब हमसब को मिलजुल कर आदिवासियों के अस्तित्व को बचाने के लिए लड़ाई लड़ने की जरूरत है.आजादी से पहले देश में आदिवासियों के जनगणना परिपत्र में अलग धर्म कॉलम था, लेकिन देश आजाद होते ही धर्म कॉलम को हटा दिया गया.

आदिवासियों का धर्म कॉलम वापस लाने की जरूरत : रोज

भारत आदिवासी पार्टी के संस्थापक कांति भाई रोज ने कहा कि देश मे काला कानून लाने का प्रयास हो रहा है. आदिवासियों की रुढ़ीवादी परंपरा को बचाने की जरूरत है.देश में दर्जन भर से ज्यादा आईआईएम संस्थान हैं, जिनमें सैंकड़ो लोगों को प्रोफेसर बनाया गया है. लेकिन आज इन संस्थानों में आदिवासियों को प्रोफेसर नहीं बनाया गया है. आदिवासियों के अलग धर्म कॉलम को वापस लाने के लिए एकजुट होना होगा.

आदिवासियों की ग्राम सभा की शक्तियों को खत्म कर दिया : भील

राजस्थान के बगोदरा विधानसभा के विधायक जयकृष्ण भील ने कहा कि देश में आदिवासियों के लिए अलग कानून बना है. देश में आदिवासियों को भू संपदा , पेसा कानून, समता जजमेंट, सीएनटी एक्ट, पांचवी अनूसूची, ग्राम सभा की ताकत दी गयी है, लेकिन झारखंड में आजतक इन सबको लागू नहीं किया जा सका है. ग्राम सभा की सारी शक्तियों को ही खत्म कर दिया गया है. अब ये सारी बातें केवल सरकारी दस्तावेज में रह गयी हैं. अब समय आ गया है कि देश देश के आदिवासियों के हक व अधिकार की लड़ाई लड़ी जाए.

हिदायतुल्लाह खान ने कहा-मॉब लिंचिंग के दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

- अख्तर अंसारी के परिजनों से मिली अल्पसंख्यक आयोग की टीम

संवाददाता । रांची

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग की टीम अध्यक्ष हाजी हिदायतुल्लाह खान की अगुवाई में रांची जिला के पिठोरिया थाना क्षेत्र के काटमकुली गांव पहुंची. आयोग की टीम ने यहां मॉब लिंचिंग में जान गंवाये अख्तर अंसारी के घर जाकर परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी हासिल की. टीम ने मृतक के परिजनों को भरोसा दिलाया कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार में किसी के साथ भी नाइंसाफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जो भी इस घटना में दोषी होंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा.

दोषियों को हर हाल में कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी. अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने कहा कि मामले को लेकर लगातार पुलिस-प्रशासन के संपर्क में हैं और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के साथ-साथ मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए प्रयासरत हैं. कहा किमॉब लिंचिंग की घटना समाज में अति निंदनीय है और इसकी जितनी भी निंदा की जाए, वो कम है. आयोग की टीम ने कहा कि किसी भी समूह को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार हमारा संविधान नहीं देता है. अध्यक्ष के साथ आयोग के सदस्य बरकत अली भी शामिल थे.ज्ञात हो कि काटमकुली गांव के युवक अख्तर अंसारी की छह जुलाई की रात नामकुम - टाटीसिलवे थाना क्षेत्र में भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई थी.

दो सगे भाइयों के घर चोरी 2.5 लाख की संपत्ति गायब

संवाददाता । पलामू

जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के गमहरिया में चोरों ने दो सगे भाइयों के घर का ताला तोड़ कर 25 हजार नकदी समेत करीब 2.5 लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ली. गम्हरिया निवासी संजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को हुसैनाबाद थाना को लिखित आवेदन दिया है. आवेदन में कहा है कि उनके बड़े भाई रविंद्र कुमार सिन्हा अपने पुत्र के पास दिल्ली गए हुए हैं. वह भी घर पर नहीं थे. जब वह घर आए तो पता लगा कि दोनों भाईयों के घर के दरवाजे के ताला टूटे हुए हैं. घर में जाने पर पता लगा कि 25-30 हजार रुपये के अलावा सोना का मंगल सूत्र, छह सोने की अंगूठी, फूल और पीतल का बर्तन के अलावा दो अटैची गायब है. घर के सभी समान बिखरे पड़े हैं. उन्होंने नकदी समेत 2.5 लाख रुपये की संपत्ति चोरी होने की बात आवेदन में कही है. हुसैनाबाद पुलिस घटना की जांच-पड़ताल कर रही है.

डीडीसी ने की मनरेगा योजना की समीक्षा बैठक

संवाददाता । हजारीबाग

उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में मंगलवार को मनरेगा योजना की समीक्षात्मक बैठक परियोजना पदाधिकारी और सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों के साथ कार्यालय कक्ष में हुई. बैठक में लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजन, प्रति गांव पांच योजना का क्रियान्वयन, वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान योजना को लक्ष्य के अनुसार लेने का निर्देश,बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, अबुआ आवास में मानव दिवस सृजन करने, बिरसा हरित ग्राम योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 में चयनित भूमि में पीट कार्य करने, एरिया ऑफिसर एप्प, एनएमएमएस,डीबीटी आदि कार्यों में प्रगति लाने का निर्देश दिया गया. उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत अब तक जिले में कार्यान्वित की गई प्रगति की समीक्षा की. उप विकास आयुक्त ने कहा कि आमजनों के हित के लिए संचालित इन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफल बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है. इसके लिए सभी अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रयासरत रहने के लिए निर्देश दिया.

पर्यावरण विषय पर श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल में हुई पेंटिंग प्रतियोगिता
छात्रों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संवाददाता । रामगढ़

पर्यावरण विषय पर रामगढ़ शहर के श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में मंगलवार को एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. नन्हे छात्र-छात्राओं ने कैनवास पर ऐसी कलाकृति उकेरी जो पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे थे. पेंटिंग में बच्चों ने यह भी बताया कि हमारे पर्यावरण को प्लास्टिक से कितना नुकसान हो रहा है. यदि अपनी दिनचर्या से प्लास्टिक को हटा दिया जाए तो हमारी धरती का प्रदूषण काफी हद तक काम हो जाएगा.

छात्र-छात्राओं ने अपनी कला से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया. इस दौरान कक्षा चतुर्थ के बच्चों ने चित्रण और छायांकन कर

वातावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए एक पहल की. बच्चों ने प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों को यह बताया कि स्वयं का पुनः प्रयोज्य बैग लेकर आएं. प्लास्टिक के स्ट्रॉ और कटलरी से बचें. पुनः प्रयोज्य पानी की बोतल का उपयोग करें. बुद्धिमानी से चुनें. थोक उत्पादों और कम पैकेजिंग वाली वस्तुओं का चयन करें. एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का उपयोग ना करें.

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक का उपयोग न करने और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग प्रथाओं को बेहतर बनाने में मदद करना है. हम में से प्रत्येक व्यक्ति पुनः प्रयोज्य कप, पानी की बोतलें और प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग न करके और प्लास्टिक में लिपटे सामान को अस्वीकार करके बहुत बड़ा बदलाव लाया जा सकता है. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह, सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, सरदार परमिंदर सिंह जस्सल, सरदार कुलजीत सिंह कालरा, मनमोहन सिंह लांबा सहित स्कूल प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार परमजीत सिंह चमन, सरदार हरदीप सिंह आदि उपस्थित थे.

एसीबी के डर से गढ़वा अंचल के अमीन ने इस्तीफा दे दिया

- गढ़वा के अंचलाधिकारी ने कहा-न जाने इस्तीफा क्यों दे दिया

संवाददाता । गढ़वा

गढ़वा अंचल में पदस्थापित अमीन कृष्णा मिस्त्री ने त्याग पत्र दे दिया है. गढ़वा एसी को दिये त्याग पत्र में अमीन ने कार्य करने में अपनी असमर्थता बताते हुए इस्तीफा दिया है. सूत्र बताते हैं कि अमीन कृष्णा मिस्त्री ने एसीबी के भय से अपने पद से इस्तीफा दे दिया. बताया जाता है कि एसीबी के लोग कृष्णा मिस्त्री से पैसे की मांग कर रहे थे. इस कारण अमीन ने इस्तीफा दे दिया. चर्चा यह भी है कि एसीबी के कुछ अधिकारीगण अमीन कृष्णा मिस्त्री को पकड़कर अपनी गाड़ी में बैठा लिये थे. इस दौरान अमीन एवं तथाकथित एसीबी के अधिकारियां के बीच पैसे के लेन-देन का डील हुआ. उसके बाद अमीन को पैसा लाने के लिए छोड़ दिया गया.

बताया जाता है कि इस घटना से डरे हुए अमीन कृष्णा मिस्त्री ने इस्तीफा दे दिया. इस संबंध में गढ़वा सीओ शफी आलम ने बताया कि अमीन कृष्णा मिस्त्री ने इस्तीफा दे दिया है. वह इस्तीफा किन कारणों से दिया है इसकी जानकारी उन्हें नहीं है. अमीन ने एसी साहब के कार्यालय में त्याग पत्र दिया है. इस संबंध में एसीबी पलामू के डीएसपी से संपर्क करने का प्रयास किया गया. परंतु संपर्क स्थापित नहीं हो सका.

उठाया सवाल राजद जिलाध्यक्ष ने अपने निष्कासन पर सवाल खड़े किए, लगाए गंभीर आरोप

निर्वाचन आयोग के साथ-साथ पटना कोर्ट भी जाऊंगा

- प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव एवं प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव के निर्देशानुसार राजद के पलामू जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा को सोमवार को पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है

संवाददाता । पलामू

राष्ट्रीय जनता दल के निवर्तमान जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा ने अपने निष्कासन पर सवाल उठाते हुए पार्टी नेताओं और पलामू लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी पार्टी उम्मीदवार ममता भुइयां पर गंभीर आरोप लगाए हैं. मंगलवार को बाइपास रोड स्थित

राजद के जिला कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि पार्टी के प्राथमिक सदस्य एवं जिलाध्यक्ष पद से हटाने से पहले वरीय नेताओं ने उनसे कोई सवाल जवाब नहीं किया और ना ही किसी तरह का स्पष्टीकरण पूछा गया. अचानक से उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया गया. यह राजद के संविधान के विरूद्ध है. इसके खिलाफ आवाज उठायी जायेगी. निर्वाचन आयोग के साथ साथ पटना हाईकोर्ट में न्याय के लिए जाने की बात कही गयी. प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव एवं प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव के निर्देशानुसार राजद के पलामू जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा को सोमवार को पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है. मोहन पर पार्टी विरोधी कार्य करने एवं गोपनीयता भंग कर पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप है.

मोहन विश्वकर्मा ने कहा कि झारखंड में लोकसभा चुनाव के हार का कारण प्रदेश अध्यक्ष हैं. इस बात को ममता भुइयां भी अच्छी तरह से जानती है. लेकिन इसलिए नहीं बोल रहीं हैं, क्योंकि उन्हें विधानसभा का टिकट चुनाव लड़ने के लिए प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दिलाने की बात है. मोहन विश्वकर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष पर यह भी आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार में कहीं भी नहीं गए हैं. चुनाव के दौरान कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव चुनाव प्रचार में आए, इसमें भी प्रदेश अध्यक्ष नहीं गए थे.

उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी बोला था कि तुम्हें इस चुनाव में हराकर दिखाउंगा. यह भी बात कही कि लोकसभा का टिकट मोहन विश्वकर्मा के द्वारा दिलायी गयी थी. कहा कि तुम तो गोबर गोइठा करने वाली महिला हो. तुम्हें कैसे टिकट मिल गया? प्रदेश अध्यक्ष ने टिकट दिलाने के नाम पर कामेश्वर बैठा से पांच लाख रूपए लिया था, लेकिन टिकट नहीं मिलने के कारण उन्हें पांच लाख रुपए लौटाने पड़े. उन्होंने कहा कि नजारत में अभी भी लोकसभा चुनाव के 55 हजार खर्च का ब्यौरा नहीं दिया गया है. ममता भुइयां इस मामले को अबतक छुपाए हुए हैं.

पेज एक का शेष

स्मृति शेष : अर्थशास्त्री-शिक्षक ही नहीं...

तुम लौटो तो अपनी दोनों किताब पर चर्चा करेंगे.

डॉ. रमेश शरण केवल एक अर्थशास्त्री और शिक्षक ही नहीं थे, बल्कि वे एक जागरूक सामाजिक चेतना के स्वर थे. झारखंड में जब कभी वंचित समूहों के हितों और अधिकारों के हनन का प्रयास किया गया, वे उठ खड़ हुए . रमेश जी संवाद में यकीन करते थे. अपने पूरे व्यक्तित्व से वे लोकतांत्रिक थे और समानता में उनका यकीन गहरा था. अपने शिष्यों के साथ भी समानता के धरातल पर ही संवाद करते थे. झारखंड गठन के बाद से यहां की नीतियां निर्धारित करने में उनके विचारों की अहम भूमिका रही है. उनसे संवाद कर शासक समूह भी अपने को धन्य मानता था, क्योंकि मंच चाहे जिसका हो, वे हाशिए के लोगों की आवाज ही बुलंद करते थे. हाशिए के लोगों की आवाज बुलंद करने के कारण ही, उन्हें देश भर में जाना जाता था. उनके विचारों में झारखंडीपन था. उनकी राय थी कि झारखंड के समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के लिए खनिजों पर मिलने वाली रॉयल्टी भार आधारित न हो कर मूल्य आधारित होनी चाहिए. वे इस बात के जबरदस्त पैरोकार थे. यह एक ऐसा विचार है, जिसका गहरा असर समाज के वंचितों को समृद्ध बनाने पर हो सकता है. हालांकि उनकी इस बात को महत्वपूर्ण मानते हुए भी अब तक जमीन पर उतारने की दिशा में सरकारें कामयाब नहीं हो सकी हैं. रमेश शरण उन लोगों में से थे, जो हाशिए के हिस्सों के विकास के लिए किसी भी समूह के साथ हाथ मिला सकते थे. बात 2004 की है, जब पलामू में एक अत्यंत वंचित क्षेत्र में कई स्कूल नक्सल समूहों ने खोला था. डॉ. रमेश शरण उस स्कूल को देखने पहुंचे गए, ताकि वे समझ सकें कि वंचना के शिकार लोगों की शिक्षा के लिए किस तरह राज्य की नीतियों को प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाया जा सकता है. और यह भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती देने की पहल मध्यमार्गी समूह अपने हाथ में ले सकता है. यह एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसके बाद से झारखंड की शिक्षा पद्धति को लेकर विमर्श तेज हुआ था. डॉ. शरण, डॉ. अमर्त्य सेन की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले शोधार्थी थे. डॉ. अमर्त्य सेन समावेशी विकास की रणनीति को भारत के लिए महत्वपूर्ण मानते थे. पिछले कुछ समय से वे दो महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखन में व्यस्त थे. दोनों किताबें अंतिम चरण में रह गयीं. उनकी एक पुस्तक झारखंड पर है, जो प्रकाशित होनी है और दूसरी किताब उन्होंने अपने कुलपतित्वकाल के अनुभवों पर केंद्रित की है. इस पुस्तक में झारखंड की उच्च शिक्षा के अनेक अनुछुए पहलुओं पर विचार किया गया है. डॉ. रमेश शरण के दर्जनों शोधपरक लेख छपे. जरूरत इस बात की है कि उन तमाम लेखों को एकत्रित कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाए, ताकि उन्हें उचित श्रद्धांजलि दी जा सके.

मणिपुर का अंतहीन इंतजार

मणिपुर का दर्द एक राष्ट्रीय दर्द है. बेहतर होगा जल्द से जल्द मणिपुर के घाव को भर दिया जाए. सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक सवालों को कानून और व्यवस्था के नजरिए से हल नहीं किया जा सकता है. यह दुनिया भर का अनुभव है. भारत सरकार को बगैर हिचक के हकीकत का सामना करते हुए मणिपुर में मैतई और कुकी समूहों के बीच उत्पन्न खायी को भर देना चाहिए. वैसे भी सीमावर्ती राज्य संवेदनशील होते हैं. विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तीसरी मणिपुर यात्रा से यह तो स्पष्ट हो गया है कि वहां दोनों समूहों के बीच समन्वय और संवेदना का सेतु निर्माण करना होगा. अब भी 60 हजार लोग राहत शिविरों में हैं. मणिपुर जैसे छोटे राज्य के लिए यह कोई मामूली संख्या नहीं है. समावेशी भारत के निर्माण के लिए यह जरूरी है कि भारत के छोटे से छोटे समुदायों की आवाज को प्रकट होने दिया जाए और उस आवाज के अनुरूप केंद्र अपनी नीतियों का निर्माण करे. मणिपुर का सवाल भारत की राजनीति में अहंकार का सवाल नहीं बनाया जाना चाहिए. संवेदना, दर्द बांटने के साथ मरहम लगाने की रणनीति पर प्रधानमंत्री को भी अमल करना चाहिए. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई बहस का राज्यसभा में जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने मणिपुर के हालात को समान्य बताया था और कहा था कि वहां दस हजार से ज्यादा प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं. लेकिन तथ्य तो यह है कि इन सबके बावजूद मणिपुर एक शीतयुद्ध जैसे हालात में हैं, जहां कुकी और मैइती दोनों ही समूहों के बीच दूरी है. भारत के तमाम राजनैतिक दलों का यह कर्तव्य है कि वह मणिपुर में स्थायी शांति की बहाली के लिए पहल करें. भारतीय जनता पार्टी को भी अपनी ही मातृ संस्था आएसएस के प्रमुख की आवाज को अनसुना नहीं करना चाहिए, जो मणिपुर को ले कर चिंता प्रकट कर चुके हैं. पूर्वोत्तर के नागरिकों के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है. अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में पूर्वोत्तर के मतदाताओं के जनादेश को गहरायी से विश्लेषित कर सकने का दायित्व केंद्र सरकार का है. ऐसा प्रतीत होता है मानो मणिपुर में शांति बहाली के सवाल को राजनीतिक अहंकार का विषय बना दिया गया है. इससे बचने की जरूरत है. देश के किसी भी हिस्से के किसी भी नागरिक समुदाय के साथ नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए. भारत के समावेशी लोकतंत्र और संविधान की यही मूल शिक्षा है. मणिपुर में पिछले महीने भी हिंसा हुई. यानी साल भर बाद भी वहां हालात सामान्य नहीं है. हजारों लोग अब भी अपने घरों से बेदखल राहत शिविरों में रह रहे हैं, लेकिन संसद में मणिपुर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस को कोसते हैं कि उसके शासनकाल में वहां राष्ट्रपति शासन लगा. उन्होंने पूर्वोत्तर में विकास के नए दावे इस बार किए. इस तथ्य को केंद्र सरकार को स्वीकार कर लेना चाहिए कि मणिपुर की राज्य सरकार राज्य में शांति की बहाली और सभी समूहों के बीच विश्वास की फिर से बहाली करने में विफल रही है. ऐसी स्थित में विपक्ष के सवालों और अपील को गंभीरता से लेने की जरूरत है.

> अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में पूर्वोत्तर के मतदाताओं के जनादेश को गहरायी से विश्लेषित कर सकने का दायित्व केंद्र सरकार का है. ऐसा प्रतीत होता है मानो मणिपुर में शांति बहाली के सवाल को राजनीतिक अहंकार का विषय बना दिया गया है.

सुभाषित

दानेन तुल्यो विधिरास्ति नान्यो लोभश्च नान्योस्ति रिपुः पृथिव्यां।
विभूषणं शीलसमं च नान्यत् सन्तोषतुल्यं धर्मास्ति नान्यः॥

दान के समान अन्य कोई अच्छा कर्म नहीं है, लोभ के समान इस पृथ्वी पर कोई अन्य शत्रु नहीं है, शील के समान कोई गहना नहीं है और सन्तोष के समान कोई धन नहीं है.

फिर एक भंवरजाल में राहुल गांधी

नरेंद्र मोदी-अमित शाह के युग में किसी नेता का विरोधी या विपक्षी भूमिका में आक्रामक तेवर के साथ टिके रहना कोई कम श्रेय की बात नहीं है. इसी साहस ने राहुल गांधी को वह छवि प्रदान की है, जिससे आज वे विपक्ष के सर्व-स्वीकार्य नेता के रूप में उभरे हैं. ना सिर्फ संसदीय विपक्षी दलों के बीच उनकी यह स्वीकार्यता है, बल्कि सार्वजनिक जीवन में वर्तमान सरकार के तौर-तरीकों और उसकी विचारधारा से असहमत तमाम लोगों में भी यह स्वीकार्यता लगातार बढ़ती गई है.

• देश-काल

सत्येंद्र रंजन

यह उन दिनों की बात है, जब राहुल गांधी मंदिर-दर-मंदिर की यात्रा कर रहे थे और उनकी एक पार्टी की प्रवक्ता ने प्रेस कांफ्रेंस में उन्हें 'जनेऊधारी ब्राह्मण' बताया था. तब खुद को पार्टी के रणनीतिकारों में से एक बताने वाले शख्स ने इस स्तंभकार की जिज्ञासा पर कहा था कि राहुल गांधी एक सुविचारित रणनीति के तहत ये यात्राएं कर रहे हैं. इस रणनीति के बारे में जानकर इस स्तंभकार ने खुद विस्मित महसूस किया था. वह कथित रणनीति यह बताई गई कि राहुल गांधी इसके जरिए भाजपा/आरएसएस की हिंदू धर्म की 'ठेकेदारी' खत्म कर देंगे. उन्होंने ध्यान दिलाया था कि राहुल गांधी खास कर शिव मंदिरों का दौरा करते हैं. बताया गया कि इसके पीछे भी एक सोच है. सोच यह है कि हिंदू धर्म के लंबे इतिहास में शैव (शिव भक्त) और वैष्णव (विष्णु भक्त) की दो धाराएं रही हैं. कई मौकों पर इन दोनों पंथों के अनुयायी एक दूसरे के खिलाफ खड़े नज़र आए हैं. तो अब रणनीति यह है कि इस विभेद पर नए सिरे से जोर डाला जाए. चूंकि भाजपा/आरएसएस ने वैष्णव धारा को आधार बनाते हुए (भगवान राम विष्णु के अवतार माने जाते हैं) हिंदू धर्म को अपनी सियासी ताकत बना लिया है, तो कांग्रेस शैव धारा की विरासत को अपनाते हुए उसकी यह ताकत खत्म कर देगी. यह स्तंभकार इस बात से उत्पन्न विस्मय-बोध से आज तक निकल नहीं पाया है.
उसके बाद से राहुल गांधी ने लंबी राजनीतिक यात्रा तय की है. विदेशी विश्वविद्यालयों में संवाद से उन्होंने अपनी बौद्धिक छवि बनाई, मोनोपॉली कॉरपोरेट घरानों को निशाने पर लेते हुए अपने को आम जन के नेता के रूप स्थापित करने की कोशिश की, भारत जोड़ो यात्रा से सांप्रदायिक सौहार्द के संदेशवाहक एवं 'मोहब्बत के दुकानदार' के रूप में सामने आए तो फिर बहुजन (मंडल+दलित) राजनीति की विरासत पर दावा ठोका. इस पूरे दौर में उनकी जो एक विशेषता कायम रही, वह है 'डरो मत' के नारे पर अपने जीवन में अमल. नरेंद्र मोदी-अमित शाह के युग में किसी नेता का विरोधी या विपक्षी भूमिका में आक्रामक तेवर के साथ टिके रहना कोई कम श्रेय की बात नहीं है. इसी साहस ने राहुल गांधी को वह छवि प्रदान की है, जिससे आज वे विपक्ष के सर्व-स्वीकार्य नेता के रूप में उभरे हैं. ना सिर्फ संसदीय विपक्षी दलों के बीच उनकी यह स्वीकार्यता है, बल्कि सार्वजनिक जीवन में वर्तमान सरकार के तौर-तरीकों और उसकी विचारधारा से असहमत तमाम लोगों में भी यह स्वीकार्यता लगातार बढ़ती गई है. ऐसा उनमें मुद्दों पर निरंतरता के अभाव के बावजूद हुआ है. बहरहाल, भले राहुल गांधी में विचार, राजनीतिक दिशा एवं मुद्दों की निरंतरता न रही हो, लेकिन उनके समर्थक उनमें एक तरह का विकास-क्रम देखते हैं. उनकी राय में यह विकासक्रम "जनेऊधारी ब्राह्मण" से "सामाजिक न्याय" के नए प्रवक्ता की दिशा में आगे बढ़ा है.
यह विकासक्रम है या नहीं, इस पर मतभेद की गुंजाइशें हैं, लेकिन इस दौर में राहुल गांधी संसदीय विपक्ष का चेहरा बने हैं, यह निर्विवाद है. इसीलिए सोमवार को लोकसभा में उनके डेढ़ घंटे से भी ज्यादा लंबा चले भाषण को सुनते वक्त अक्सर यह सवाल मन में उठता रहा कि क्या उन्होंने (और उनकी कांग्रेस पार्टी ने) फिर से शिव का साया लेकर भाजपा की जय श्रीराम की राजनीति का जवाब तैयार करने की रणनीति अपना ली है? राहुल गांधी का भगवान शिव की तस्वीर लेकर सदन में आना, भाषण के दौरान उस तस्वीर को बार-बार दिखाना और यहां तक कि शिव की अभयमुद्रा को कांग्रेस के चुनाव निशान से संबंधित बता देना न सिर्फ कौतुहल पैदा करता रहा, बल्कि एक तरह की व्यग्रता का स्रोत भी बना. प्रश्न है कि अगर यह कांग्रेस की केंद्रीय रणनीति है, तो इसके जरिए वह कहां पहुंचेगी? क्या सचमुच कांग्रेस के रणनीतिकार यह समझते हैं कि बेहतर हिंदू होने का दावा कर कांग्रेस नेता भाजपा/आरएसएस समर्थन आधार को खत्म कर सकते हैं? अगर यह समझ हो, तो बेशक यह कहा जाएगा कि 2024 के जनादेश के स्वरूप को समझने में कांग्रेस के रणनीतिकारों ने भारी गलती की है. ठीक उसी तरह जैसे भाजपा नेतृत्व जानबूझ कर या अनजाने में जनादेश के स्वरूप और संदेश को स्वीकार करने से इनकार कर रहा है. यह जनादेश किसी भावानात्मक मुद्दे से निर्मित नहीं हुआ. बल्कि भावनात्मक मुद्दों के बने रहने के बावजूद हुआ. चुनाव पूर्व और चुनाव उपरांत सर्वेक्षणों से स्पष्ट है कि जिन दो शब्दों ने भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया, वे महंगाई और बेरोजगारी हैं. नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकताओं और आर्थिक नीतियों ने देश की बहुसंख्यक आबादी के लिए रोजमर्रा की कठिनाइयों एवं अवसरहीनता की स्थिति में लगातार वृद्धि की है. उसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ा. खुद राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेता यह मानते हैं कि मोदी शासनकाल में संविधान के लिए पैदा हुए कथित खतरे से आशंकित मतदाताओं ने भाजपा के पर कुतरे. हालांकि संविधान को कथित खतरा या उसकी रक्षा भी एक तरह का भावनात्मक और भावात्मक प्रश्न ही है, इसके बावजूद यह संभव है कि समाज के कुछ तबकों में चुनाव के दौरान यह एक प्रभावी मुद्दा बना हो. तो क्या सही रणनीति इन प्रश्नों को चर्चा के केंद्र में बनाए रखना नहीं होगी? राहुल गांधी एवं अन्य विपक्षी नेताओं के लिए बिना मांगे, लेकिन एक उचित सलाह यह होगी कि अपने भाषणों को वे दोबारा ध्यान से सुनें. उनमें वे यह ढूंढने का प्रयास करें कि क्या महंगाई, बेरोजगारी और संविधान की रक्षा को उन्होंने अपने भाषण के केंद्र में रखा? संकेत साफ हैः बीच का रास्ता टिकाऊ नहीं रह गया है. भविष्य सिर्फ उन्हीं सियासी ताकतों का है, जो उपरोक्त गोलबंदियों में किसी एक की नुमाइंदा हैं. वैसे दीर्घकालिक भविष्य तो सिर्फ रोजी-रोटी के प्रश्नों का जवाब ढूंढ सकने में सक्षम और उन पर अपनी राजनीति को केंद्रित करने वाली ताकतों का ही होगा. राहुल गांधी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपना कैसा भविष्य करना चाहते हैं, यह खुद उनको ही तय करना है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

विनम्रता बनाम अहंकार

विनम्रता और अहंकार परस्पर विरोधी हैं. एक पूरब की ओर जाता है तो दूसरा पश्चिम की ओर. विनम्रता आपके आंतरिक प्रेम की शक्ति से आती है. दूसरों को सहयोग व सहायता का भाव ही आपको विनम्र बनाता है. यह कहना गलत है कि यदि आप विनम्र बनेंगे तो दूसरे आपका अनुचित लाभ उठाएंगे. जबकि यथार्थ स्वरूप में विनम्रता आपमें गज़ब का धैर्य पैदा करती है. आपमें सोचने समझने की क्षमता का विकास करती है. विनम्र व्यक्तित्व का एक प्रचंड आभामंडल होता है. धूर्तों के मनोबल उस आभा से स्वयं परास्त हो जाते हैं. उल्टे जो विमम्र नहीं होते, वे आसानी से प्रभावित हो जाते हैं, क्योंकि धूर्त को तो मात्र मीठी बातों से उसका अहं सहलाना भर होता है. अहंकार यहां परास्त हो जाता है. किन्तु जहां विनम्रता होती है, वहां तो सत्य की अथाह शक्ति भी होती है, जो मनोबल प्रदान करती है. विनम्रता के प्रति समर्पित आस्था जरूरी है. मात्र दिखावे की विनम्रता असफ़ल ही होती है. 'पहले विन्रमता से निवेदन करूंगा यदि काम न हुआ तो भृकुटि टेढ़ी करूंगा' यह चतुरता विनम्रता के प्रति अनास्था है, छिपा हुआ अहं भी है. कार्य पूर्व ही अविश्वास तथा अहं का मिश्रण असफलता ही न्योतता है. सम्यक् विनम्र व्यक्ति, विनम्रता को झुकने के भावार्थ में नहीं लेता. सच्चाई उसका पथप्रदर्शन करती है. निश्छलता उसे दृढ व्यक्तित्व प्रदान करती है. अहंकार आपसे दूसरों की आलोचना करवाता है. वह आपको आलोचना-प्रतिआलोचना के एक प्रतिशोध जाल में फंसाता है. अहंकार आपकी बुद्धि को कुंठित कर देता है. आपके जिम्मेदार व्यक्तित्व को संदेहयुक्त बना देता है. अहंकारी दूसरों की मुश्किलों के लिए उन्हें ही जिम्मेवार कहता है और उनकी गलतियों पर हंसता है. अपनी मुश्किलों के लिए सदैव दूसरों को जवाबदार ठहराता है और लोगों से द्वेष रखता है. विनम्रता हृदय को विशाल, स्वच्छ और ईमानदार बनाती है. यह आपको सहज सम्बंध स्थापित करने के योग्य बनाती है. विनम्रता न केवल दूसरों का दिल जीतने में कामयाब होती है अपितु आपको अपना ही दिल जीतने के योग्य बना देती है. आपके आत्म-गौरव और आत्म-बल में उर्जा का अनवरत संचार करती है. आपकी भावनाओं के द्वन्द समाप्त हो जाते है, साथ ही व्याकुलता और कठिनाइयां स्वतः दूर होती चली जाती है. एक मात्र विनम्रता से सन्तुष्टि, प्रेम, और साकारात्मकता आपके व्यक्तित्व के स्थायी गुण बन जाते है. इसके विपरीत अहंकार मनुष्य को उन्मत्त बनाता है और उसकी सम्यक् दृष्टि छीन लेता है. संघर्ष की राह पर ले जाकर अंहकार मनुष्य के अधोपतन का कारण बनता है.

वैश्विक शक्ति केंद्रों के साथ भारत के संबंध

• सामयिकी

जी. पार्थसारथी

जहां भारत में आम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार स्थापित हुई है, वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव अभियान ने समूची राजनीतिक प्रक्रिया और कार्यविधि में भ्रम और दुविधा पैदा की है. राष्ट्रपति बाइडेन और उनके प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के बीच रंजिश पुरानी है, पिछली बार बाइडेन ने ट्रंप को मात जो दी थी. दुनिया ने देखा कि किस तरह बाइडेन अपने गिरते स्वास्थ्य के कारण कतई फिट नहीं हैं, टेलीविजन पर प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के साथ दिखाई गई रिवायती राष्ट्रव्यापी बहस के दौरान भी उनके दवा लेने पर सबने गौर किया. अपने राष्ट्रपति की सेहत को लेकर अमेरिकी चिंतित हैं. आगामी राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय की तटस्थता पर भी सवाल उठ रहे हैं. मौजूदा संकेतों के अनुसार हाल-फिलहाल बाइडेन की जीत की संभावना कम है. जो भी है, बाइडेन के विदेशमंत्री जोसेफ ब्लिंकन और एनएसए जेक सुलिवन के अपने समकक्षों एस. जयशंकर और अजीत डोभाल के साथ संबंध अच्छे हैं. भारत-अमेरिका के बीच सुचारु कामकाज में, इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है. भारत के नवनियुक्त विदेश सचिव विक्रम मिसरी अमेरिका और चीन में भारत की ओर से काम कर चुके हैं, लिहाजा दोनों से कौशलपूर्वक बरतने में वे पूरी तरह योग्य हैं. स्पष्ट है कि भारत की नीतियों का ध्यान मुख्य रूप से अपने पड़ोसी देश, खासकर पूरबी दिशा में मलक्का की खाड़ी के देशों से लेकर होरमुज़ की खाड़ी के तेल संपन्न अरब राष्ट्रों से रिश्ते मजबूत और शांतिप्रिय रखने पर रहेगा. सर्वविदित है कि ट्रंप का प्रधानमंत्री मोदी के साथ निजी राब्ता बहुत बढ़िया है, लेकिन बाइडेन के बारे में यह नहीं कहा जा सकता. जाहिर है भारत में मानवाधिकारों की चिंता को लेकर हालिया अमेरिकी बयानों के पीछे बाइडेन पूरी तरह जिम्मेवार थे. कोई हैरानी नहीं, प्रधानमंत्री मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलने मास्को जाएंगे, जो न केवल भारत के प्रति दोस्ताना रवैया रखते हैं, बल्कि मददगार भी हैं. बहरहाल, भारत-अमेरिका के बीच मतभेदों के बावजूद, हमारे रिश्ते वक्त के साथ मजबूत हुए हैं. ऐसे ही यूके के दोनों दलों, लेबर और कंजर्वेटिव के साथ मधुर संबंध बने हुए हैं. यूरोप के विषय में यही दृश्य है, फ्रांस और जर्मनी, दोनों भारत से संबंध सुधारने के इच्छुक हैं. फ्रांस भारत को अनेकानेक किस्म के हथियार देने में एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता रहा है. जिसके अंतर्गत मिराज 2000 लेकर अग्रिम श्रेणी के राफेल लड़ाकू जहाज हमें मिले हैं. भारत ने 36 राफेल जेट पाने हैं, और 26 और खरीदने के वास्ते सौदे पर बातचीत जारी है. यह पनडुब्बियों के आयात के अलावा है. बहरहाल, ध्यान रखना होगा कि भारत अमेरिका के साथ अपने बढ़ते संबंधों के परिप्रेक्ष्य में, अन्य वैश्विक शक्ति केंद्रों के साथ संबंध किस किस्म के रख पाएगा. विश्वभर के देशों से साथ रिश्तों में, भारत की प्रतिक्रिया चीन की बढ़ती ताकत के संदर्भ में क्या होगी, यह भी ध्यान का अन्य बिंदु होगा. यह बात भारत के अड़ोस-पड़ोस यानी मल्लका की खाड़ी से लेकर होरमुज़ की खाड़ी के खित्ते पर अधिक लागू है. इस इलाके में चीन द्वारा अपनी शक्ति बढ़ाने का मंतव्य भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों को प्रभावित करने के इरादे से भी है. यूरोपियन यूनियन भले ही सहयोग की दृष्टि से चीन को बतौर साझेदार ले रही है. लेकिन वह चीन को खतरनाक प्रतिद्वंद्वी की तरह भी देख रही है. दरअसल, चीन की नीतियां यूरोपियन यूनियन के साथ व्यापारिक संबंधों में असंतुलन बना रही हैं. चीन और रूस के बीच बढ़ती निकटता को लेकर भी यूरोपियन यूनियन की चिंता साफ दिखाई देती है. रक्षा मामलों में यूरोपियन देश अमेरिका के बतौर कनिष्ठ सहयोगी बने रहते हैं, इस बात की संभावना कम है कि वे चीन की आक्रामकता के सामने टिकने वाली किसी विदेशी शक्ति का साथ या उसकी मदद करेंगे, जब तक कि अमेरिका उनकी पीठ पर हाथ न रखे.यदि अमेरिका की मदद न हो तो चीन की आक्रामकता का सामना कर रहे एशियाई देशों को यूरोपियन यूनियन से मदद की आस एक प्रकार से शून्य है, खासतौर पर जब नौबत चीन के साथ लड़ाई की बने. सनद रहे कि चीन के इलाकाई दावों से बने दबाव को झेल रहे फिलीपींस को भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलें दी हैं. लेकिन बात जब चीन के साथ अपनी सीमाओं पर तनाव और अनिश्चितता की आए तो भारत अपनी चौकसी में कमी लाना गवारा नहीं कर सकता. इस्राइल-फलस्तीनी युद्ध शुरू के बाद से भारतीय नौसेना की भूमिका पर अब अंतरराष्ट्रीय दिलचस्पी साफ तौर पर दिखाई दे रही है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> बहरहाल, भारत-अमेरिका के बीच मतभेदों के बावजूद, हमारे रिश्ते वक्त के साथ मजबूत हुए हैं. ऐसे ही यूके के दोनों दलों, लेबर और कंजर्वेटिव के साथ मधुर संबंध बने हुए हैं. यूरोप के विषय में यही दृश्य है, फ्रांस और जर्मनी, दोनों भारत से संबंध सुधारने के इच्छुक हैं. फ्रांस भारत को अनेकानेक किस्म के हथियार देने में एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता रहा है.

कार्यप्रणाली में सुधार के लिए एक चार्टर

• विमर्श

करण थापर

अब जब हमने 18वीं लोकसभा चुन ली है, तो दो बुनियादी सवाल उठाने का समय आ गया है. पहला, क्या लोकसभा हमारी उम्मीदों पर खरी उतर रही है? दूसरा, विपक्ष को यह विश्वास दिलाने के लिए किन परिवर्तनों की आवश्यकता है कि भारतीय लोगों की आवाज़- न कि केवल सत्तारूढ़ दलों की- को समय दिया जाता है और इसलिए, पर्याप्त रूप से सुना जाता है? पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च द्वारा प्रकाशित तथ्यों से पता चलता है कि 17वीं लोकसभा ने केवल 1,354 घंटे काम किया. यह 16वीं के 1,615 घंटों से भी कम है, जो पहले से ही सभी पूर्ण-कालिक लोकसभाओं के औसत से 40% कम था. दरअसल, इसके 15 में से 11 सत्र समय से पहले ही स्थगित कर दिये गये. और केवल 274 बैठकों के साथ, 17वीं में सभी पूर्णकालिक लोकसभाओं में से सबसे कम बैठकें हुईं. इसकी तुलना में, पहली लोकसभा साल में 135 दिन बैठती थी. 17वीं केवल 55 दिन ही बैठ सकी. इससे कानून को संभालने के तरीके पर स्पष्ट रूप से असर पड़ा. अधिकतर विधेयक उनके पेश होने के दो सप्ताह के भीतर पारित हो गये, लेकिन 35% विधेयक एक घंटे से भी कम चर्चा के बाद पारित हो गये. और केवल 16% को जांच के लिए संसदीय समितियों के पास भेजा गया. यह पिछली तीन लोकसभाओं से कम है. इसलिए, न केवल लोकसभा द्वारा काम पर बिताये जाने वाले घंटे कम हो रहे हैं, बल्कि उसके भीतर, कानून की सार्थक जांच और बहस करने की इसकी क्षमता भी कम हो रही है. चूंकि यह लोकसभा के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है, हम बिना किसी हिचकिचाहट के यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि यह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही है. उपाय सरल और सीधा है- लोकसभा को प्रत्येक वर्ष निश्चित न्यूनतम दिनों के लिए बैठना चाहिए और सभी विधेयकों को पारित होने से पहले विस्तृत जांच के लिए संसदीय समितियों को भेजा जाना चाहिए. लोकसभा का दूसरा-समान रूप से महत्वपूर्ण-कार्य सरकार को जवाबदेह ठहराना है. यहीं पर विपक्ष का दावा है कि उसकी आवाज नहीं सुनी जा रही है, इस पर ध्यान देने की जरूरत है. जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक सरकार से सार्थक सवाल नहीं उठाये जायेंगे और चुनौती नहीं दी जायेगी, तो हम इसे कैसे हासिल करेंगे? एक स्पष्ट समाधान हाउस ऑफ कॉमन्स (इंग्लैंड) के अभ्यास को अनुकूलित करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक सत्र में निश्चित दिनों में एजेंडा विपक्ष द्वारा तय किया जाये. ब्रिटेन में इन्हें 'विपक्षी दिवस' कहा जाता है और प्रत्येक संसदीय सत्र में ये 20 दिन होते हैं. प्रमुख विपक्षी दल के लिए सत्रह और दूसरे सबसे बड़े दल के लिए तीन. एक दूसरी ब्रिटिश प्रथा, जिसे हम अपना सकते हैं वह है- प्रधानमंत्री के प्रश्न. यह प्रत्येक सप्ताह एक निश्चित दिन पर एक समर्पित आधा घंटा है, जब प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता द्वारा पूछे गये कम से कम आधा दर्जन प्रश्नों सहित, विपरीत पीठों के प्रश्नों का उत्तर देते हैं. पीएमक्यू, जैसा कि इसे यूके में कहा जाता है, की स्पष्ट अपील है. यह नाटक का एक क्षण है, जो या तो पीएम और एलओपी को उनके सबसे अच्छे रूप में प्रदर्शित कर सकता है या उन्हें कमजोर, बेख़बर और अप्रभावी के रूप में दिखा सकता है. यह देश के बाकी हिस्सों के लिए भी यह देखने और परखने का एक मौका है कि उनके नेता कैसा प्रदर्शन करते हैं. संक्षेप में, यह इस बात का प्रमाण देता है कि लोकतंत्र चल रहा है या लड़खड़ा रहा है. यदि इन्हें अपनाया जाता है तो संसद के अधिवेशनों के प्रति विश्वास बढ़ेगा. वे विपक्ष को उनके वास्तविक योगदान की भावना के साथ हिस्सेदारी देंगे और वे भारतीय जनता को विश्वास दिलायेंगे कि विभिन्न विचारों और तर्कों का प्रचार और चर्चा की जा रही है. अंत में, यदि विश्वास के लुप्त तत्व को वास्तव में सुनिश्चित करना है, तो हमें अध्यक्ष की स्थिति पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है. जो भी चुना जाये, उसे तुरंत अपनी पार्टी से इस्तीफा देना होगा. केवल तभी हम विश्वास कर सकते हैं कि व्यक्ति निष्पक्ष और गैर-पक्षपातपूर्ण है. और यदि वह अगली लोकसभा के लिए बने रहना चाहते हैं, तो उनका चुनाव निर्विरोध होना चाहिए. बेशक, अभी भी बहुत कुछ अध्यक्ष के चरित्र और व्यवहार पर निर्भर करेगा, लेकिन स्पष्ट कमज़ोरियों को दूर किया जाना चाहिए. ये स्पष्ट उपाय हैं, लेकिन ये तभी होंगे, जब सरकार इन्हें स्वीकार करेगी. अपने आप में, विपक्ष सिर्फ सिफारिश कर सकता है, जैसा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में किया गया था.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> लोकसभा का दूसरा समान रूप से महत्वपूर्ण कार्य सरकार को जवाबदेह ठहराना है. यहीं पर विपक्ष का दावा है कि उसकी आवाज नहीं सुनी जा रही है, इस पर ध्यान देने की जरूरत है. जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक सरकार से सार्थक सवाल नहीं उठाये जायेंगे और चुनौती नहीं दी जायेगी, तो हम इसे कैसे हासिल करेंगे?

मीडिया में अन्यत्र

फ्रांस में वामपंथ का पुनरोदय

फ्रांस के न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) ने चुनाव में अकेले सबसे बड़े समूह के रूप में उभर कर चुनाव पर नजर रखनेवालों को चौंका दिया है. समाजवादियों, साम्यवादियों, पारिस्थितिकीविदों और कट्टर-वामपंथी फ्रांस अनबाउड से मिलकर बने इस गठबंधन ने यूरोपीय संसद के चुनावों के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा पिछले महीने आहूत समय-पूर्व चुनाव में 182 सीटें हासिल कीं. इस तरह वह मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन और उसकी 168 सीटों से आगे है. तीसरे स्थान पर मरिन ले पेन की धुर-दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली और उसके सहयोगी रहे. यह उनके समर्थकों के लिए चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्हें यूरोपीय संसद के चुनाव वाला अपना विजयी प्रदर्शन दोहराये जाने की उम्मीद थी. हालांकि, उनकी 143 सीटों ने 2022 में मिली 89 सीटों के मुकाबले उन्हें काफी आगे रखा. वामपंथी और दक्षिणपंथी इन नतीजों में जश्न मनाने की वजह मौजूद होने का दावा कर सकते हैं, लेकिन इस बार जनता ने जिसे सचमुच चोट दी है, वह है मध्यमार्ग और फ्रांस में राजनीतिक व आर्थिक प्रगति के लिए मैक्रों से जुड़ी उम्मीदें. यह देखते हुए कि कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत के लिए जरूरी न्यूनतम 289 सीटों तक नहीं पहुंच पायी है, फ्रांस में अब राजनीतिक अनिश्चितता जारी रहने के आसार लगते हैं. यह वही परिदृश्य है, जिससे बचने की कोशिश में मैक्रो ने तय समय से तीन साल पहले चुनाव कराने का जुआ खेला.पूरी यूरोपीय राजनीति में दक्षिणपंथ के उदय को लेकर मुख्यधारा की चिंता फ्रांस की इस मौजूदा गुत्थी के केंद्र में है. ले पेन के पिता ज्यां-मारी ले पेन, जो होलोकॉस्ट (यहूदी नरसंहार) से इनकार करते थे और प्रवासन पर भी अतिवादी नजरिया रखते थे, द्वारा स्थापित नेशनल रैली को कभी 'अव्यवहार्य राजनीतिक विकल्प' समझा जाता था. अब 28 वर्षीय अध्यक्ष जॉर्डन बारदेला की अगुवाई में यह पार्टी अपनी सार्वजनिक छवि बदलने की सक्रियतापूर्वक कोशिश कर रही है, भले ही व्यापक मतदाता स्वीकार्यता के लिए उसे प्रवासन, अल्पसंख्यकों, धर्म और रोजगार के सवालों पर अपना रुख नरम करने की जरूरत पड़ रही हो. व्यापक क्षेत्रीय प्रतिमान (जिसकी अनुगूंज चुनाव के माध्यम से प्रतिध्वनित हुई) यह है कि यूरोपीय राजनीतिक दक्षिणपंथ इसी तरह से नीदरलैंड, इटली और फिनलैंड जैसों देशों में एक हद तक स्वीकार्यता पा रहा है. और इन व अन्य मामलों में, उन्हें 'धुर-दक्षिणपंथी' ठहराना अपेक्षाकृत उलझाऊ काम हो गया है, क्योंकि उनकी नीतियां बार-बार बदलती रहती हैं और पूरे क्षेत्र में काफी विविधता रखती हैं. फ्रांस में, नेशनल रैली ने आप्रवासन पर अपने नजरिए की तुलना में देश में गुजर-बसर के खर्च पर मैक्रों को लगातार चुनौती देकर उतने ही या उससे ज्यादा वोट हासिल किये हो सकते हैं.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

पिंड/ पिंडा

मोहन बुरी तरह फंस चुका है, अब मोनिका से पिंड छुड़ाना उसके लिए आसान नहीं है. सूर्य एक बहुत बड़ा उल्का पिंड है. वह पूर्वजों को पिंड दान करने के लिए गया चला गया. इन वाक्यों में पिंड शब्द का तीन बार प्रयोग दिख रहा है और तीनों बार इसका अर्थ एक जैसा नहीं है. इसका मतलब है पिंड अनेकार्थक शब्द है.पिंड संस्कृत मूल का तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. विभिन्न शब्दकोशों के अनुसार पिंड का मतलब है घनी या ठोस चीज का गोलाकांर खंड या टुकड़ा. बड़े रूप में ग्रहों और नक्षत्रों को पिंड कहा जाता है. छोटे रूप में पिंड जौ के आटे, भात, तिल और घी को मिला कर बनाये गये उस गोलाकार खंड को कहा जाता है, जिससे अंत्येष्टि तथा श्राद्ध में पितरों को प्रदान करने के उद्देश्य से वेदी आदि पर रखा जाता है. पूर्वज पूजा की प्रथा विश्व के अन्य देशों की भांति हमारे देश में भी बहुत प्राचीन है. यह प्रथा यहां वैदिक काल से प्रचलित रही है. विभिन्न देवी देवताओं को सम्बोधित वैदिक ऋचाओं में से अनेक पितरों तथा मृत्यु की प्रशस्ति गाई गई हैं. पितरों का आह्वान किया जाता है कि वे पूजकों (वंशजों) को धन, समृद्धि एवं शक्ति प्रदान करें. पिंड का मतलब शरीर, देह और पीछा भी होता है. इससे बने कई मुहावरे प्रचलित हैं. जेसे पिंड छोड़ना यानी किसी को तंग करने की प्रवृत्ति का त्याग करना. पिंड न छोड़ना यानी लगातार साथ लगे रहना. पिंड पड़ना यानी बहुत अधिक आग्रह करना, पिंड छुड़ाना यानी पीछा छुड़ाना, छुटकारा पाना. इससे बना शब्द है पिंडज, जिसका मतलब है पिंड के रूप में उत्पन्न होनेवाला जीव, गर्भ से सजीव उत्पन्न होनेवाला जीव, जरायुज, अंडज और स्वेदज से भिन्न जीव जैसे मनुष्य, कुत्ता घोड़ा आदि. आपने पितरों को पिंडा देने की बात तो सुनी होगी, लेकिन पिंडा का मतलब शरीर, गोलमटोल टुकड़ा, वंशपत्री, एक प्रकार की कस्तूरी और फौलाद भी है.

नेताओं को नहीं डराती यह महंगाई डाइन

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

महंगाई ऐसी डाइन होती है जो सबसे ज्यादा गरीबों, किसानों और मजदूरों का ही शिकार करती है. बड़े लोगों, खासकर नेता की ओर यह देखती ही नहीं. ऐसी स्थिति में यह चाहें जितना तांडव मचाये बड़े लोग चैन से सोते रहते हैं. वहीं दूसरी ओर छोटे लोगों की रातों की नींद तक हराम हो जाती है. एक तरीके से कोहराम मच जाता है. नेताजी ने जब सुना कि लोग कह रहे हैं कि महंगाई आसमान छू रही है. आम लोग त्रस्त हैं. तो नेताजी ने अपने पर्सनल एडवाइजर (पीए) से पूछा कि आखिर ये आम लोग कौन हैं? और ये लोग क्यों त्रस्त हैं? सुना है कि कहीं-कहीं विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं. पीए बोला, आप काहे को टेंसन ले रहे हैं. इसमें आपके विरोधियों की मिली भगत है. आपकी तरक्की हजम नहीं कर पा रहे हैं. नेताजी ने कहा कि हमारी तथा हमारे भाई लोग की तरक्की पर विरोधी हल्ला-गुल्ला करते हैं तो बात समझ में आती है. क्योंकि तरक्की का अवसर उनके हाथ में नहीं होता. लेकिन भूल जाते हैं कि उन्हें भी यह अवसर मिला था और उन्होंने भी यथा-शक्ति तरक्की की और आज नहीं तो कल फिर अवसर मिलेगा ही. कितने ही लोग बाहर से आये और गए. सबने अपनी तरक्की की. फिर भी भारत आज भी वैसे ही है और हम सब तो भारत की सन्तान हैं तो हमें भी महान बनने का पूरा अधिकार है. पीए बोला, आलोचना तो सबकी होती है. लोग भगवान तक की आलोचना करते हैं. खैर आज आपके पास क्या नहीं है? मान है, शान है (भले ही ईमान नहीं है). नाम है, दाम है घर में भी और बाहर भी. पीए आगे बोला कि रही आम आदमी के त्रस्त होने की बात तो इसमें आपका कोई दोष नहीं है, क्योंकि आम आदमी जन्म से ही त्रस्त होता है. ये वे लोग हैं जो जीवन भर त्रस्त रहते हैं और त्रस्त रहते-रहते ही मर जाते हैं . इतना ही नहीं आम आदमी के बाप-दादा भी त्रस्त थे. और उनके समय में आप नहीं आपके पिता नेता थे. उन्होंने भी इनके बारे में कभी नहीं सोचा था. न ही समझे थे कि ये कौन हैं और क्यों त्रस्त हैं? दरअसल इन लोगों के बारे में सोचना ही नहीं चाहिये. इनका तन, मन और सोच सब कुंठित है. सिर्फ त्रस्त होने के अलावा ये न कुछ होते हैं और न ही कुछ जानते हैं. आप आसमान छुएं चाहे महंगाई (वैसे ये दोनों चीजें साथ-साथ होती हैं) ये त्रस्त होंगे. क्योंकि इन्हें ऊंचाई से नफरत है. इनका धन, मन, खान-पान, रहन-सहन, घर और सोच कुछ भी तो ऊंचा नहीं होता. आपको ऊँचाई प्रिय है. यह आपका ही प्रताप है कि छोटी सी दिखने वाली प्याज भी आसमान की ऊंचाई छू लेती है. टमाटर, मटर, दाल, चीनी, मतलब खाने-पीने की सब चीजें ऊंची हो जाती हैं. डीजल और पेट्रोल भी नई ऊंचाई को प्राप्त हैं तथा आपकी कृपा से सभी चीजें अभी और ऊंचाई को प्राप्त होंगी. ऐसे में जिसे ऊंचाई से नफरत है, वह त्रस्त नहीं तो और क्या होगा? अतः आप और आपके सहयोगी यथावत तरक्की करते रहें.

Her Story

भूतिया कहानियां हम सब अपने बालपन से सुनते आए हैं. माने या ना मानें, पर इन कहानियों के रोमांच से इंकार नहीं कर पाते. डर में भी आनंद का अनुभव होता है. यही कारण है कि ऐसी कहानियां बेस्ट सेलर बनती हैं, टीआरपी, लाइट, कमेंट्स बटोरती हैं. आइए, आज कुछ ऐसी ही कहानियां पढ़ें, हालांकि स्पष्ट कर दें कि हम भूत-प्रेत का समर्थन कदापि नहीं करते.

चांदनी रात, पीपल का पेड़, सफेद साड़ी, पायल की छम-छम...

श्श्श्श... कोई है

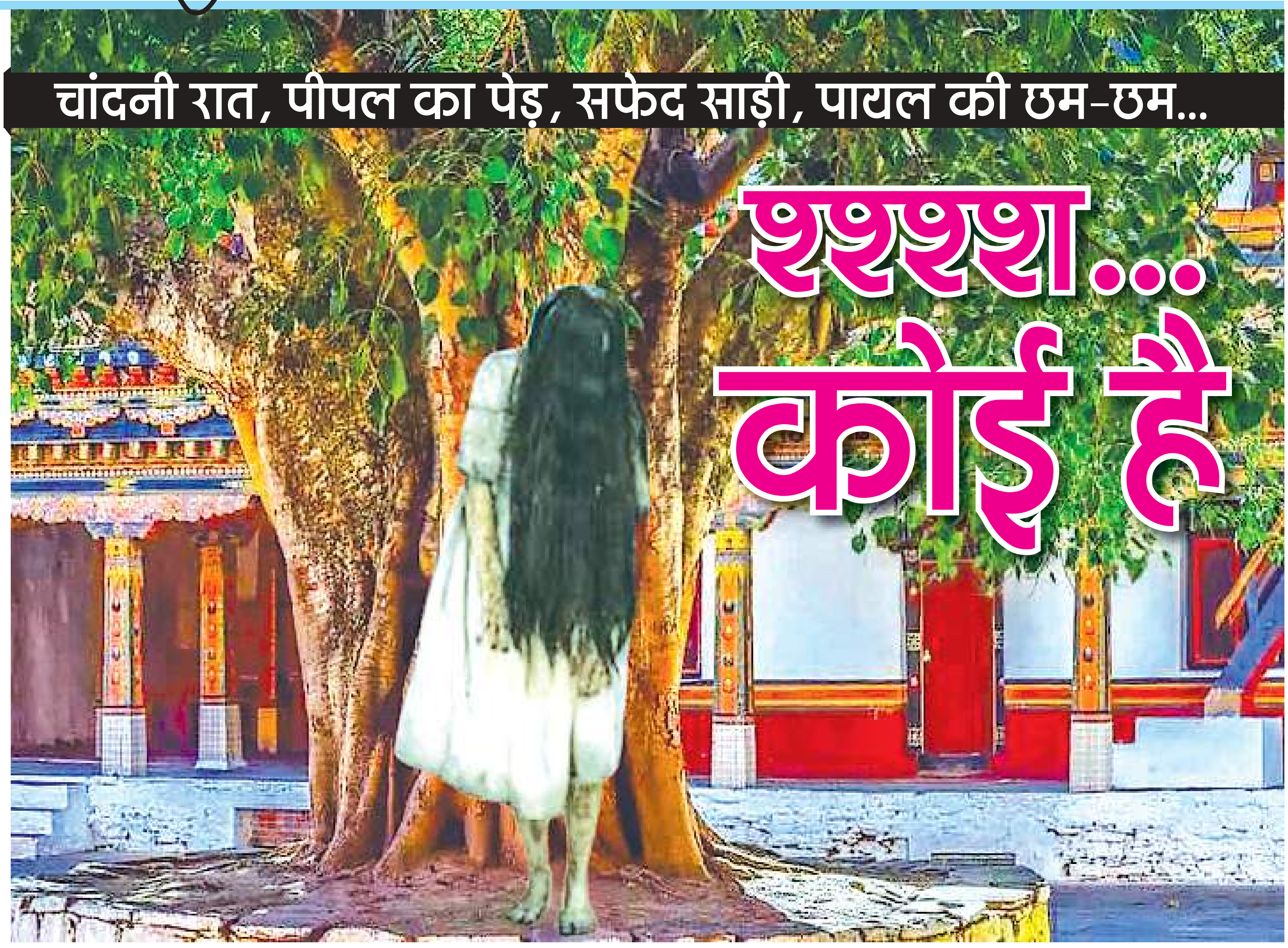

भरी दोपहरी का सन्नाटा में सुंदर साड़ी पहनी भूतनी

अनिता महतो

एक बार की बात है जेठ की भरी दोपहरी में रिश्तेदार के यहां जाना हुआ. पूरे रास्ते घुप्प सन्नाटा था. राह में कभी कभार कोई मोटरसाइकिल वाला मिल जाता था. मैं रास्ते भर इस सन्नाटे पर झल्लाती रही कि ऐसी जगहों पर पता नहीं किसने रिश्तेदारी जोड़ी थी, गांव की पगडंडियों से होकर गुजर ही रही थी रास्ते में गाड़ी खराब हो गई. पति ने मनचाही मजदूरी देने का वादा कर मेकेनिक बुलाया. मेकेनिक आने में देरी थी तो मैंने सोचा गांव की हरियाली का आनंद लिया जाए, और भरी गर्मी से राहत के लिए बैठने की जगह तलाशने लगी. अनायास ही एक हरे भरे विशाल बरगद के पेड़ ने मेरा ध्यान खींचा और मैं उसकी छाया में बैठ गई. उस पेड़ के नीचे एक अजीब सा सुकून था. ठंडक थी. कभी कभी भय सा महसूस होता था. एसी से भी अधिक ठंडक के कारण मैं सिहर सी गई. तभी बिरले ही पार हो स्थानीय राहगीर मुझे अजीब सी निगाहों से देखने लगे.

खैर, मैकेनिक गाड़ी बना चुका था और पतिदेव गाड़ी नजदीक ले आए. मैं गाड़ी पर बैठी और हम दोनों अपने रिश्तेदार के यहां पहुंचे. उनके घर पहुंचते ही मेजबानी शुरू हो गई. बातों ही बातों में मैंने उनके सामने बरगद के पेड़ की चर्चा की. मेरे रिश्तेदार मुझपर गुस्सा करने लगे कि आखिर तुम वहां गई ही क्यों थी? तुम्हें पता नहीं कि उसमें कीचिन (महिला प्रेत) रहती है, वो किसी को अपने नजदीक आने नहीं देती. पता है आज तो दोपहर में कुछ लोगों ने उसे अपनी आंखों देखा है, सुना है आज सुन्दर साड़ी पहनकर बैठी थी. उसे देख सब दुम दबाकर भागे. किसी कि उधर मुंह करके देखने की हिम्मत नहीं हुई.

मैं मुस्कुरा कर उनकी बातें सुनती गई. अब उन्हें किस मुंह से बताती कि अनजाने में मैं ही दोपहर में वहां बैठी थी.

आग की लौ के साथ चल रहा था सफेद चादर वाला वह भूत

डॉ रजनी शर्मा 'चंदा'

उस वक्त की बात है जब मेरी नई-नई शादी हुई थी और गर्मियों के दिन थे. बाढ़ (बिहार) में जहां मेरा ससुराल है उसके एकदम बगल में कब्रिस्तान है. रात में मुझे उस ओर देखने में भी डर लगता था. बिहार में पड़ने वाली भीषण गर्मी और उस पर बिजली का बार-बार जाना....समझा जा सकता है कि एक नई बहू की क्या हालत होती होगी. रात में गरमी अपनी चरम अवस्था पर थी और तभी लाइन कट गई. धीरे-धीरे करके घर के सभी लोग छत पर सोने चले गए. यहां तक कि मेरे पतिदेव भी छत पर सोने चले गए. अब इतने भरे-पूरे घर में नीचे केवल मैं ही सोई थी. अकेले सोने के कारण मुझे थोड़ा डर भी लग रहा था. रात में हल्की नींद आई थी कि अचानक प्यास से नींद टूट गई. मैंने देखा कि लोटा में रखा पानी भी खत्म हो चुका है. रसोई घर जहां बाल्टी में पानी रखा था उसे लेने आंगन पार करके जाना पड़ता था. मैं डरते-डरते लोटा लेकर रसोई घर में गई. लौटते वक्त बाहर कब्रिस्तान की ओर से कुछ खरखराने की आवाज आई और मैं तेजी से घर के अंदर की ओर लपक कर जाने लगी. इतने में क्या देखती हूं कि आंगन में कोई सफेद रंग की चादर में लिपटा हुआ आग की लौ के साथ चला जा रहा है. मैं डर के मारे थर-थर कांपने लगी और मेरे मुंह से आवाज तक नहीं निकल रही थी. घबराहट के मारे मेरे हाथ से लोटा गिर पड़ा और जब दोबारा नजरें उठाकर चारों ओर देखी तो वहां कोई नहीं नजर आ रहा था. डर के मारे मेरी घिग्घी बंध गई और मैं वहीं बेसुध हो कर बैठ गई. लोटा गिरने की आवाज से छत पर से मेरे पति और कुछ लोग दौड़कर मेरे पास आए. मेरे मुंह से बिल्कुल भी आवाज नहीं निकल रही थी. मैं बस आंगन की ओर उंगली दिखाकर भूत-भूत बोल रही थी. इन्होंने मुझे पानी पिलाया और पूछा कि क्या हुआ मैंने रोते-रोते बताया कि एक सफेद चादर में भूत आग की लौ पकड़ कर आंगन की ओर से सामने वाले कमरे में गया है. मेरी सासू मां मुझे पकड़ कर बैठी रहीं और पतिदेव मैंने जिधर इशारा किया उधर लालटेन लेकर देखने गए. उधर सामने के कमरे में उन्होंने देखा कि उनकी भतीजी सफेद चादर ओढ़ कर जमीन पर लेटी हुई है और पास में ही एक बुझा हुआ दिया रखा हुआ है. उन्होंने भतीजी को उठाया और हंसते-हंसते मेरे पास ले कर आए और कहा कि यह देखिए आपके दिमाग में बैठा भूत यहां है. सभी मेरे ऊपर हंसने लगे और मैं झेंप गई.

पीछे-पीछे दौड़ रही थी वह भूतनी

रेणु झा रेणुका

उस दिन हमारे दो कर्मचारी छुट्टी लेकर होली में घर चले गए, दो दिन पहले! एक मैनेजर संदीप था जो हमारे मिलों की देखभाल करता. उसका घर मिल के पीछे ही था. घर में तय हुआ कि संदीप और उसकी पत्नी का भोजन अभी होली तक यहीं बनेगा और रात में संदीप मिल में ही सो जाएगा. हमारे मिल के सामने रोड के उस पार थोड़ी दूर पर एक तालाब था, अभी भी है, एक खूबसूरत नर्सरी थी. उस रात संदीप खाना खाकर जा चुका था, उसकी पत्नी रिया मेरी बहनों से बातें करने लगीं. मां बोली, ग्यारह बजे हैं जाओ रिया तुम भी सो जाना और ये पानी की बोतल संदीप को देते जाना, वो ले जाना भूल गया. मैं और मेरी मां उसे थोड़ी दूर छोड़ आए. रास्ते पर बिल्कुल सन्नाटा पसरा था. बस! तालाब से पानी बहने की आवाज आ रही थी. रिया पानी का बोतल लिए ही घर चली गयी. करीब दो बजे रात को उसकी आंख खुली तो वो संदीप को पानी देने गई, चारो ओर सन्नाटा, चांदनी रात. तभी इसे एक बच्चे की रोने की आवाज आने लगी, जिसे सुन कर वह तालाब की तरफ चली गई. वहां एक औरत घूंघट निकाले पानी की धार में कपड़े साफ कर रही थी, उसका चेहरा विपरीत दिशा में था और उसी ओर नवजात शिशु भी पानी की धारा पर रो रहा था. ये बोली, तुम कैसी औरत हो बच्चे को चुप कराओ! वो औरत कपड़ा धोती रही, ये फिर बोली! बच्चा चुप कराओ! बहरी हो क्या? अब वो औरत उठी, बच्चे को उठाया, तब तक रिया की नजर उसके पैरों पर पड़ी, जो थे ही नहीं! अब रिया डर गई और भागने लगी! वो भूतनी भी रिया के पीछे-पीछे! वो घर में घुसीं और दरवाजा बंद करने लगी लेकिन वो भूतनी भी बाहर से जोर लगा रही थी. इसी बीच रिया अचेत हो गई. सुबह पड़ोसियों ने हमें खबर दी! रिया को देखने हम भी गए, निस्तेज शरीर, शून्य का निहारती आंखे.

बाद में किसी तांत्रिक को बुलाया गया. यह घटना कितनी सच है और कितनी काल्पनिक मुझे आज तक नहीं पता चला. इसके बारे में रिया ने ही बताया था और वह कितना सच कह रही थी, कितना भ्रम का शिकार हुई, यह किसी को पता नहीं लेकिन आज भी उस घटना की याद आते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं.

पीपल का पेड़ और मिट्टी के वो ढेले

रूणा रश्मि 'दीप्त'

जब हम छोटे थे, हमारे गांव से कुछ रिश्तेदार आते थे जो हमें भूतों की कहानियां बहुत सुनाते थे, उसे अपनी आपबीती बताकर. हम सब डरते-डरते मां के आंचल में सिमटते सुनते और उस कहानी का आनंद भी बहुत लेते थे.

लेकिन अभी जो मैं आप लोगों को बताने जा रही हूं, वह सुनी सुनाई घटना नहीं है. यह हम सब की आपबीती है. अभी यकीन तो नहीं होता कि यह सब कुछ हमारे साथ घटित हुआ था लेकिन सच्चाई तो यही है.

बात वर्षों पुरानी है. हम सब छोटे-छोटे थे. पटना के कंकड़बाग में हम किराए के मकान में रहते थे. बहुत बड़ा कैंपस था उस मकान का. पड़ोस के घर में एक पीपल का पेड़ हमारी दीवार से सटा हुआ ही था, जिसकी शाखाएं हमारी तरफ ही ज्यादा थीं. उसके कारण जाड़े में हमारी बालकनी में धूप बाधित होती थी. एक दिन हमारी पहचान के कुछ नवयुवकों ने उस पेड़ को काट दिया. उनके इस कार्य पर घर और पास पड़ोस के लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली. अभी उस घटना को दो-तीन दिन ही बीते थे कि अचानक एक सुबह हमारे कमरे के भीतर जहां हम सब सुबह बैठकर पढ़ाई कर रहे थे, मिट्टी के ढेले बाहर से आकर गिरे. पहले तो सभी को लगा शायद किसी बच्चे की शरारत है. बाहर जाकर देखने पर कोई कहीं नहीं दिखा. चारों तरफ देखकर मां और हमारे मामाजी अंदर आ गए. ज्यों ही उन्होंने कहा कि कोई भी तो नहीं है, पता नहीं किसने यह शरारत की है, तभी धड़ाधड़-धड़ाधड़ कुछ और ढेले आकर गिरे. सभी हतप्रभ थे. हम भाई-बहन तो सहमे से खड़े थे.

दिन से लेकर रात तक थोड़ी-थोड़ी देर पर यह सिलसिला चलता रहा. अब तो पूरा मुहल्ला ही हमारी इस परेशानी में शामिल हो गया. किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है. आसपास के घरों के छतों पर जाकर भी देखा, कहीं कोई संदिग्ध नहीं दिखा.

अब तो बात भूत-प्रेत की होने लगी. इस घटना को पीपल के पेड़ को काटने से जोड़ा गया. पंडित को बुलाकर सभी ने इसका निदान पूछा. पंडित जी ने भी पीपल के पेड़ के साथ ही इसका जुड़ाव बताते हुए पूजापाठ की कुछ विधियां बताईं. इन क्रियाकलापों में उन्हें ही अग्रणी होने का निर्देश मिला जो पेड़ काटने में भी अग्रणी की भूमिका में ही थे.

खैर! हम सबके स्नेह में आकर, न चाहते हुए भी वे इस पूजा-विधान में सम्मिलित हुए. समस्त क्रियाओं के अंत में उन्हें उस पीपल की जड़ों में जल देकर क्षमा मांगनी थी. सभी कार्य निर्देशानुसार करने के पश्चात अंत में उन्होंने पीपल के उस कटे वृक्ष पर अपनी खीझ भी उतार ली. उनका ऐसा करना था कि मिट्टी के वैसे ही ढेले पुनः उनके सम्मुख आकर गिरे. वहां खड़े सभी लोग अचरज से देखते रह गए. आज भी उस घटना को याद कर हम सब आश्चर्यचकित होते हैं. वो पहेली दशकों बीतने के पश्चात भी अनसुलझी ही है.

विंडो शॉपिंग

कुछ ऐसे आयटम हम ऑनलाइन मार्केट से छांट कर लाएं हैं जो प्रतिदिन के कामकाज, यात्रा या किसी को गिफ्ट देने के लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं. आइए, आप भी करें विंडो शॉपिंग...

इजी लाइफ के टूल्स

सेल्फ स्टरिंग मग

यह मग वर्कप्लेस, ट्रैवलिंग आदि के लिए परफेक्ट च्वॉइस है. किसी को उपहार देने के लिए भी ले सकती हैं. घर में यह मग बार-बार किचन में जाने की मशक़्क़त को भी कम कर देगा. यह एक बैटरी से चलने वाला मग है, जिसे आसानी से ऑन/ऑफ किया जा सकता है. ऑनलाइन मार्केट में 350 रुपए से 1000 रुपए तक की कीमत में यह सहजता से उपलब्ध है.

बैग री-सीलर

स्नैक्स या खाने-पीने के सामान को कोई पैकेट एक बार खुल जाता है तो फिर बचे को संभालने की मशक्कत करनी पड़ती है. खासकर मानसून में नमी के कारण इनके खराब होने, मुलायम होने आदि की समस्या होती है. ऐसे में चिप्स के पैकेट या किसी अन्य प्लास्टिक बैग को फिर से सील करने के लिए ये री-सीलर कमाल का है. इससे चीज़ें न ख़राब होगी और न ही मुलायम पड़ेगी. यह भी ऑनलाइन मार्केट में 350 रुपए से 1000 रुपए तक की कीमत में यह सहजता से उपलब्ध है.

सेल्फ हीटिंग बटर नाइफ

बटर को फ्रिज में रखना बाध्यता है. कई बार फ्रिज में रखे बटर को तुरंत निकालकर ब्रेड में लगाने पर वो अच्छे से लगता नहीं है. इस समस्या से राहत के लिए आप सेल्फ हीटिंग बटर नाइफ ले सकती हैं. बैटरी चालित यह चाकू ठंडे मक्खन को तुरंत पिछला देगा और ब्रेड में भी अच्छे से लग जाएगा. अमेजन डॉट इन पर यह 4500 रुपए में उपलब्ध है.

थम्ब होल बुक पेज होल्डर

आप या आपके परिजन किताबें पढ़ने के शौकीन हैं तो आपको ये बुक पेज होल्डर ज़रूर लेना चाहिए क्योंकि किसी भी मोटी बुक को ज़्यादा देर तक उंगलियों की मदद से खुला रखना आसान नहीं होता है. मगर इस होल्डर के ज़रिये ये आसान हो सकता है. यह भी ऑनलाइन मार्केट में सहजता से उपलब्ध है. 150 रुपए से 1000 रुपए तक में कई विकल्प उपलब्ध हैं.

सोप टेबलेट

कार, ट्रेन या फ़्लाइट में रोज़ाना इस्तेमाल करने वाला साबुन ले जाना न तो अच्छा लगता है और न ही इनका इस्तेमाल यात्रा के दौरान सुविधाजनक होता है. इस्तेमाल के बाद गीले साबुन को रखना भी एक अलग समस्या देता है. पेपर सोप भी अधिक संतुष्टि नहीं देता. ऐसे में सोप टैबलेट्स आपके काम आएंगे. ऑनलाइन मार्केट में यह 150 रुपए से 250 रुपए तक में उपलब्ध है.

ओनियन होल्डर

सलाद के लिए पतले-पतले और समान मोटाई के प्याज स्लाइस काटने के लिए यह बहुत काम की चीज है. यह भी ऑनलाइन मार्केट में 299 रुपए से 399 रुपए तक में खरीदा जा सकता है.

हजारीबाग से हॉलैंड तक वार्डरोब में मैक्सी की ठसक

अनामिका सिंह
फैशन डिजाइनर

हजारीबाग से हॉलैंड तक की महिलाओं के वार्डरोब में मैक्सी ड्रेस वैसे ही समान रूप से मौजूद नजर आती है जैसे ब्रेड बटर और कॉर्नफ्लैक्स यूनिवर्सल ब्रेकफास्ट से बन गए हैं. हॉलीवुड-बॉलीवुड की सेलिब्रिटी हो या आप, कंफर्ट और स्टाइल के कारण वार्डरोब में मैक्सी ड्रेस न केवल रखती हैं, बल्कि पहनने के बहाने भी ढूंढती हैं. पार्टी-फंक्शन से मैटरनिटी फेज तक यह ड्रेस हम सबकी पसंदीदा है.

जानिए इतिहास

16 वीं शताब्दी में अपनी झलक दिखा चुकी मैक्सी 17 वीं शताब्दी में कुछ बदलाव के साथ सामने आई. तब और आज की मैक्सी ड्रेस में बहुत अंतर है. तब टॉप और स्कर्ट आपस में अटैच्ड नहीं होते थे. टॉप के साथ लॉन्ग या एंकल लेंग्थ स्कर्ट होती थी. स्कर्ट के भीतर तीन लेयर की स्कर्ट होती जिससे पफ लुक मिलता था. ब्रिटिश कलोनियल एरा में यह इंफॉर्मल ड्रेस के रूप में सामने आया था. डिजाइनर ऑस्कर डी ला रेंटा ने 1968 में हॉलीवुड स्टार एलिजाबेथ आर्डेन के लिए मैक्सी बना कर उसकी वापसी की. इसबार इसके अपर और लोअर पाट्र्स अटैच्ड थे. सत्तर के दशक की बॉलीवुड फिल्मों में भी मैक्सी ड्रेस खूब नजर आए. फिर अचानक अस्सी के दशक में यह ड्रेस फैशन से गायब सी हो गई. नब्बे के दशक मिनी स्कर्ट का था जिसमें मैक्सी की खूबसूरती भूला दी गई थी. वर्ष 2008 में फैशन मैग्जीन्स में "मैक्सी ड्रेस वापस" के हेडलाइंस चमके पर धरातल पर वापसी वर्ष 2014 में हुई.

फर्क नाइटी और मैक्सी का

मैक्सी कई बार नाइटी के साथ अपनी पहचान **गडमडाने** लगती है. मां-फुआ के जमाने में कई बार नाइटी को भी मैक्सी कह दिया जाता था. बेशक दोनों वेस्टर्न ड्रेस हैं, पर नाइटी में योक अटैच्ड होता है. नाइटी ए लाइन कट की होती है. जबकि मैक्सी ड्रेस वेस्ट में फिटेड होती है. इसके वेस्ट में इलेस्टिक, बेल्ट आदि का इस्तेमाल होता है और लोअर पार्ट पफी होता है. मैक्सी का अपर पार्ट नाइटी की तरह फ्लोइंग नहीं होकर ब्लाउज फिटेड होता है.

यह है स्टाइल

मैक्सी ड्रेस को कुछ अलग अंदाज में कैरी करना चाहती हैं तो आप्शंस अनलिमिटेड हैं. फ्रंट बटन वाली मैक्सी को सिगरेट पैंट या जींस के साथ कैरी करें. लॉन्ग स्लग की तरह पहनी गई मैक्सी डिफरेंट लुक देगी. चाहे तो फ्रंट के बटन घुटने तक रखें. यदि इंडोवेस्टर्न लुक चाहती हैं तो मैक्सी के साथ लोअर में धोती सलवार सा प्लाजो कैरी करें. पार्टी में ड्रीमी व्हाइट लुक के लिए साटन, क्रेप, शिफॉन या सिल्क फैब्रिक में लेस और नेट से सजी व्हाइट मैक्सी पहन कर देखें. दुबली-पतली हैं तो ऑर्गेंजा भी ट्राई कर सकती हैं. नॉमर्ल कट के अलावा एम्पेरेल वेस्ट लाइन या हाईवेस्टलाइन मैक्सी उनके लिए परफेक्ट है जो प्रेग्नेंट हैं या थोड़ी मोटी कमर वाली हैं.

घर में कीड़े-मकोड़े व कॉक्रोच की नो इंट्री

बरसात के दिनों में कीड़े-मकौड़ों के घर में प्रवेश की आशंका बनी रहती है. इससे बचने के कुछ टिप्स...

पोछे के पानी में एक चम्मच सिरका और एक चम्मच बेकिंग सोडा मिला लें और फिर पोछा करें. इससे सारे कीड़े-मकोड़े तो दूर रहेंगे ही, पूरे दिन एक फेशनेस सी रहेगी. पोछे के पानी में एक नींबू और दो चम्मच नमक मिला कर पोछा करने से भी चीटियां और कॉकरोच दूर रहेंगे. एक चम्मच बेकिंग सोडा और आधा चम्मच पिसी हुई चीनी का मिश्रण बनाकर घर के कोनों और उन दरारों में डाल दें जहां कॉकरोज दिखाई देते हैं. कॉकरोच भाग जाएंगे. थोड़े से गर्म पानी में 2 चम्मच हल्दी, 1 कप नीम का तेल और 5 चम्मच नींबू के रस को अच्छी तरह से मिला लें. अब इस मिश्रण को रात में सोने से पहले उस जगह पर स्प्रे करें जहां से कॉकरोच बाहर आ रहे हैं. नीम के पत्तों या तेजपत्ता का पाउडर भी काक्रोच-कीड़ों को भगाता है.

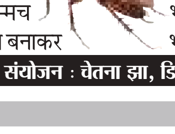

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक में भी भारतीय खिलाड़ी अपना दम दिखाएंगे: मोदी

एजेंसी। मॉस्को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्व कप क्रिकेट में भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए मंगलवार को विश्वास जताया कि पेरिस ओलंपिक में भी भारतीय खिलाड़ी अपना दम दिखाएंगे.

यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने युवाओं के आत्मविश्वास को भारत की असली पूंजी करार दिया और कहा कि यही युवा शक्ति देश को 21वीं सदी की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने का सबसे बड़ा सामर्थ्य रखती है. प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के लोगों से कहा कि निश्चित तौर पर उन्होंने भी भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20

विश्व कप क्रिकेट का फाइनल मुकाबला देखा होगा और जीत का जश्न भी मनाया होगा. उन्होंने कहा, विश्व कप जीतने की असली कहानी जीत की यात्रा भी है. आज का युवा भारत आखिरी बॉल तक और आखिरी पल तक हार नहीं मानता है. और विजय उन्हीं के चरण चूमती है

खास बातें

- आज का युवा भारत आखिरी बॉल तक हार नहीं मानता है
- युवा शक्ति में देश को नयी ऊंचाई तक पहुंचाने का सामर्थ्य

जो हार मानने को तैयार नहीं होते हैं. भारत ने बारबाडोस में संपन्न हुए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को पराजित कर अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीता और आईसीसी ट्रॉफी का 11 साल का इंतजार खत्म किया. भारत ने पिछला आईसीसी खिताब 2013 में जीता था जब उसने महेंद्र सिंह धौनी के नेतृत्व में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी. भारत की इस जीत का जश्न देशभर में मनाया गया. भारत पहुंचने पर खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ.

प्रधानमंत्री ने भी खिलाड़ियों से मुलाकात की थी. इसके बाद भारतीय टीम के स्वागत के लिए मुंबई में विजय जुलूस (विक्ट्री परेड) भी निकाला गया. प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भावना सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है बल्कि दूसरे खेलों में भी दिख रही है. पिछले 10 सालों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार देते हुए उन्होंने कहा कि इस बार पेरिस ओलंपिक में भी भारत की तरफ से एक शानदार टीम भेजी जा रही है. उन्होंने कहा, आप देखिएगा, पूरी टीम... सारे खिलाड़ी कैसे अपना दम दिखाएंगे. भारत की युवा शक्ति का यही आत्मविश्वास भारत की असली पूंजी है. और यही युवा शक्ति भारत को 21वीं सदी की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने का सबसे बड़ा सामर्थ्य रखती है.

पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेले जाएंगे. भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तोक्यो ओलंपिक में रहा है जिसमें भालाफेंक में नीरज चोपड़ा के ऐतिहासिक स्वर्ण समेत सात पदक जीते.भारत के 100 से अधिक खिलाड़ियों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है जिसमें 21 निशानेबाज हैं.

बल्लेबाज सूर्यकुमार पत्नी के साथ उडुपी मंदिर पहुंचे

एजेंसी। उडुपी

भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पत्नी दिविशा शेट्टी के साथ मंगलवार को उडुपी जिले के कापू मारिगुडी मंदिर गए और टी20 क्रिकेट विश्व कप जीतने पर विशेष पूजा की. सूर्यकुमार और दिविशा सोमवार को मेंगलुरु पहुंचे थे. उन्होंने हवाई अड्डे पर ही केक काटकर अपनी शादी की आठवीं सालगिरह मनाई थी. दिविशा मूल रूप से दक्षिण कन्नड़ के तटीय क्षेत्र की रहने वाली है. मंदिर के अधिकारियों के अनुसार दिविशा ने भारत के टी20 विश्व कप जीतने पर अपने पति के साथ कापू मारिगुडी मंदिर जाने का संकल्प लिया था.

उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार और दिविशा ने देवी कापू मरियम्मा को चमेली के फूलों की माला चढ़ाई और परिवार के लिए आशीर्वाद मांगा. इस दौरान दिविशा को मंदिर में तुलु भाषा में बात करते देखा गया. सूर्यकुमार ने तुलु में भी बोलने की कोशिश की, जिससे मंदिर के अधिकारियों को सुखद आश्चर्य हुआ.

ब्रीफ खबरें

गुकेश के लिए रैपिड में बेहतर प्रदर्शन का मौका

जगरेब (क्रोएशिया)। विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश के पास ग्रैंड शतरंज टूर के तहत खेले जा रहे सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में रैपिड वर्ग में अपना प्रदर्शन सुधारने का मौका है जबकि विदित गुजराती वाइल्ड कार्ड के जरिये उनसे जुड़ेंगे. गुकेश का सामना विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले में 20 नवंबर को चीन के डिंग लिरेन से होगा. गुकेश का प्रदर्शन क्लासिकल प्रारूप में बेहतरीन रहा है लेकिन तेज रफ्तार वाले प्रारूप में वह लय नहीं बना सके हैं. विश्व चैम्पियनशिप में मुकाबला टाईरहने पर रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज के तेज समय नियंत्रण में मुकाबले खेले जायेंगे. रैपिड और 18 अंडर ब्लिट्ज शतरंज नियमों के तहत नौ दौर में खेले जाने वाले 175000 डॉलर ईनामी राशि के इस टूर्नामेंट में गुजराती को वाइल्ड कार्ड मिला है.

पंजाब एफसी ने मीतेई और निहाल के साथ अनुबंध किया

मोहाली। पंजाब एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आगामी सत्र से पहले निंथोइंगनबा मीतेई और निहाल सुदेश के साथ करार किया है.क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी.चेन्नईयिन एफसी और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के लिए खेल चुके भारतीय खिलाड़ी निंथोइंगानबा के साथ क्लब ने तीन साल का करार किया है जो 2027 सत्र तक चलेगा. उन्होंने 81 मैचों में तीन गोल किये हैं. पिछले सत्र में केरल ब्लास्टर्स के साथ आईएसएल में पदार्पण करने वाले सुदेश अपने करियर भारतीय नौसेना, एफए कोचीन और केरल ब्लास्टर्स की युवा टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.पंजाब एफसी के निदेशक निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, 'हम आगामी सत्र के लिए इन दोनों खिलाड़ियों के साथ करार करके खुश हैं.

पीसीबी ने गैरी कर्स्टन व गिलेस्पी को खुली छूट दी

लाहौर। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मंगलवार को मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी को टीम की किस्मत बदलने के लिए खुली छूट दे दी. सूत्रों ने यह जानकारी दी. पाकिस्तान अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए विश्व कप के ग्रुप चरण में अमेरिका की नई नवेली टीम के अलावा भारत से हारकर सुपर आठ चरण में जगह बनाने में नाकाम रहा था. नकवी ने सीमित ओवरों के प्रारूप और टेस्ट टीम के कोच से मुलाकात की. कर्स्टन और गिलेस्पी ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपनी योजनाएं साझा कीं.पीसीबी के अनुसार नकवी ने दोनों कोचों से कहा कि उन्हें उन पर पूरा भरोसा है .

जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरा टी-20 मुकाबला आज

गिल के साथ जायसवाल के बल्लेबाजी क्रम पर फोकस

एजेंसी। हरारे

टी20 विश्व कप विजेता खिलाड़ियों की वापसी के साथ जिम्बाब्वे के खिलाफ बुधवार को यहां तीसरे टी20 मैच में भारतीय टीम के लिए यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा में से एक का चयन काफी मुश्किल होगा. जायसवाल, संजू सैमसन और शिवम दुबे टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे. उनकी वापसी से टीम मजबूत हुई है, जिसने दूसरे मैच में 100 रन से जीत दर्ज करके श्रृंखला में वापसी की थी. बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने दूसरे मैच में 46 गेंद में शतक लगाया. वैसे भारत की पहली पसंद की टी20 टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज होने के कारण जायसवाल का शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत का दावा पुख्ता लगता है. जायसवाल ने 17 टी20 मैचों में एक शतक और चार अर्धशतकों के साथ 161 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं. वैसे ऐसा होता नहीं है कि एक यादगार पारी खेलने के बाद बल्लेबाज को अगले मैच में बाहर कर दिया जाए. वैसे मनोज तिवारी और करुण नायर यह झेल चुके हैं. तिवारी को वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 में पहले वनडे शतक के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था जबकि नायर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाने के बाद टीम में जगह नहीं पा सके थे. वैसे कप्तान गिल अंडर 14 दिनों के अपने सबसे

यशस्वी जायसवाल

अच्छे दोस्त के साथ यह नाइंसाफी होने नहीं देंगे. ऐसे में दो खब्बू बल्लेबाजों में से एक को बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतरना होगा. राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले सैमसन को पांचवें नंबर पर उतरना पड़ सकता है और रुतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर उतारा जा सकता है. अंतिम एकादश में जायसवाल को बी साइ सुदर्शन की जगह मिल सकती है जो पहले दो मैचों के लिए ही चुने गए थे. वहीं सैमसन को ध्रुव जुरेल की जगह मिलेगी. टी20 विश्व कप में अंतिम एकादश का हिस्सा रहे शिवम दुबे को रियान पराग की जगह उतारा जा सकता है. जहां तक जिम्बाब्वे का सवाल है तो उसे अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा. हरारे स्पोर्टर्स क्लब की पिच पर अतिरिक्त उछाल में स्पिनर रवि बिश्नोई और वाशिंगटन सुंदर को खेलना मुश्किल हो रहा था. मेजबान कप्तान सिकंदर रजा चल नहीं पा रहे जबकि बाकी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों का सामना करने में सक्षम नहीं दिख रहे. पहले मैच में 13 रन से अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम ने समय पर चेतते हुए पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेला. कप्तान गिल को पहले दो मैचों में मिली नाकामी के बाद एक अच्छी पारी खेलनी होगी.

टीमें

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, रूतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, मुकेश कुमार, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, खलील अहमद, तुषार देशपांडे.

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाइ चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया , क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारूमानी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डियोन मायर्स , एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुम्बा.

मैच का समय : शाम 4.30 बजे से.

आईसीसी ने जारी की सूची, दी बधाई

जसप्रीत बुमराह, स्मृति मंधाना जून महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये

एजेंसी। दुबई

टी20 विश्व कप में भारत के विजयी अभियान के नायक रहे जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को जून महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना.भारत के लिए यह दोहरी खुशी का मौका था क्योंकि महिला टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना को इस वैश्विक संस्था ने 'जून महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी' चुना. मंधाना को यह पुरस्कार पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में बल्ले सब दमदार प्रदर्शन करने पर दिया गया. बुमराह ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज को पछाड़कर यह खिताब जीता जबकि मंधाना ने इंग्लैंड की माइया बाउचर और श्रीलंका की

विस्मी गुणारत्ने को पीछे छोड़कर महिलाओं का पुरस्कार जीता. आईसीसी ने यहां जारी बयान में कहा कि पिछले महीने टी-20 विश्व कप में 15 विकेट चटकाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये बुमराह ने जून के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भी जीता है.आईसीसी के बयान में बुमराह ने कहा, ''मुझे जून के लिए आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने पर खुशी हो रही है.' उन्होंने कहा, '' अमेरिका और वेस्टइंडीज में कुछ यादगार सप्ताह बिताने के बाद मेरे लिये यह विशेष सम्मान है. एक टीम के तौर पर हमें जश्न मनाने के काफी मौके मिले और इस में योगदान देकर मुझे अच्छा लगा. बुमराह ने टी20 विश्व कप में 8.26 की औसत से विकेट चटकाये जबकि महज 4.17 रन प्रति ओवर के हिसाब से रन दिये.महिला वर्ग में मंधाना ने बेंगलुरु में पहले एकदिवसीय में 117 रन की शानदार पारी खेली.

यूक्रेन पर मिसाइल हमले से चिंतित स्वितोलिना

एजेंसी। लंदन

विम्बलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बावजूद यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना के चेहरे पर खुशी नहीं थी क्योंकि वह अपने देश पर रूस के मिसाइल हमले को लेकर काफी चिंतित दिखीं. स्वितोलिना ने वांग शिन्यु को 6.2, 6.1 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई. उनका कहना था कि यह जीत उनके देश के लोगों के अंधेरे जीवन में रोशनी और खुशी की एक किरण लेकर आएगी.

स्वितोलिना की दादी, चाचा और कई रिश्तेदार यूक्रेन में हैं. रूस की दर्जनों मिसाइलों ने यूक्रेन के पांच शहरों पर

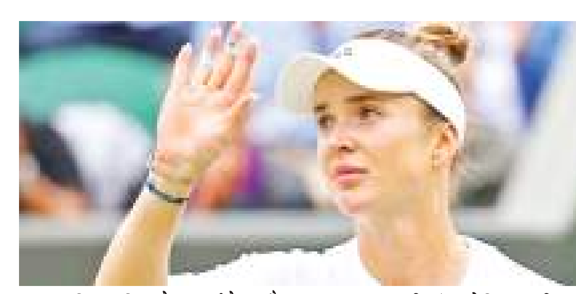

हमला किया जिसमें अपार्टमेंट और राजधानी कीव में बच्चों का एक अस्पताल शामिल है. इस हमले में कम से कम 31 लोग मारे गए और 150 से अधिक घायल हुए हैं. स्वितोलिना ने कहा, मेरे लिए यहां रहना मुश्किल है. मैं अपने कमरे में रहना चाहती हूं क्योंकि इतनी सारी भावनायें उमड़ रही हैं. ऐसे दुख भरे दिनों में कुछ करने का मन नहीं करता.मेरे लिए यह ऐसा ही दिन है. उन्होंने अपने मैच के दौरान अपनी सफेद कमीज पर काली रिबन बांध कर खेला.

विम्बलडन : टेलर फ्रिट्ज ने ज्वेरेव को हराया, जोकोविच ने भी अपने मैच जीते

एजेंसी। लंदन

अमेरिका के 13वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने दो सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए दो बार के ग्रैंडस्लैम उपविजेता अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4. 6, 6 . 7, 6 . 4, 7 . 6, 6 . 3 से हराकर विम्बलडन पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. अब उनका सामना 25वीं वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेत्ती से होगा जो पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम में अंतिम आठ में पहुंचे हैं. फ्रिट्ज को विम्बलडन 2022 में रफेल नडाल ने हराया था. दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स डि मिनौर ने भी

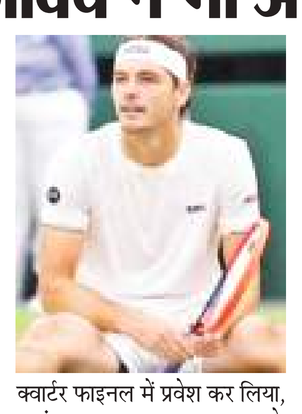

क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उनका सामना सात बार के चैम्पियन नोवाक जोकोविच से होगा. जोकोविच ने होल्गर रूने को 6 . 3, 6 . 4, 6 . 2 से हराया. दर्शक रूने के नाम के नारे लगा रहे थे और जोकोविच की हूटिंग भी हुई लेकिन इससे वह विचलित नहीं हुए. महिला वर्ग में इटली की जैसमीन पाओलिनी ने जियोवान्नि एम पेरिकार्ड को 4 . 6, 6 . 3, 6 . 3, 6 . 2 से हराया. एलेना रिबाकिना को अगले दौर में जगह मिल गई जब उनकी प्रतिद्वंद्वी अन्ना कालिंस्काया ने कलाई की चोट के कारण कोर्ट छोड़ दिया. अब उनका सामना एलिना स्वितोलिना से होगा जिन्होंने वांग शिन्यु को 6 . 2, 6 . 1 से हराया. वहीं बारबरा क्रेइसिकोवा ने डेनियेले कोलिंगस को 7 . 5, 6 . 3 से और येलेना ओस्टापेंको ने यूलिया पुतिनत्सेवा को 6 . 2, 6 . 3 से मात दी.

यूरो कप: आज दूसरे सेमीफाइनल मैच में नीदरलैंड से भिड़ेगा इंग्लैंड

यूरोपीय चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना चाहेगा इंग्लैंड

एजेंसी। टॅमंड (जर्मनी)

इंग्लैंड बुधवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल में जब नीदरलैंड से भिड़ेगा, तो उसकी नजरें लगातार दूसरे यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के फाइनल में जगह बनाने पर टिकी होंगी. पहला सेमीफाइनल मंगलवार को स्पेन और फ्रांस के बीच खेला जाएगा. फाइनल रविवार को होना है.क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड और नीदरलैंड दोनों ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी. इंग्लैंड ने निर्धारित और अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद स्विट्जरलैंड को पेनल्टी शूट आउट में हराया था जबकि नीदरलैंड ने तुर्की को 2-1 से हराकर बाहर का

रास्ता दिखाया था.नीदरलैंड के खिलाफ हालांकि इंग्लैंड की राह आसान नहीं होगी. टूर्नामेंट में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक खेलने वाली टीमों में नीदरलैंड की रैंकिंग सबसे बेहतर है। इंग्लैंड ग्रुप चरण में सर्बिया, डेनमार्क और स्लोवेनिया के खिलाफ खेला था जबकि नॉकआउट मुकाबलों में उसकी भिड़ंत स्लोवाकिया और स्विट्जरलैंड के साथ हुई. इंग्लैंड अब तक बाएं छोर से कीरन ट्रिपर पर निर्भर रहा है जबकि स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच में ल्यूक शॉ फरवरी में चोटिल होने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैच में उतरे. इंग्लैंड के मैनेजर गैरेथ साउथगेट को फैसला करना होगा कि वह पिछले मैच में निलंबित मार्क गुही की जगह खेले एजरी कोन्सा को फिर मौका देते हैं या फिर गुही का निलंबन खत्म होने के बाद उनकी वापसी कराते हैं. स्विट्जरलैंड के खिलाफ अतिरिक्त समय में ऐंठन के कारण हैरी केन के बाहर होने के बाद इंग्लैंड के कप्तान की फिटनेस पर भी नजरें रहेंगी.नीदरलैंड के कोच रोनाल्ड कोमैन के अपनी शुरुआती एकादश में लगातार तीसरे मैच में कोई बदलाव नहीं करने की उम्मीद है. ऐसे में एक बार फिर मेम्फिस डेपाय, कोडी गेप्को और स्टीवन बर्गविन की जोड़ी मैच में शुरुआत कर सकती है.

वापसी — चैम्पियंस ट्रॉफी अगले साल पाकिस्तान में फरवरी-मार्च में होने की संभावना

अध्याय खत्म हुआ, लेकिन चैम्पियंस ट्रॉफी में खेलने को तैयार: वॉर्नर

एजेंसी। सिडनी

डेविड वॉर्नर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म हुआ अध्याय करार दिया. लेकिन कहा कि अगर चैम्पियंस ट्रॉफी की टीम में उन्हें जगह मिलती है, तो वह देश के लिए फिर से खेलने के लिए तैयार होंगे. चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल पाकिस्तान में फरवरी-मार्च के महीने में होने की संभावना है और ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि वॉर्नर उनके आपातकालीन विकल्प होंगे. वॉर्नर ने पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप जीतने के बाद वनडे से संन्यास ले लिया था, जबकि उनका आखिरी टेस्ट जनवरी

में पाकिस्तान के खिलाफ था. उन्होंने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 24 जून को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ खेला था. वॉर्नर ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर लिखा, अध्याय खत्म. इतने लंबे समय तक शीर्ष स्तर पर

खास बातें

- वॉर्नर उनके आपातकालीन विकल्प होंगे : पैट कमिंस
- वॉर्नर ने अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 24 जून को खेला था

खेलना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है. ऑस्ट्रेलिया मेरी टीम रही है. मेरे करियर का अधिकांश हिस्सा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बीता है. ऐसा करने में सक्षम होना सम्मान की बात है. सभी प्रारूपों में देश के लिए 100 से अधिक मैच खेलना मेरे करियर का मुख्य आकर्षण है.

उन्होंने कहा, मैं कुछ समय तक फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा और अगर राष्ट्रीय टीम में चयन हुआ तो मैं चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए भी तैयार हूं. यह पहली बार नहीं है जब वॉर्नर ने 50 ओवर के प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में भाग लेने की इच्छा जताई है. जनवरी में एकदिवसीय और टेस्ट से संन्यास की घोषणा करते समय भी उन्होंने कहा कि वह चैम्पियंस ट्रॉफी खेलना चाहते हैं. चैम्पियंस ट्रॉफी की आठ साल बाद वापसी हो रही है. कमिंस ने भी तब कहा था, यह शायद कुछ और खिलाड़ियों को (एकदिवसीय में) आजमाने का समय है, लेकिन हम सभी जानते है कि वह क्रिकेट खेलना जारी रखेगा.

मेस्सी के गोद में यामल का फोटो अब हो रहा वायरल

एजेंसी। बार्सीलोना

जाने माने फोटोग्राफर जॉन मोनफोर्ट ने लगभग 17 साल पहले चैरिटी कैलेंडर के लिए एक नवजात बच्चे के साथ जब लियोनेल मेस्सी की तस्वीरें लीं थी तब उन्हें पता था कि अर्जेंटीना का लंबे बालों वाला यह युवा फुटबॉल की दुनिया में बडा नाम बनेगा. उन्होंने हालांकि यह कल्पना नहीं की होगी कि मेस्सी ने अपनी गोद में जिस नवजात को उठाया है वह कम उम्र में ही अपने कौशल से फुटबॉल की दुनिया को प्रभावित करेगा. पिछले कुछ दिनों से वायरल हो रही इस तस्वीर में मेस्सी ने जिस बच्चे को गोद में ली है मौजूदा समय में सबसे तेजी से उभरता हुआ

खिलाड़ी लेमिन यामल है. महज 16 साल की उम्र में स्पने के लिए पदार्पण करने वाले यामल की तुलना अभी से फुटबॉल के दिग्गजों से हो रही है. वह जर्मनी में चल रही यूरोपीय चैम्पियनशिप में अब तक के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गई.

यामल के पिता ने पिछले सप्ताह 2007 में ली गयी इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा था, दो महान खिलाड़ियों की शुरुआत. एसोसिएटेड प्रेस और कुछ अन्य संस्थानों के लिए फ्रीलांस फोटोग्राफर के रूप में काम करने वाले 56 वर्षीय मोनफोर्ट ने कहा कि यह फोटो शूट 2007 की में बार्सीलोना के कैम्प नोउ में आगंतुकों के लॉकर रूम में हुआ था. उस समय यामल की उम्र महज कुछ महीने थी. बार्सीलोना के खिलाड़ियों ने स्थानीय समाचार पत्र डियारियो स्पोर्ट और यूनिसेफ के वार्षिक चैरिटी अभियान के हिस्से के रूप में एक कैलेंडर के लिए बच्चों और उनके परिवारों के साथ तस्वीरें खिंचवाई थी.

ब्रीफ खबरें

84.5 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

अररिया । जिले की जोगबनी थाना पुलिस ने बीती रात गुप्त सूचना के अधार पर नेताजी चौक वार्ड संख्या 14 स्थित एक घर में छापेमारी कर 84.5 ग्राम स्मैक और भारतीय और नेपाली नगद राशि के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया. 24 वर्षीय गिरफ्तार युवक सुधांशु कुमार उर्फ सावन नेताजी चौक वार्ड संख्या 14 का ही रहने वाला है. स्मैक के अलावे उसके पास से भारतीय 26 हजार 830 रुपये और नेपाली 52 हजार 120 रुपये बरामद किए गए. थाना प्रभारी गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है.

960 बोतल शराब के साथ तीन गिरफ्तार

नवादा । नवादा जिले के झारखंड-बिहार की सीमा पर स्थित रजौली के समेकित जांच चौकी पर पुलिस ने वाहन जांच के दौरान मंगलवार को तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उनके पास से 960 लीटर अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद की है. उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा के निर्देश पर बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद एसआई पिंटू कुमार द्वारा मंगलवार को वाहन जांच के दौरान महेंद्रा पिकअप से 960 बोतल अंग्रजी के साथ तीन तस्कर को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार शराब तस्कर के पास से रॉयल स्टैग प्रीमियर और इंप्रेरियल ब्लू रिजर्व का 960 बोतल अंग्रेजी बरामद किया गया है.

जमीन विवाद में मारपीट, कई घायल

भागलपुर । जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बदलूचक गांव में जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गयी. इस घटना में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए हैं. घटना के दौरान एक पक्ष के करीब पांच आदमी घायल हो गए हैं. जबकि दूसरे पक्ष से एक व्यक्ति घायल हैं. घटना बीते देर शाम की बतायी जा रही है. घटना के बाद सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया.

छह से ज्यादा गांव चपेट में आए, फसल हुई बर्बाद

वाल्मीकि नगर बैराज से छोड़ा गया पानी

संवाददाता ।गोपालगंज

वाल्मीकि नगर बैराज से दो दिन पहले चार लाख 40 हजार क्यूसेक पानी गंडक नदी में छोड़ा गया था. उस पानी का एक अंश यानी करीब 3 लाख 30 हजार क्यूसेक पानी का बहाव गोपालगंज में मंगलवार को हो रहा है. साढ़े तीन लाख क्यूसेक पानी गोपालगंज क्षेत्र में आने से सदर प्रखंड और मांझागढ़ प्रखंड के आधा दर्जन पंचायतों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है. बाढ़ प्रभावित इलाके वाले गांव में पानी भर गया है. गांव में जाने वाले सड़कें पानी में डूब गई है. बाढ़ से घिरे होने की वजह से लोग ऊपरी इलाकों की तरफ पलायन कर रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ी समस्या यहां पर नाव की है. गोपालगंज के सदर प्रखंड और मांझागढ़ प्रखंड में पानी बढ़ने के बावजूद अभी तक पूरे इलाके को बाढ़ प्रभावित घोषित नहीं किया गया है. इस वजह से जिला प्रशासन की तरफ से बाढ़ प्रभावित इलाकों में नाव की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है. सदर प्रखंड और माझागढ़ प्रखंड के आधा दर्जन पंचायतें गंडक के निचले इलाके में आती हैं. इस वजह से गंडक के जलस्तर में बढ़ोतरी होने से इन पंचायत के दर्जनों गांव बाढ़ के पानी से घिर जाते हैं. बाढ़ का पानी बढ़ने से आवागमन बाधित हो गया है. लोगों के लिए नाव ही एकमात्र सहारा है. जिन लोगों को नाव नहीं मिल पाता है, उन्हें पैदल पानी में चलकर अपने घरों तक पहुंचाना पड़ता है.

किया निरीक्षण

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना के बख्तियारपुर गंगा घाट पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया.

बेतिया के कई गांवों में घुसा गंडक नदी का पानी, मचा हड़कंप

संवाददाता ।बेतिया

बेतिया की गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद गांव में पानी घुसकर तबाही मचाने लगा है. लोग पलायन करने को मजबूर हैं. गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद नौतन और योगापट्टी के कई गांव में पानी घुसने से लोग परेशान हैं.

जोगापट्टी के जबलपुर पंचायत और नौतन के भगवानपुर पंचायत के दर्जनों गांव पानी के कारण प्रभावित हुए हैं. रास्तों पर भी पानी फैल गया है, जिसके कारण नाव से लोग सड़कों पर आ रहे हैं. दरअसल नौतन प्रखंड के भगवानपुर पंचायत के बिशंभरपुर गांव में पानी लगातार बढ़ रहा है. जिससे लोग भयभीत हो गए हैं. नाव के सहारे लोग गांव में अवागमन कर रहे है. लोग नाव के सहारे अपना सारा सामान लेकर ऊंचे इलाके में चले गए हैं, हालांकि जिला प्रशासन की टीम पूरे हालात पर नजर रख रही है. वहीं नौतन के भगवानपुर पंचायत के बिशंभरपुर गांव निवासी देवगत राम ने बताया कि बिशंभरपुर गांव पानी से घिर गया है.

पूर्व मंत्री वृषिण पटेल के खिलाफ वारंट जारी

पटना । पूर्व मंत्री के खिलाफ में पॉक्सो कोर्ट ने मंगलवार को वारंट जारी किया है. बता दें जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की ने इस मामले में पूर्व मंत्री के खिलाफ केस दर्ज करवाया था. केस दर्ज होने के बाद कोर्ट में हाजिर नहीं होने के बाद अब वारंट जारी किया गया है. मुजफ्फरपुर के विशेष अदालत ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू कर दी है. बता दें कि पूर्व मंत्री के खिलाफ पॉक्सो की धारा 4, 6 के तहत में मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो कोर्ट में सुनवाई चल रही है. इस मामले में अब कोर्ट ने वारंट जारी किया है जिसके बाद अब पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता वृषिण पटेल की मुश्किलें बढ गई हैं.

बेगूसराय : एफसीआई थाना क्षेत्र के रतन चौक के पास हुई घटना

कार और ऑटो में भीषण टक्कर पांच की मौत, दो अन्य घायल

संवाददाता ।बेगूसराय

सभी लोग हाथीदह स्टेशन पर उतरे थे

मिली जानकारी के अनुसार, ऑटो सवार सभी लोग हाथीदह स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद बेगूसराय की ओर आ रहे थे. ओवरटेक करने के दौरान ऑटो और कार भीषण टक्कर हो गया. इसमें ऑटो पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई. वहीं कार का ड्राइवर एवं ऑटो सवार दो अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हैं. इन्हें इलाज के लिए विभिन्न जगह भर्ती कराया गया है. स्थानीय लोगों एवं पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह रतन चौक के समीप जोरदार आवाज हुई और जब लोग वहां पहुंचे तो कार एवं ऑटो के आमने-सामने टक्कर हो चुकी थी तथा दोनों ही गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी. तत्पश्चात पुलिस को इसकी सूचना दी गई और पुलिस तथा लोगों के द्वारा सभी मृतक के शव को बाहर निकला गया तथा घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है.

बेगूसराय में भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई. वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है. घटना घटना एफसीआई थाना क्षेत्र के रतन चौक के पास एनएच 31 पर हुई. मंगलवार सुबह सात लोग ऑटो पर सवार होकर सिमरिया से जीरो माइल की आ रहे थे. रतन चौक पर तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी. हादसा इतना भीषण था कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई. पुलिस ऑटो में फंसी लाशों को बाहर निकालने की कोशिश में जुटी है. दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है.

पुलिस के अनुसार, मरने वाले में से एक पहचान छोराही थाना क्षेत्र के राजोपुरबेंगा निवासी रमाकांत दास का 25 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार उर्फ गौतम के रुप में हुई है. मृतक मजदूर है, जो टाइल पत्थर का काम करता है. वहीं दूसरे एक शाम्हो के रहने वाले सिंटू कुमार यादव थे. वह दिल्ली से लौटकर बेगूसराय से खगड़िया शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे.

तीसरे युवक की पहचान नालंदा जिले के पुवारी (गोनामा) निवासी सुनील कुमार का 28 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई है. सुनील कुमार दिल्ली एम्स में कैंसर डिपार्टमेंट में टेक्नीशियन के रूप में कार्य थे और वह दिल्ली से बेगूसराय अपने ससुराल आ रहा था. चौथे युवक की पहचान गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुंवर टोल वार्ड 15 निवासी रामदास का 24 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है. वह पटना से घर लौट रहा था. वह पॉलिटेक्निक का छात्र था. वहीं पांचवें की पहचान बखरी थाना क्षेत्र के मौजी हरी सिंह गांव निवासी वीरेंद्र तांती का 22 वर्षीय पुत्र अमनदीप कुमार के रूप में हुई. वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता था.

सीमांचल को अलग राज्य बनाने की मांग करूंगा : पप्पू यादव

अररिया । पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव का उनके कार्यकर्ताओं ने स्वागत सह सम्मान का आयोजन किया. इस दौरान उन्होंने आम लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सीमांचल को हिंदू-मुस्लिम के बहाने अबतक ठगती आ रही है. सीमांचल को अलग राज्य बनाने की करूंगा और मुहिम चलाऊंगा. यादव ने कहा कि सीमांचल के लोग हमारा परिवार हैं और मैं परिवार के लिए कोई भी कुर्बानी दे सकता हूं. साथ ही उन्होंने सीमांचल के डॉक्टरों को चेताते हुए कहा कि सीमांचल क्षेत्र में डॉक्टर, पैथोलॉजी, एक्सरे व चिकित्सा से संबंधित माफियाओं को लूट में छूट की गारंटी नहीं देंगे.

पूर्व आईएएस अधिकारी मनीष वर्मा जदयू में शामिल

संवाददाता ।पटना

पूर्व आईएएस अधिकारी मनीष वर्मा ने मंगलवार को जदयू की सदस्यता ली. वर्ष 2000 कैडर के आईएएस अधिकारी रहे मनीष वर्मा अनिवार्य सेवानिवृति लेने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के परामर्शी रहे हैं. आज वह औपचारिक तौर पर जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गये. जदयू के पटना कार्यालय में कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, मंत्री विजय चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने मनीष वर्मा को पार्टी की सदस्यता दिलाई. उनके दल में शामिल होने के बाद जदयू नेताओं ने उन्हें बधाई दी. जदयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद मनीष वर्मा ने कहा कि मेरे लिए आज बहुत ही इमोशनल दिन है. आज से मैं एक राजनीतिक कार्यकर्ता हूं. आज मुझे एक छोटा सा कागज मिला है. इसका काफी महत्व है. मैं जब जदयू में मेंबरशिप के लिए अप्लाई कर रहा था तो उसमें पेशा लिखना होता है. कल ही हमने जो भी पद ग्रहण कर रखा था, उससे इस्तीफा दे दिया था. ऐसे में मैं पेशा में क्या लिखूं समझ में नहीं आ रहा था. रिटायर्ड आईएएस तो लिख नहीं सकता था. अब तो समाज सेवा ही करना है. लिहाजा समाज सेवा लिखा.

पुलिस अवर निरीक्षक परीक्षा में 1275 दारोगा बने

- मुख्य लिखित परीक्षा का आयोजन रविवार 25 फरवरी 2024 को दो पालियों में किया गया था

संवाददाता ।पटना

बिहार सरकार के गृह विभाग (आरक्षी शाखा) के अंतर्गत बिहार पुलिस में पुलिस अवर निरीक्षक के 1275 पदों पर बहाली की प्रक्रिया मंगलवार को अंतिम रूप से पूरी हो गई, जब बिहार पुलिस सब-ऑर्डिनेट सर्विस कमीशन ने परिणाम जारी कर दिया. 1275 पदों की रिक्तियों के विरुद्ध अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों का परीक्षाफल जारी कर दिया गया है. इसमें 822 पुरुष, 450 महिला और तीन ट्रांसजेंडर हैं. बिहार सरकार के गृह विभाग (पुलिस) की इस भर्ती में जो भी उम्मीदवार शामिल हुए हैं, वह यहां क्लिक कर अपना रिजल्ट डाउनलोड कर सकते हैं. एसआई पद के लिए मुख्य लिखित परीक्षा रविवार 25 फरवरी को दो पालियों में आयोजित की गई थी. मुख्य लिखित परीक्षा में दो पेपर थे. पहले पेपर में कुल 23957 उम्मीदवार शामिल हुए थे और दूसरे पेपर में कुल 23948 उम्मीदवार उपस्थित हुए थे. इसमें 7,623 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए थे. इनका प्रमाण पत्र वेरिफिकेशन 10 जून से लेकर 19 जून तक शहीद राजेन्द्र प्रसाद सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय गर्दनीबाग में हुआ था. वहीं प्रारंभिक परीक्षा में कुल 25 हजार 405 अभ्यर्थी को सफल हुए. यह परीक्षा पिछले साल 17 दिसंबर को ली गई थी. इसमें कुल 5 लाख 36 हजार 754 उम्मीदवार शामिल हुए थे.

कारोबार

जापान का निक्की 225 नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद

तोक्यो । जापान का सूचकांक निक्की 225 मंगलवार को दो प्रतिशत की बढ़त के साथ 41,580.17 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ. निक्की 225 पिछले सप्ताह भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा था. विदेशी और घरेलू दोनों निवेशकों ने हाल के महीनों में जापानी बाजार में भारी निवेश किया है, भले ही अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है. जापानी मुद्रा येन के सस्ता होने और डॉलर के मुकाबले 34 साल के निचले स्तर पर कारोबार करने के बाद निवेशकों ने जापानी बाजार का रुख किया.

पूर्व रेलवे ने 953 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया

कोलकाता । पूर्व रेलवे ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यात्री राजस्व से 953 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है. एक रेल अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में कोलकाता स्थित मुख्यालय वाले पूर्व रेलवे ने एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले यात्री आवागमन से राजस्व में 9.97 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की. पूर्व रेलवे के अधिकारी ने एक बयान में कहा, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यात्री राजस्व 953.24 करोड़ रुपये रहा है.

आइनॉक्स विंड को ऊर्जा परियोजना का मिला ठेका

नयी दिल्ली । आइनॉक्स विंड को एक अक्षय ऊर्जा उत्पादक कंपनी से 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है. कंपनी के एक बयान में कहा कि यह परियोजना गुजरात और राजस्थान में क्रियान्वित की जाएगी. बयान में कहा गया, यह ठेका आइनॉक्स विंड लिमिटेड के नवीनतम तीन मेगावाट विंड टर्बाइन जेनरेटर के लिए है. आइनॉक्स विंड परियोजना पूरी होने के बाद बहुवर्षीय परिचालन एवं रखरखाव सेवाएं भी प्रदान करेगी. आईनॉक्स विंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैलाश ताराचंदानी ने कहा, मेरा मानना है कि यह वित्त वर्ष 2024-25 और उसके बाद पर्याप्त वृद्धि हासिल करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है.

भारत ने 2023 में मिस्र को 5,000 करोड़ रुपये का मीट एक्सपोर्ट किया था

भारत से मिस्र को आसानी से होगा मीट का निर्यात

भाषा ।नयी दिल्ली

बढ़ेगा व्यापार

- भारतीय मीट की मात्रा 75 से 80% के बीच है
- मिस्र की 99 फीसदी आबादी मांसाहारी है

दुनियाभर में मीट का बड़े पैमाने पर मीट का कारोबार होता है. इसके लिए कई देश अपने यहां इसकी मांग पूरा नहीं कर पाते हैं तो वे दूसरे देशों से आयात करते हैं. इससे न सिर्फ कारोबार बढ़ता है, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं. जब से वैश्विक अर्थव्यवस्था के मामले में भारत आगे बढ़ा है उसकी साख बढ़ी है. इसलिए अब मिस्र भारत से मीट के निर्यात को बढ़ाने में लगा है. इसे लेकर मिस्र ने भारत में औपचारिक रूप से एक कार्यालय खोलने का फैसला किया है. ऐसे में कहा जा रहा है कि भारत से मिस्र को अब मीट और पॉल्ट्री समेत डेरी और अन्य फूड प्रोडक्ट्स का आसानी से निर्यात हो सकेगा. वहीं भारत से निर्यात किए जाने वाले मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट मिस्र द्वारा निर्धारित हलाल स्टैंडर्ड के अनुरूप हो, इसके लिए सरकार गंभीर है.

इसी बीच मिस्र के द्वारा कार्यालय खोलने की घोषणा भारत में मिस्र के राजदूत वील मोहम्मद अवाद हमेद ने की. इस अवसर पर एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (अपीडा) के अधिकारी भी उपस्थित थे. मिस्र के राजदूत ने बताया कि अब हलाल सर्टिफिकेशन के लिए भारत में एजेंसी की शुरुआत हो चुकी है. यह एजेंसी पूरे भारत में अपनी सेवाएं देगा. फिलहाल यह एजेंसी मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का सर्टिफिकेशन करेगी. बाद में इसमें डेरी और फार्मा भी जुड़ सकेंगे. उन्होंने कहा कि भारत के मीट निर्यातकों के पास सुनहरा मौका है कि वे मिस्र को निर्यात किए जाने वाले मीट की मात्रा बढ़ा सकते हैं.

मिस्र में इस समय भारत सबसे बड़ा मीट एक्सपोर्टर है. मिस्र के राजदूत ने बताया कि इस समय मिस्र में जितना मीट मंगाया जाता है, उसमें अभी भारतीय मीट की मात्रा 75 से 80 फीसदी के बीच है. हमें उम्मीद है कि आप मीट के कारोबार को 85 फीसदी, 90 फीसदी और 100 फीसदी तक बढ़ाना चाहेंगे. अगर आप इसे 100 फीसदी तक भी पहुंचाना चाहते हैं, तो मिस्र सरकार की तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा. उल्लेखनीय है कि मिस्र की 99 फीसदी आबादी मांसाहारी है.

बता दें कि भारत ने कैलेंडर ईयर 2023 में मिस्र को 630 मिलियन डॉलर करीब 5,000 करोड़ रुपये का मीट एक्सपोर्ट किया था. इससे पहले साल 2022 में यह करीब 600 मिलियन डॉलर का रहा था. इसमें हर साल बढ़ोतरी ही हो रही है. मिस्र भारत के अलावा ब्राजील, अमेरिका, यूरोप, जर्मनी आदि देशों से भी मीट मंगाता है.

मिस्र की भारत में हलाल सर्टिफिकेशन एजेंसी हलाल मार्केट इंडिया के सीईओ डॉ. गासर अलसईद ने बताया कि साल 2020 से पहले वहां कोई हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं था. उस समय विश्वास के आधार पर मीट खरीदा जाता था. लेकिन कुछ गड़बड़ी होने की वजह से इसे साल 2020 में लागू कर दिया गया. उन्होंने बताया कि भारत में हलाल सर्टिफिकेशन के लिए कोई फेसिलिटेशन शुल्क नहीं लिया जाएगा. सिर्फ मिस्र सरकार द्वारा घोषित प्राइस लिस्ट लागू होगी. यदि कोई एक्सपोर्टर 40 फुट वाले किसी कंटेनर, जिसमें 28 टन तक मीट हो, का सर्टिफिकेशन कराना चाहता है तो उसे 2250 डॉलर का शुल्क चुकाना होगा.

एलएंडटी ने सिलिकोंच सिस्टम्स को खरीदने के लिए किया समझौता

L&T Finance

एजेंसी ।नयी दिल्ली

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने बेंगलुरू स्थित सिलिकोंच सिस्टम्स को 183 करोड़ रुपये में खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. इस अधिग्रहण से 'फैबलेस सेमीकंडक्टर' व्यवसाय में समूह की उपस्थिति को मजबूत करने के लिए इंजीनियरिंग कौशल तथा डिजाइन विशेषज्ञता को बढ़ाने की संभावना है. एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में कहा, कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने सिलिकोंच सिस्टम्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए आठ जुलाई 2024 को शेयर खरीद समझौता किया है. यह अधिग्रहण सितंबर तक पूरा होने की संभावना है, जो कि पारंपरिक समापन शर्तों के अधीन है. सिलिकोंच सिस्टम्स की स्थापना अप्रैल 2016 में की गई. यह सेमीकंडक्टर बौद्धिक संपदा (आईपी) और एकीकृत सर्किट (आईसी) के विकास तथा डिजाइन में विशेषज्ञता रखती है.

कीस्टोन रियलटर्स की बुकिंग 22% बढ़ा

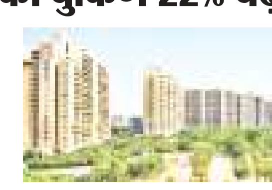

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी कीस्टोन रियलटर्स लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग 22 प्रतिशत बढ़कर 611 करोड़ रुपये हो गई. कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि गत वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में बिक्री बुकिंग 502 करोड़ रुपये थी. मुंबई स्थित कंपनी रुस्तमजी ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचती है. कंपनी सूचना के अनुसार, मात्रा के संदर्भ में समीक्षाधीन अवधि में उसकी बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 2.9 लाख वर्ग फुट से 16 प्रतिशत घटकर 2.4 लाख वर्ग फुट रह गई. कीस्टोन रियलटर्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक बोमन ईरानी ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही ने वर्ष के लिए एक दिशा निर्धारित की है...2023-24 में हासिल गति कायम है.

वित्त वर्ष 2024-25 का मामला

औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स पार्क की मांग 13-14% बढ़ेगी : रिपोर्ट

एजेंसी ।मुंबई

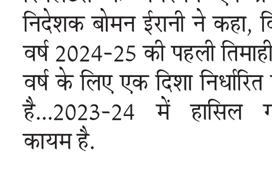

औद्योगिक व वेयरहाउस लॉजिस्टिक्स पार्क की मांग चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आठ बड़े बाजारों में सालाना आधार पर 13-14 प्रतिशत बढ़कर करीब 42.4 करोड़ वर्ग फुट होने का अनुमान है. रेटिंग एजेंसी इक्रा की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में 4.7 करोड़ वर्ग फुट का इस्तेमाल किए जाने की संभावना है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 3.7 लाख वर्ग फुट था. वृद्धि अनुमान इक्रा के रेटेड पोर्टफोलियो के एक सीमित सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें 17 शहरों की 58 इकाइयों ने हिस्सा लिया. इन इकाइयों का कुल पट्टा योग्य क्षेत्रफल करीब 3.4 लाख वर्ग फुट है. इक्रा में कॉरपोरेट रेटिंग के सहायक उपाध्यक्ष तथा क्षेत्र प्रमुख तुषार भारम्बे ने कहा, पिछले पांच वर्षों में आठ प्राथमिक बाजारों में ग्रेड ए वेयरहाउस स्टॉक 21 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 18.3 करोड़ वर्ग फुट हो गए और वित्त वर्ष 2024-25 में इसमें 19-20 प्रतिशत की और वृद्धि होने का अनुमान है. भारत में वर्तमान ग्रेड ए स्टॉक का 50-55 प्रतिशत से अधिक हिस्सा वैश्विक संचालकों/निवेशकों जैसे सीपीपीआईबी, जीएलपी, ब्लैकस्टोन, ईएसआर, एलियांज, जीआईसी और सीडीसी समूह आदि द्वारा समर्थित है.

भारतीय बाजार ऑलटाइम हाई छूने के बाद शानदार तेजी के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

सेंसेक्स 80,397.17 व निफ्टी 4,443.60 अंकों तक पहुंचा

एजेंसी ।मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौटी और बीएसई संसेक्स 391 अंक उछलकर नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ. वाहन और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से एनएसई निफ्टी भी नये शिखर पर पहुंच गया.

तीस शेयरों पर आधारित संसेक्स 391.26 अंक यानी 0.49 प्रतिशत चढ़कर अपने अबतक के उच्चतम स्तर 80,351.64 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह 436.79 अंक की बढ़त के साथ रिकॉर्ड 80,397.17 अंक तक गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 112.65 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,433.20 अंक के नये शिखर पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान, यह 123.05 अंक चढ़कर रिकॉर्ड 24,443.60 अंक तक चला गया था. सेंसेक्स के शेयरों में मारुति सुजुकी इंडिया छह प्रतिशत चढ़ा. उत्तर प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल वाहनों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा हाइब्रिड कार (पेट्रोल और इलेक्ट्रिक से चलने वाली) पर पंजीकरण शुल्क से छूट दिये जाने की खबरों के बीच कंपनी का शेयर चढ़ा. इसके अलावा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, सन फार्मा, आईटीसी, नेस्ले और टाटा मोटर्स भी प्रमुख रूप से लाभ में रहे. दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और जेएसडब्ल्यू स्टील शामिल हैं. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक लाभ में, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा.

यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा. अमेरिकी बाजार सोमवार को कमोबेश बढ़त में रहे थे.

अशोका लीलैंड ने तमिलनाडु में किया विस्तार

चेन्नई । हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोका लीलैंड ने हिंदुजा लीलैंड फाइनेंस के साथ मिलकर अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल 'रोड टू स्कूल' कार्यक्रम का विस्तार तमिलनाडु के तीन जिलों में किया है. यह परियोजना देश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के बीच शैक्षिक असमानताओं को पाटने की कोशिश करती है. इसका उद्देश्य सामाजिक सशक्तीकरण के साधन के रूप में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना है.

लार्सन एंड टुब्रो को बड़ा ठेका मिला

नयी दिल्ली । लार्सन एंड टुब्रो को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) से दो 'फ्लीट सपोर्ट शिप' (एफएसएस) के आंशिक निर्माण का बड़ा ठेका मिला है. एलएंडटी ने अनुबंध के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया. उसकी परियोजना वर्गीकरण के अनुसार किसी बड़े ठेके का मूल्य 10,000 से 15,000 करोड़ रुपये के बीच होता है. कंपनी ने बीएसई को दी गई सूचना में कहा, लार्सन एंड टूब्रो के प्रेसिजन इंजीनियरिंग सिस्टम्स व्यवसाय को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) से दो फ्लीट सपोर्ट शिप के आंशिक निर्माण का बड़ा ठेका मिला है. इन जहाजों का इस्तेमाल भारतीय नौसेना करेगी. भारतीय नौसेना ने पिछले वर्ष अगस्त में भारतीय नौसेना के लिए पांच एफएसएस के डिजाइन तथा निर्माण के लिए एचएसएल के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे.

ब्रीफ खबरें

चालक रहित कार ने यात्री को टक्कर मारी

बीजिंग। चीन में एक चालक रहित कार ने एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी. सोशल मीडिया पर लोग कार निर्माता का पक्ष ले रहे हैं क्योंकि व्यक्ति कथित तौर पर गाड़ियों के लिये हरी बत्ती होने के बावजूद सड़क पार कर रहा था. कार निर्माता दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी बायदू ने चीनी मीडिया में जारी एक बयान में कहा कि हरी बत्ती होते ही कार चलने लगी और उसकी पैदल यात्री से मामूली टक्कर हुई. कंपनी ने बताया कि पीड़ित को एक अस्पताल ले जाया गया जहां जांच में पाया गया कि उसे कोई बाहरी चोट नहीं आयी.

'बेरिल' ने टेक्सास में चार लोगों की जान ली

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास प्रांत में सोमवार तड़के आए शक्तिशाली तूफान 'बेरिल' के असर से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और करीब 30 लाख घरों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों की बिजली गुल हो गई है. 'नेशनल हरिकेन सेंटर' ने सोमवार शाम को कहा कि 'बेरिल' ने श्रेणी-एक के तूफान के रूप में माटागोर्डा के पास दस्तक दी जिसके बाद स्कूलों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, कार्यालयों और वित्तीय संस्थानों को बंद कर दिया गया. पूर्वी टेक्सास, पश्चिमी लुइसियाना और अरकांसस के कुछ हिस्सों में बाढ़, बारिश और तेज आंधी के आसार हैं.

हमले में पुलिस अफसर और दो बच्चों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तरपश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वाहन पर घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें एक पुलिस अधिकारी और दो बच्चों की मौत हो गयी. पुलिस ने बताया कि यह घटना खैबर पख्तूनख्वा के अशांत लक्की मारवत जिले में हुई जब एक मोटरसाइकिल पर सवार बंदूकधारियों ने पुलिस अधिकारी की कार पर हमला कर दिया था. कार में सवार दो महिलाएं किसी तरह बच गयीं. घटना में 8 से 12 साल के दो बच्चों की मौत हो गयी.

सैनिकों ने पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलियां चलाईं

मेंढर/जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना के जवानों ने एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलियां चलाईं. अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि हालांकि, ड्रोन सोमवार देर रात को कुछ देर तक भारतीय क्षेत्र के ऊपर मंडराने के बाद पाकिस्तान लौट गया. उन्होंने बताया कि नियंत्रण रेखा पर तैनात भारतीय सैनिकों ने रात करीब सवा नौ बजे एक पाकिस्तानी ड्रोन को 1,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर मंडराता हुआ देख उसे मार गिराने के लिए अगले 10 मिनट में पांच गोलियां चलाईं.

सितंबर 2023 के बाद पहली बार भारत के मुख्य जलाशयों में जल स्तर बढ़ा

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय जल आयोग ने कहा है कि पूरे भारत में भारी बारिश के बीच, सितंबर 2023 के बाद पहली बार देश के मुख्य जलाशयों का जलस्तर बढ़ा है. आंकड़ों के अनुसार, पिछले सप्ताह की तुलना में जलाशयों के जलस्तर में दो प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई. इसके साथ 29 सितंबर 2023 को जारी बुलेटिन के बाद से दर्ज की गई सप्ताह-दर-सप्ताह आने वाली गिरावट रुक गई है. उस समय इनकी भंडारण क्षमता 73 प्रतिशत थी. यह सुधार देशभर में व्यापक वर्षा के बीच हुआ है. देशभर के 150 जलाशयों की भंडारण स्थिति की निगरानी करने वाली सीडब्ल्यूसी ने चार जुलाई को इन घटनाक्रम का विवरण देते हुए अपना नवीनतम बुलेटिन जारी किया.

- यह सुधार देशभर में व्यापक वर्षा के बीच हुआ, देशभर के 150 जलाशयों की भंडारण स्थिति की निगरानी करने वाली सीडब्ल्यूसी ने जारी किया विवरण

बुलेटिन के अनुसार, 150 जलाशयों में से 20 जलविद्युत परियोजनाओं के लिए समर्पित हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 35.30 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है. सीडब्ल्यूसी के चार जुलाई के बुलेटिन में कहा गया कि इन जलाशयों में उपलब्ध भंडारण क्षमता 39.729 बीसीएम थी जो उनकी कुल भंडारण क्षमता का 22 प्रतिशत है. इसकी तुलना में, पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान उपलब्ध संग्रहण स्तर 50.422 बीसीएम था, जबकि सामान्य संग्रहण स्तर 44.06 बीसीएम था. सीडब्ल्यूसी ने कहा कि इससे पता चलता है कि वर्तमान भंडारण क्षमता पिछले वर्ष की इसी अवधि की 79 प्रतिशत तथा सामान्य भंडारण क्षमता की 90 प्रतिशत है.

पूर्वी क्षेत्र में 23 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20.430 बीसीएम

उत्तरी क्षेत्र (हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान) में 10 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 19.663 बीसीएम है. वर्तमान भंडारण 5.39 बीसीएम (27 प्रतिशत) है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 45 प्रतिशत था, जबकि सामान्य भंडारण क्षमता 31 प्रतिशत है. पूर्वी क्षेत्र (असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नगालैंड और बिहार) में 23 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20.430 बीसीएम है. यहां वर्तमान भंडारण 3.979 बीसीएम (19 प्रतिशत) है, जो पिछले वर्ष के 20 प्रतिशत से कम है तथा सामान्य स्तर 23 प्रतिशत है. पश्चिमी क्षेत्र (गुजरात और महाराष्ट्र) में 49 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 37.130 बीसीएम है. वर्तमान में भंडारण 7.949 बीसीएम (21 प्रतिशत) है. मध्य क्षेत्र (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) में 26 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 48.227 बीसीएम है. वर्तमान भंडारण 12.26 बीसीएम (25 प्रतिशत) है.

ब्रह्मपुत्र, साबरमती व ताद्री से बहने वाली नदियों में जल भंडारण बेहतर

दक्षिणी क्षेत्र (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु) में 42 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 53.334 बीसीएम है. वर्तमान भंडारण स्तर 10.152 बीसीएम (19.03 प्रतिशत) है, जो पिछले साल के 19.43 प्रतिशत से कम है और सामान्य स्तर 24 प्रतिशत है. सामान्य भंडारण स्तर को पिछले 10 वर्षों के औसत भंडारण के रूप में परिभाषित किया जाता है. समग्र रूप से भंडारण स्तर पिछले वर्ष की इसी अवधि तथा इसी अवधि के दौरान सामान्य भंडारण दोनों से कम है. ब्रह्मपुत्र, साबरमती और ताद्री से कन्याकुमारी तक पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों में जल भंडारण सामान्य से बेहतर देखा गया है. सिंधु, सुवर्णरेखा, माही और अन्य नदियों में जल भंडारण सामान्य के करीब पाया गया है. महानदी, कावेरी, ब्राह्मणी और वैतरणी नदियों में जल भंडारण कम है. पेन्नार और कन्याकुमारी के बीच पूर्व की ओर बहने वाली नदियों में जल भंडारण अत्यधिक कम है.

आंध्र प्रदेश के छात्र की अमेरिका में झरने में डूबने के कारण मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश का छात्र जी साई सूर्या अविनाश गत शनिवार को अमेरिका में एक झरने में दुर्घटनावश फिसलकर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई. न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि पूर्वी गोदावरी जिले के चिताल्या का रहने वाला अविनाश सात जुलाई को अल्बानी (न्यूयॉर्क) के बार्बरविले फॉल्स में डूब गया. वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "हम ट्राइन विश्वविद्यालय के छात्र साई सूर्या अविनाश गड्डे की दर्दनाक मौत से बहुत दुखी हैं. वह सात जुलाई को बार्बरविले फॉल्स, अल्बानी (न्यूयॉर्क) में डूब गया था." वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह अविनाश के शव को भारत भेजने के लिए सभी आवश्यक मदद मुहैया कर रहा है.

भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने की पुतिन के नेतृत्व की सराहना

रूस भारत के दुख-सुख का भरोसेमंद साथी : मोदी

एजेंसी। मॉस्को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रूस को भारत का 'सुख-दुख का साथी' और 'सबसे भरोसेमंद दोस्त' बताते हुए पिछले दो दशकों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व की प्रशंसा की. यूक्रेन युद्ध को लेकर रूसी नेता को अलग-थलग करने के पश्चिमी देशों के प्रयासों के बीच यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पुतिन की यह प्रशंसा की. प्रधानमंत्री ने वैश्विक गरीबी से लेकर जलवायु परिवर्तन तक विभिन्न चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत हर चुनौती को चुनौती देने में सबसे आगे रहेगा और चुनौती देना तो उनके 'डीएनए' में है. मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'दशकों से भारत और रूस के बीच जो अनोखा रिश्ता रहा है, मैं उसका कायल रहा हूं. रूस शब्द सुनते ही हर भारतीय के मन में पहला शब्द आता है... भारत के सुख-दुख का साथी. भारत का भरोसेमंद दोस्त. हमारे रूसी दोस्त इसे 'द्रुजवा' कहते हैं और हम हिन्दी में इसे 'दोस्ती' कहते हैं.'' उन्होंने कहा, 'रूस में सर्दी के मौसम में तापमान कितना भी माइनस में नीचे क्यों न चला जाए, लेकिन भारत और रूस की दोस्ती हमेशा प्लस में रही है, गर्मजोशी भरी रही है.'

'श्री 420' के लोकप्रिय गीत का जिक्र : प्रधानमंत्री ने कहा कि यह रिश्ता पारस्परिक विश्वास और सम्मान की मजबूत नींव पर बना है. प्रसिद्ध अभिनेता राज कपूर की मशहूर फिल्म 'श्री 420' के लोकप्रिय गीत 'सर पे लाल टोपी रूसी' का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यह गीत भले ही पुराना हो गया हो लेकिन इसकी भावना 'सदाबहार' है.

बहुध्रुवीय विश्व ऑर्डर में भारत को एक मजबूत स्तंभ : प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय से दुनिया ने 'प्रभावोन्मुखी वैश्विक व्यवस्था' देखी है. मोदी ने कहा, 'लेकिन दुनिया को अभी प्रभाव नहीं, बल्कि संगम की जरूरत है और भारत से बेहतर कोई भी यह संदेश नहीं दे सकता है, जहां संगमों की पूजा करने की मजबूत परंपरा रही है.' उन्होंने कहा कि आज विश्व बंधु के रूप में भारत दुनिया को नया भरोसा दे रहा है और उसकी बढ़ती क्षमताओं ने पूरी दुनिया को स्थिरता और समृद्धि की उम्मीद दी है. उन्होंने कहा, 'नए उभरते बहुध्रुवीय विश्व ऑर्डर में भारत को एक मजबूत स्तंभ के रूप में देखा जा रहा है.' उन्होंने कहा, 'जब शांति, संवाद और कूटनीति की बात होती है तो पूरी दुनिया सुनती है.'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को मॉस्को में एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करते हुए. प्रेट्र

मोदी ने उठाया रूसी सेना में कार्यरत भारतीयों की स्वदेश वापसी का मुद्दा

मॉस्को। रूस अपनी सेना में सहायक कर्मियों के रूप में भारतीयों की भर्ती बंद करने और बल में कार्यरत भारतीयों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के भारत के आह्वान पर मोटे तौर पर सहमत हो गया है. शीर्ष सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अनौपचारिक मुलाकात के दौरान यह मुद्दा उठाया था. उन्होंने बताया कि मंगलवार को मोदी और पुतिन के बीच शिखर वार्ता के बाद रूसी सेना में सहायक स्टाफ के रूप में कार्यरत सभी भारतीयों को सेवामुक्त करने के मॉस्को के फैसले की घोषणा होने की उम्मीद है. सूत्रों ने कहा कि रूस इस मुद्दे पर हमारे अनुरोध पर मोटे तौर पर सहमत हो गया है.

रूस के कजान व येकातेरिनबर्ग शहरों में वाणिज्य दूतावास खोलेगा भारत

मोदी ने मंगलवार को घोषणा की कि भारत ने रूस के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए उसके कजान व येकातेरिनबर्ग शहरों में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलने का फैसला किया है. इस समय रूस में भारत के दो वाणिज्य दूतावास सेंट पीटर्सबर्ग और व्लादिवोस्तोक में हैं. येकातेरिनबर्ग रूस का चौथा सबसे बड़ा शहर है जो महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र बनकर उभरा है. इसी शहर में 2018 में फीफा विश्वकप के चार मैच हुए थे. वोल्गा और कजांका नदियों के संगम पर स्थित कजान शहर रूस का सांस्कृतिक और शैक्षिक केंद्र तथा देश का उभरता आर्थिक केंद्र है.

यूक्रेन संघर्ष के समाधान में उसकी संप्रभुता का सम्मान हो : यूएस

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा कि उसने भारत से रूस को यह स्पष्ट करने का आग्रह किया है कि यूक्रेन में संघर्ष के किसी भी समाधान में संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता तथा संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए. अमेरिका ने कहा कि भारत एक रणनीति साझेदार है जिसके साथ वह पूर्ण और स्पष्ट बातचीत करता है. विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस की यात्रा तथा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बैठकों के बारे में पूछा गया था. मिलर ने कहा, 'भारत एक रणनीतिक साझेदार है जिसके साथ हम पूर्ण और स्पष्ट बातचीत करते हैं. इसमें रूस के साथ उनके संबंधों को लेकर हमारी चिंताएं भी शामिल हैं.' उन्होंने कहा, 'हम भारत से यह स्पष्ट करने का अनुरोध करेंगे कि यूक्रेन में संघर्ष के किसी भी समाधान में संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान होना चाहिए, यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता व संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए.' उन्होंने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री मोदी की सार्वजनिक टिप्पणियों का इंतजार करूंगा कि उन्होंने क्या बात की, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हमने भारत से रूस के साथ उनके संबंधों के बारे में अपनी चिंताओं को स्पष्ट कर दिया है.

हाथरस भगदड़ मामले में 'बड़ी साजिश' की आशंका बरकरार

- एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम, सीओ और चार अन्य निलंबित

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने हाथरस भगदड़ मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर मंगलवार को स्थानीय उप जिलाधिकारी (एसडीएम), पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) और चार अन्य को निलंबित कर दिया. इस रिपोर्ट में घटना के पीछे 'बड़ी साजिश' से इनकार नहीं किया गया है. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में स्थानीय प्रशासन के स्तर पर भी लापरवाही होने की बात कही गई है जिसके कारण दो जुलाई को यह घटना हुई. रिपोर्ट में भगदड़ के लिए आयोजकों को जिम्मेदार ठहराते हुए दावा किया गया है कि उन्होंने भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए कोई इंतजाम नहीं किए. रिपोर्ट में जिला प्रशासन की भी जवाबदेही तय की गई है.

रिपोर्ट कहती है कि स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने आयोजन को गंभीरता से नहीं लिया और वे वरिष्ठ अधिकारियों को उचित सूचना देने में विफल रहे. हाथरस जिले के फुलरई गांव में स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ 'भोले बाबा' के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई थी. एसआईटी रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी समेत छह लोगों को अपने दायित्व के निर्वहन में लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए निलंबित कर दिया. छह जुलाई को स्वयंभू 'बाबा' के अधिवक्ता ने दावा किया था कि 'कुछ अज्ञात लोगों' द्वारा 'एक किस्म का जहरीला पदार्थ' छिड़कने के कारण भगदड़ मची.

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया

जांच समिति ने कार्यक्रम आयोजकों और तहसील स्तर की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को भी दोषी पाया. समिति ने कहा कि स्थानीय एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में लापरवाही के लिए दोषी हैं. रिपोर्ट में कहा गया है, 'सिकंदराराऊ के उप जिलाधिकारी ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किए बिना ही कार्यक्रम की अनुमति दे दी और वरिष्ठ अधिकारियों को भी सूचित नहीं किया. अधिकारी ने कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया. एसआईटी ने सिकदराराऊ में तैनात संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की, जिसमें एसडीएम, क्षेत्राधिकारी, सिकंदराराऊ थाने के प्रभारी, तहसीलदार और कचौरा तथा पोरा के पुलिस चौकी प्रभारी शामिल हैं. एसआईटी रिपोर्ट में कहा गया, 'आयोजकों ने तथ्य छिपाकर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति ली. अनुमति के लिए लागू शर्तों का पालन नहीं किया गया.

युवाओं को बेरोजगार बनाए रखना मोदी सरकार का एकमात्र मिशन

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आर्थिक विकास दर और रोजगार सृजन से जुड़े कुछ आंकड़ों का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि युवाओं को बेरोज़गार बनाए रखना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का एकमात्र मिशन है. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मोदी सरकार, भले ही बेरोज़गारी पर सिटी ग्रुप जैसी स्वतंत्र आर्थिक रिपोर्टों को नकार रही हो, पर सरकारी आंकड़ों को कैसे नकारेगी?

एनएसएसओ के सर्वेक्षण के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र में अनिगमित इकाइयों में सात वर्षों में 54 लाख नौकरियां ख़त्म हो गई हैं. वर्ष 2010-11 में पूरे भारत में 10.8 करोड़ कर्मचारी अनिगमित गैर-कृषि उद्यमों में कार्यरत थे, जो अब 2022-23 में 10.96 करोड़ हो गए हैं.

रक्षा मंत्री ने कठुआ आतंकी हमले पर दुख व्यक्त किया

नयी दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवादी हमले में पांच जवानों की मौत पर मंगलवार को 'गहरा दुख' व्यक्त किया. वहीं, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा कि कठुआ हमले में पांच जवानों की मौत का बदला लिया जाएगा और भारत इसके पीछे की बुरी ताकतों को हराएगा. राजनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "कठुआ (जम्मू-कश्मीर) के बदनोटा में आतंकवादी हमले में हमारे पांच बहादुर सैनिकों की मौत से मुझे गहरा दुख हुआ है." उन्होंने कहा कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं.

आतंकी गतिविधियों का केंद्र बना जम्मू क्षेत्र : कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकी हमले को लेकर मंगलवार को कहा कि कश्मीर घाटी के बाद अब जम्मू क्षेत्र आतंकवादी गतिविधियों का नया केंद्र बन गया है और सरकार को इसे गंभीरता से लेते हुए उपयुक्त कदम उठाना चाहिए. पार्टी सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इस मामले पर सरकार को देश को भरोसे में लेना चाहिए कि वह आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठा रही है. उनका यह भी कहना था कि अब पाकिस्तान को उसके दुस्साहस के लिए जवाब देने का समय आ गया है. कठुआ के बदनोटा इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने सोमवार को एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे.

जम्मू-कश्मीर पुलिस और विशेष अभियान समूह के जवान मंगलवार को हुए कठुआ आतंकवादी हमले के बाद आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान.

शहीद सैनिकों की संख्या बताए केंद्र सरकार: राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार से पिछले एक दशक में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों के हताहत होने वाले लोगों की संख्या साझा करने का मंगलवार को आह्वान किया. राउत ने 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद क्षेत्र में बिगड़ते हालात पर चिंता व्यक्त की. राउत ने कहा, 'इस सरकार के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर में सबसे ज्यादा सैनिकों ने अपनी जान गंवाई है.

कठुआ हमला चिंताजनक प्रशासन सतर्क रहे : उमर

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवादी हमले में पांच जवानों की मौत चिंताजनक है. उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर क्षेत्र में सुरक्षा स्थित को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप भी लगाया. सोमवार को बदनोटा इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें पांच जवान मारे गए थे.

चिंतनीय

अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की ओर से जारी रिपोर्ट में किया गया है दावा

भारत में घटिया ईंधन के संपर्क में आने से हर 1,000 बच्चों में 27 की मौत

एजेंसी। वाशिंगटन

भारत में भोजन पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले घटिया ईंधन के संपर्क में आने के कारण हर 1,000 शिशुओं और बच्चों में से 27 की मौत हो जाती है. अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया है. कोर्नेल विश्वविद्यालय में 'चार्ल्स एच. डायसन स्कूल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट' में प्रोफेसर अर्नब बसु समेत अन्य लेखकों ने 'भोजन पकाने के ईंधन के विकल्प और भारत में बाल मृत्यु दर' शीर्षक वाली रिपोर्ट में 1992 से 2016 तक बड़े पैमाने पर घरों के सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया है. आंकड़ों का इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए किया गया कि प्रदूषण फैलाने वाले इन ईंधन का मनुष्य की सेहत पर क्या असर पड़ता है. इसमें पाया गया कि इसका सबसे ज्यादा असर एक माह की आयु तक के शिशुओं पर पड़ा है. बसु ने कहा कि यह ऐसा आयु वर्ग है जिसके फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं होते हैं और शिशु सबसे ज्यादा अपनी मां की गोद में रहते हैं जो अक्सर घर में खाना पकाने वाली मुख्य सदस्य होती हैं. रिपोर्ट के अनुसार, भारत में खाना पकाने के घटिया ईंधन के संपर्क में आने के कारण हर 1,000 शिशु और बच्चों में से 27 की मौत हो जाती है.

1992 से 2016 तक बड़े पैमाने पर घरों के सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया है लेखकों ने रिपोर्ट में

32 लाख लोगों की मौत हर साल होती है दुनियाभर में इंधन के रूप में लकड़ी और उपले के इस्तेमाल से

दुनिया की एक तिहाई आबादी चूल्हे या स्टोव पर निर्भर

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया की करीब एक तिहाई आबादी चूल्हे या स्टोव पर खाना पकाती हैं जिसमें ईंधन के तौर पर लकड़ी, उपले या फसलों के अपशिष्ट का इस्तेमाल किया जाता है जिससे दुनियाभर में हर साल 32 लाख लोगों की मौत होती है. बसु ने कहा कि बदलाव लाना मुश्किल है. उन्होंने कहा, 'ज्यादातर ध्यान बाहरी वायु प्रदूषण और फसलों के अपशिष्ट को जलाने के तरीकों पर केंद्रित रहता है. सरकारें पराली जलाने के खिलाफ कानून बना सकती हैं और किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते अग्रिम भुगतान कर सकती हैं.' रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि घर के अंदर के प्रदूषण पर भी ध्यान देना उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें अन्य कारकों के अलावा क्षेत्रीय कृषि भूमि स्वामित्व और वन क्षेत्र, घरेलू विशेषताएं और पारिवारिक संरचना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

भारत में लड़कों के बजाय लड़कियों की मौत ज्यादा

बासु ने बताया कि भारतीय घरों में इसके कारण लड़कों के बजाय लड़कियों की मौत ज्यादा होती हैं. उन्होंने कहा कि इसकी वजह यह नहीं है कि लड़कियां अधिक नाजुक या प्रदूषण से जुड़ी श्वसन संबंध बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं बल्कि इसकी वजह यह है कि भारत में बेटों को ज्यादा तरजीह दी जाती है और जब कोई बेटी बीमार पड़ती है या उसे खांसी शुरू होती है तो परिवार उसका इलाज कराने पर समुचित ध्यान नहीं देते हैं. बसु ने विश्वविद्यालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'स्वच्छ ईंधन का इस्तेमाल करने से न केवल बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ेगा बल्कि बेटियों की उपेक्षा भी कम होगी.'

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को फिर से खोलने की सिफारिश करेगी समिति

एजेंसी। भुवनेश्वर

पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के सिलसिले में गठित उच्च स्तरीय समिति ने ओडिशा सरकार को 14 जुलाई को खजाने के आंतरिक कक्ष को फिर से खोलने की सिफारिश करने का फैसला किया है. समिति के एक सदस्य ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पुरी में समिति के सदस्यों की एक बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया. रत्न भंडार में संग्रहित मूल्यवान वस्तुओं की सूची बनाने की निगरानी के लिए समिति का गठन किया गया था. समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ ने कहा, 'हमने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि समिति सरकार से 14 जुलाई को रत्न भंडार के आंतरिक कक्ष को फिर से खोलने का अनुरोध करेगी.' रत्न भंडार को आखिरी बार 46 साल पहले 1978 में खोला गया था. रथ ने बताया कि श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक को बैठक के दौरान समिति के समक्ष रत्न भंडार की डुप्लीकेट चाबी पेश करने के लिए कहा गया. एसजेटीए के मुख्य प्रशासक समिति के सदस्य संयोजक भी हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)